आज का मौसम
36.0⁰ अधिकतम तापमान
28.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29
सूर्यास्त 07.07

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया 10:42 तक उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 27 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 247, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

किसानों को यूरिया और डीएपी के साथ नहीं बेच सकेंगे कीटनाशक - 12

संसद की कार्यवाही बाधित होने से विपक्ष को ही अधिक नुकसान : रीजीजू - 12

थाईलैंड और कंबोडिया में संघर्ष से डेढ़ लाख से ज्यादा लोग विस्थापित - 13

शुभमन और राहुल भारत को पारी की हार से बचाने के लिए डटे- 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, हरितालिका तीज : परंपरा और युवा दृष्टिकोण व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोकदर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

पाकिस्तान ने 22 मिनट में ही टेक दिए थे घुटने : योगी

कारगिल विजय दिवस पर सीएम ने पाकिस्तान को ललकारा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद दिवस पर पाकिस्तान को जमकर ललकारा। कहा कि पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना को पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। सेना ने पाकिस्तान के आतंकी कैंपों को तहस-नहस कर दिया। इस पराक्रम को देखकर पाकिस्तान जान बचाने के लिए अमेरिका की शरण में पहुंचा। उन्होंने कहा कि भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। अंत में उसे समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा।

कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में शनिवार को आयोजित कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री में होता है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने पलायन नहीं किया, उसी का नतीजा है कि हमने कारगिल पर विजय प्राप्त की। कहा कि जो पलायन करते हैं, जो समाज में विद्वेष फैलाते हैं उन्हें सफलता नहीं मिलती। मुख्यमंत्री और मेयर सुषमा खर्कवाल ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। शहीद कैप्टन मनोज पांडेय, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, रायफल मैन सुनील जंग और मेजर रितेश शर्मा के परिजन मौजूद रहे।

● जान बचाने के लिए अमेरिका की शरण में पहुंचा था पाकिस्तान

अग्निवीरों को पुलिस बल में 20% आरक्षण

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होने पर परिवार को आज 50 लाख रुपये की सहायता और एक सदस्य को नौकरी दी जा रही है। सरकार ने तय किया है कि अग्निवीर के रूप में जो जवान देश की सेनाओं में योगदान दे रहे हैं, उन्हे प्रदेश पुलिस बल में 20 प्रतिशत आरक्षण देंगे।

अमेरिका के दबाव में नहीं आए थे अटल

योगी ने कहा कि आज के ही दिन कारगिल विजय की घोषणा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति अमेरिका गए, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी ने दबाव नहीं झेला। उन्होंने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा और अंत में पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा और घुसपैठियों को भागना पड़ा।

ब्रीफ न्यूज

यूपी के बुजुर्ग से ठगी में दो भाई गिरफ्तार

ठाणे। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक वरिष्ठ नागरिक से डिजिटल अरेस्ट के जरिए 95 लाख रुपये की ठगी के आरोप में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड से दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल ने बताया कि मोहम्मद इकबाल और शाइन इकबाल को आठ अप्रैल को वहां दर्ज मामले में कार्रवाई के लिए लखनऊ अपराध शाखा को सौंप दिया गया है।

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। पुलिस ने बताया कि भाकपा (माओवादी) से अलग हुए समूह जेजेएमपी के सदस्य घाघरा थाना क्षेत्र के लावादाग में एकत्र हुए हैं। इस सूचना के आधार पर झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस ने संयुक्त रूप से एक अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों में गोलीबारी शुरू हो गई। गोलीबारी बंद होने के बाद एक एके-47 और दो इंसास राइफल बरामद की गईं।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार जब्त

इंफाल। मणिपुर के पांच जिलों में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 90 आग्नेयास्त्र और 700 से अधिक गोला-बारूद जब्त किए। जिनमें तीन एके-47, एक एम16 व पांच इंसास राइफल, एक इंसास एलएमजी, चार एसएलआर, 20 पिस्तौल, चार कार्बाइन, सात .303 और आठ अन्य राइफल शामिल हैं। कुल 728 गोला-बारूद जब्त किए गए।

अंदर देखें ... ग्लैम वर्ल्ड

शहीदों को नमन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते सीडीएस जनरल अनिल चौहान, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह। ● एजेंसी

करगिल विजय दिवस पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। -**द्रौपदी मुर्मु,** राष्ट्रपति

देशवासियों को करगिल विजय दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। यह अवसर हमें मां भारती के उन वीर सपूतों के अप्रतिम साहस और शौर्य का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। -**नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

करगिल विजय दिवस पर, मैं उन वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा में साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। करगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की याद दिलाता है। -**राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

करगिल विजय दिवस न केवल अतीत को याद करने के बारे में है, बल्कि भविष्य के संबंध में प्रेरणा लेने के लिए भी है। करगिल की विरासत हमें याद दिलाती है कि हमारी एकजुटता, तैयारी और अटूट साहस दुश्मन के धोखे और आक्रामकता पर हमेशा विजय प्राप्त करेगा। -**जनरल अनिल चौहान,** सीडीएस

मालदीव से साझेदारी करेंगे गहरी : मोदी

● प्रधानमंत्री ने दी मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

उपराष्ट्रपति मो. लतीफ के साथ की प्रमुख मुद्दों पर बातचीत

माले, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव के उपराष्ट्रपति उज हुसैन मोहम्मद लतीफ सहित देश के प्रमुख नेताओं से मुलाकात के दौरान शनिवार को कहा कि भारत मालदीव के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक है। मोदी ने लतीफ के साथ भारत-मालदीव संबंधों के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा की। मोदी ने 'एक्स' लिखा कि हमारे देश बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। यह हमारे देशों के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आगामी वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने मालदीव के स्वतंत्रता दिवस की 60वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति लतीफ ने जरूरत के समय मालदीव को भारत की निरंतर सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। लतीफ ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री से मुलाकात करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत के साथ हमारा मज़बूत सहयोग बढ़ने के साथ और मजबूत होता रहेगा। मोदी ने पीपुल्स मजलिस (मालदीव की संसद) के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने हमारी संसदों के बीच घनिष्ठ संबंधों समेत भारत-मालदीव की गहरी मित्रता पर चर्चा की।

मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू। ● एजेंसी

क्षमता निर्माण को सहयोग जारी रखेगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत क्षमता निर्माण और विकास में मालदीव को सहयोग देना जारी रखेगा। मोदी ने मालदीव के विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के साथ भी एक सार्थक बैठक की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की भागीदारी मजबूत और समय पर खरी उतरी भारत-मालदीव मित्रता के प्रति द्विदलीय समर्थन को रेखांकित करती है।

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में शामिल होगा ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली। एनसीईआरटी छात्रों को भारत की रक्षा रणनीति और कूटनीतिक प्रतिक्रिया के बारे में जानने में मदद करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक विशेष कक्षा मॉड्यूल विकसित कर रहा है। इस मॉड्यूल के दो भाग होंगे - पहला कक्षा तीन से आठ तक तथा दूसरा कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए। एक सूत्र ने बताया कि विशेष मॉड्यूल में पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की रणनीतिक सैन्य प्रतिक्रिया पर केंद्रित आठ से 10 पृष्ठ होंगे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को एक घातक आतंकवादी हमले में 26 लोगों को गोली मार दी गई थी।

● कक्षा तीन से 12 तक के लिए विशेष मॉड्यूल

अब स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि शिक्षा मंत्रालय ने स्कूलों से इमारतों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने को भी कहा है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिरने के एक दिन बाद उठाया गया है।

राजस्थान में स्कूल में हुए हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छात्रों की सुरक्षा और उनका कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा संहिताओं के अनुरूप स्कूलों और बच्चों से संबंधित संरचनाओं का अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट, आपातकालीन तैयारियों के लिए कर्मचारियों और छात्रों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने सिफारिश की कि स्थानीय प्राधिकारियों के साथ सहयोग को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित की जा सकें।

नुकसान पहुंचने की सूचना 24 घंटे में कराएं उपलब्ध

अधिकारी ने कहा कि किसी भी खतरनाक स्थिति, बाल-बाल बचने या बच्चों अथवा युवाओं को नुकसान पहुंचाने वाली किसी घटना की सूचना 24 घंटे के भीतर संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के प्राधिकरण को दी जानी चाहिए। देरी, लापरवाही या कार्रवाई में विफलता के मामलों में सख्त जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। माता-पिता, अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और स्थानीय निकायों को सतर्क रहने तथा स्कूलों, सार्वजनिक क्षेत्रों या बच्चों और युवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों में असुरक्षित स्थितियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

पुराने वाहनों पर लगे प्रतिबंध को चुनौती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध में ढील देने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी।

लोस के 17 सांसदों को संसद रत्न सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

● सदन में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर किए गए चयनित

सुप्रिया सुले (राकांपा-शरदचंद्र पवार), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा) और अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी) सहित 17 सदस्यों को लोकसभा में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 'संसद रत्न' सम्मान- 2025 से सम्मानित किया जाएगा।

इन सम्मानों में चार विशेष जूरी पुरस्कार भी शामिल हैं, जो लगातार तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में उनके निरंतर योगदान को मान्यता प्रदान करते हैं। विशेष पुरस्कार भर्तृहरि महताब (भाजपा, ओडिशा), एनके प्रेमचंद्रन (रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल), सुप्रिया सुले (राकांपा-एसपी), और श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना, महाराष्ट्र) को प्रदान किए जाएंगे। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बनाए रखा है। अन्य सम्मानित किए जाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरण महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं। समिति श्रेणी में, भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉ. चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्ट की गुणवत्ता और विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

ग्रेच्युटी के हकदार नहीं बेसिक शिक्षक

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन कार्यरत प्रधानाध्यापक और सहायक शिक्षक ग्रेच्युटी अधिनियम 1972 के तहत कर्मचारी की परिभाषा में नहीं आते। अतः वे इस अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी लाभ पाने के हकदार नहीं हैं। यह निर्णय न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने बिंद्रा प्रसाद पटेल की विशेष अपील को खारिज करते हुए पारित किया।

याची बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन एक विद्यालय में प्रधानाध्यापक थे। 64 वर्ष की आयु में सेवा विस्तार के बाद 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे।

● कर्मचारी की परिभाषा में नहीं आते बेसिक शिक्षक : हाईकोर्ट

उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में ग्रेच्युटी लाभ की मांग करते हुए रिट याचिका दाखिल की थी, जो खारिज कर दी गई थी। बाद में इसके विरुद्ध उन्होंने विशेष अपील भी दाखिल की थी। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद की स्थापना उप्र बेसिक शिक्षा अधिनियम 1972 के तहत हुई थी। उसके अधीन कार्यरत शिक्षकों की सेवा शर्तें उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा (शिक्षक) सेवा नियमावली 1981 द्वारा नियंत्रित होती हैं। वर्ष 1978 के शासनादेश द्वारा परिषद के शिक्षकों के लिए ग्रेच्युटी की सुविधा समाप्त कर दी गई थी। कोर्ट ने इस बात पर बल दिया कि ग्रेच्युटी अधिनियम की धारा 2(ई) में कर्मचारी की परिभाषा में ऐसे व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया है। जो राज्य सरकार के अधीन पद पर कार्यरत हो और किसी अन्य अधिनियम या नियम के अंतर्गत ग्रेच्युटी योजना से आच्छादित हो।

चूंकि याचिकाकर्ता राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेशों के अधीन कार्यरत थे और उन्हीं के तहत ग्रेच्युटी से संबंधित नीतियां निर्धारित की जाती हैं। अतः वह केंद्रीय ग्रेच्युटी अधिनियम के अंतर्गत लाभ पाने के पात्र नहीं माने जा सकते। कोर्ट ने यह भी कहा कि वर्ष 1994 और 2004 के सरकारी आदेशों के अनुसार उन्हीं शिक्षकों को ग्रेच्युटी दिया जाना था, जिन्होंने 58 या 60 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर वीआरएस लिया हो।

हाईकोर्ट का निर्णय

कोर्ट ने प्रमुख सचिव (गृह) से रिपोर्ट के साथ व्यक्तिगत हलफनामा भी मांगा

बिना धर्म बदले विपरीत धर्म के लोगों की शादी वैध नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : बिना धर्म बदले विपरीत धर्म के जोड़ों के विवाह को वैध शादी न मानते हुए कोर्ट ने इसे कानून का उल्लंघन बताया है। नाबालिग लड़की का अपहरण कर आर्य समाज मंदिर में शादी करने वाले के खिलाफ आपराधिक केस में कार्यवाही रद करने से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आर्य समाज सोसायटियों में फर्जी शादी कराने और नाबालिग को शादी प्रमाणपत्र जारी करने के कई केस सामने आए हैं। वे कानून का उल्लंघन कर शादी प्रमाणपत्र जारी कर रहे हैं। इसकी जांच कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने प्रमुख सचिव (गृह) से रिपोर्ट के साथ व्यक्तिगत हलफनामा भी मांगा है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की एकल पीठ ने सोनू उर्फ शाहनूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

आर्य समाज समितियों की जांच के निर्देश

कोर्ट ने प्रमुख सचिव, यूपी को निर्देश दिया कि वे एक वरिष्ठ अधिकारी (पुलिस उपायुक्त से नीचे नहीं) के माध्यम से राज्य में संचालित ऐसी फर्जी आर्य समाज समितियों की जांच कराएं, जो नाबालिगों के विवाह कराकर फर्जी प्रमाणपत्र जारी कर रही हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 के उल्लंघन के मामलों की भी रिपोर्ट मांगी है। इस संबंध में प्रमुख सचिव (गृह) को मामले की अगली सुनवाई यानी 29 अगस्त तक व्यक्तिगत हलफनामे के माध्यम से अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया गया है।

याचिका में याची ने 12 सितंबर 2024 को जारी समन आदेश और आईपीसी की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत पुलिस स्टेशन निचलौल, महाराजगंज के न्यायालय में लंबित पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता ने दावा किया कि पीड़िता से उसकी शादी 14 फरवरी 2020 को प्रयागराज स्थित आर्य समाज मंदिर में हुई थी और वह अब बालिग होकर उसके साथ रह रही है। जबकि एजीए ने आपत्ति जताते हुए बताया कि हाईस्कूल प्रमाणपत्र के अनुसार पीड़िता घटना के समय नाबालिग थी और बिना वैध धर्म परिवर्तन के यह विवाह कानूनन अमान्य है। उन्होंने आर्य समाज मंदिर द्वारा जारी विवाह प्रमाणपत्र को फर्जी करार दिया। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि यह विवाह उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत पंजीकृत नहीं है। जब युगल अलग-अलग धर्मों के हों, तब केवल आर्य समाज का प्रमाणपत्र पर्याप्त नहीं है।

Sudhir Khandelwal
Since 1975 Shyama DESI GHEE
Ghee Mandi, Alamgiriganj, Bareilly Call : 0581-356408

हरियाली तीज महोत्सव 2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

मिलन का उत्सव है हरियाली तीज

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई जन्मों की तपस्या के बाद माता पार्वती को इसी दिन भगवान शिव ने अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। हरियाली तीज का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का उत्सव है। मान्यता है कि हरियाली तीज का व्रत करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

32वीं वर्षगांठ हमारे सफल 32 वर्ष पूरे होने पर आप सभी बरेलीवासियों को सहृदय धन्यवाद।

हम आशा करते हैं कि इस 2025 में सबका सपना हो पूरा
हर घर बने मॉडलर किचन और वार्डरोब
हमारे यहाँ रेडीमेड मॉड्यूलर किचन एवं वार्डरोब बनाने की सुविधा उपलब्ध है।
हम करते हैं सीधी और सच्ची बात
फैन्सी डोर एवं विन्डोज भी लगायी जाती है। पहले से और बेहतर...
100% वाटर प्रूफ प्लाईवुड, डोर, सनमाईका थोक रेट में मिलती है।
Architect and Interior Designers Also Available
✓ HDHMR Board
New Vibrant Acrylic Laminates Exclusively for Your Kitchens & Wardroves
जगदम्बे प्लाई बोर्ड
रेडीमेड मॉडलर किचन एण्ड वार्डरोब
निकट डी.जी. प्लाजा, मेन रोड, एकता नगर, बरेली। मो. 9917535466

This Teej, shine with elegance! Magic Salon is offering traditional festive makeup starting at just ₹1500/- where beauty meets affordability.
Step into Magic Salon
where your beauty journey begins."•"Looking for a salon that understands you? Your search ends here. Visit Magic Salon today!"
Mob.: 9758333378
ADD: MODEL TOWN, BAREILLY

हरियाली तीज एवं श्रावण मास के तीसरे सोमवार की हार्दिक शुभकामनाएं
Impression Arts
Add : Near Bagia Shiv Mandir Chaupla - Kutubkhana Road, Chaupla, Bareilly
मोनू सिंह
विश्व हिन्दू महासंघ उ.प्र.
जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष
9411423927, 9286103933

AN ISO 9001:2015 CERTIFIED
PURE VEG.
श्रावण माह एवं हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं
Annapurna RASOI
The Experience of High Quality
पंकज अग्रवाल
अन्नपूर्णा रसोई
(A Unit of AP Food Products)
ब्रेकफास्ट लन्च डिनर
Food Parlour
कैटरिंग की सुविधा भी उपलब्ध है।
हमारे यहाँ आउटडोर कैटरिंग सुविधा भी उपलब्ध है
RAJESHWAR TOWER, NEAR LALLA MARKET, PREM NAGAR, BAREILLY.
Mob. : 7078426288, 9258404084

हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनायें
स्नेह इण्टरप्राइजेज - इलैक्ट्रानिक्स
बिटिया की विदाई स्नेह फर्नीचर के साथ
स्पेशल ऑफर मात्र 51000/- में
डबल बैड, सोफा सेट, गद्दे, सेन्टर टेबिल, ड्रेसिंग टेबिल और दो तकिये आदि
प्रो. अमित अग्रवाल
डेलापीर बाईपास 100 फुटा रोड, भारत पेट्रोल पम्प के सामने आरा मशीन, बरेली
मो. 9319325982, 7535810542, 9027414276

राधिका परिवार की ओर से हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. अर्जुन गंगवार
विशेष परिधान
Radhika Saree & Suits
साड़ी | लहंगा | सूट | ड्रेस
नया शोरूम नई वैरायटी आज ही पधारें
राजेन्द्र नगर सी-907, सूरी कलर लैब के सामने, बरेली
8126997245 8534997245

हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं
Hero
Self Start
नई HF Deluxe
बरेली की नई HF अब सिर्फ ₹65,000* में
नई एक्स-शोरूम कीमत
GET THE VIDA 2
Modern and Stylish New EV
Price 85000/- to Start
VIDA Powered by Hero
बाँके बिहारी हीरो
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
मो. 9719255565, 7290082703
राधा रानी ऑटो मोटिव्ज
स्टेडियम रोड, बरेली। मो. 7409819090

aap AAM AADMI PARTY
आम आदमी पार्टी
उत्तर प्रदेश
इं.मो. हैदर अध्यक्ष रोहिलखण्ड प्रान्त
संजय सिंह सांसद राज्य सभा
हरियाली तीज 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं
वहीद अहमद
प्रत्याशी
वार्ड नं. 59 जिला पंचायत बरेली
प्रभारी : (कार्यालय रोहिलखण्ड प्रान्त AAP उ.प्र.)
कोषाध्यक्ष : (पैनी नजर सामाजिक संस्था उ.प्र.)
सम्पर्क सूत्र : 9045203952, 9997791702
एड. सुनीता गंगवार
उपाध्यक्ष रोहिलखण्ड जोन आम आदमी पार्टी (उ.प्र.)
M.A., M.Ed., L.L.B., P.G. Diploma in Journalism
Managing Director : Sunita Hospital
अध्यक्ष, पैनी नज़र सामाजिक संस्था (उ.प्र.)

स्टेट ब्रीफ

प्रदेश कांग्रेस में समन्वयक मनोनीत

अमृत विचार, लखनऊ : संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस के तीन विभागों में समन्वयक मनोनीत किये गये हैं। इस सिलसिले में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की ओर से पत्र जारी किया गया है। केकेसी महाविद्यालय लखनऊ के कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर विनोद चन्द्रा को प्रदेश कांग्रेस के रिसर्च एवं डेटा एनालिसिस विभाग का समन्वयक मनोनीत किया गया है। शिया महाविद्यालय लखनऊ के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार राय को प्रदेश कांग्रेस शिक्षक प्रकोष्ठ का समन्वयक मनोनीत किया गया।

11 अगस्त से विधानमंडल सत्र के लिए तैयारी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : विधानमंडल सत्र के 11 अगस्त से शुरू होने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। विधान परिषद व विधानसभा के प्रमुख सचिवों को सत्र शुरू होने को लेकर आदेश जारी किया गया है। शासन के सूत्रों के अनुसार, सदन की कार्यवाही को सुचारू ढंग से संचालन के लिए सदन के अधिकारियों को तैयारी के निर्देश दिये गये हैं। इससे पहले 18 फरवरी को विधानमंडल का सत्र आहूत किया गया था, जिसका सत्रावसान 12 मार्च को कर दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, मानसून सत्र के दौरान प्रदेश सरकार कई अध्यादेशों को मंजूरी के लिए सदन में पेश कर सकती है। इसके अलावा अन्य विधायी कार्य भी संपन्न होंगे।

सपा ने लिया आरक्षण बचाने का संकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने शनिवार को पूरे प्रदेश में आरक्षण दिवस को संविधान मानस्तंभ दिवस के रूप में मनाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित करके हम 'सामाजिक न्याय' व समता-समानता' और आरक्षण को बचाए-बनाए रखने का अपना संकल्प दोहरा रहे हैं। इसके पीछे यही मूल भावना है कि संविधान मानस्तंभ वस्तुत: पीडीए प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे।

जवाबदेही की मिसाल बनें जनप्रतिनिधि: योगी

मुख्यमंत्री ने अयोध्या, देवीपाटन मंडल के सांसद-विधायक समेत शीर्ष अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों को उनके क्षेत्रों की जनता से निरंतर संवाद बनाए रखने, योजनाओं की जानकारी देने और शासन तक जनता की समस्याएं पहुंचाने की जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाने का आह्वान किया। कहा कि शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए जनप्रतिनिधि पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल बनें।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को अयोध्या और देवीपाटन मंडल के जनप्रतिनिधियों, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि प्रदेश सरकार केवल योजनाएं बनाकर ही नहीं रुकती, बल्कि उन योजनाओं को धरातल पर उतारने और जनता तक लाभ पहुंचाने में भी विश्वास करती है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए शासन और जनप्रतिनिधियों के बीच सशक्त संवाद आवश्यक है। कहा कि सरकार नगर निकायों को अलग से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराती है और सीएम ग्रिड योजना के माध्यम से नगरों के समग्र विकास को नई दिशा दी जा रही है। निर्देश दिए कि नगर निगम एवं नगर निकाय अपने-अपने क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा करते समय स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य शामिल करें।

अयोध्या और देवीपाटन मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

हर विधानसभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल का करें सौंदर्यीकरण

योगी ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को निर्देशित किया गया कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल चिन्हित किया जाए और वहां पर सौंदर्यीकरण के साथ-साथ जनसुविधाओं का विकास किया जाए।

शहरों में शामिल हुए गांवों का रखें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि जिन नगर निकाय क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, वहां पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन नए शहरीकृत गांवों में पेयजल, जलनिकासी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता से पूरी कराई जाएं ताकि नगरीय सुविधा और ग्रामीण पहचान के बीच सामंजस्य बना रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सेतुओं के निर्माण को प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना से जोड़ा जाए।

भाजपा विधायक की शिकायत पर तीन सदस्यीय समिति गठित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● बहराइच मेडिकल कॉलेज में प्रसव के दौरान लापरवाही का मामला

अमृत विचार : महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज बहराइच में प्रसव के दौरान लापरवाही के प्रकरण में भाजपा विधायक सुभाष त्रिपाठी की शिकायत पर शासन ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। इस सिलसिले में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से आदेश जारी किया गया है।

महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह को जांच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि विशेष सचिव कृतिका शर्मा सदस्य-संयोजक व प्रोफेसर गायनी आरएमएलओ डॉ. नीतू सिंह सदस्य बनाया गया है। जांच समिति को 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। मामला विधानसभा क्षेत्र के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के अमराई गांव निवासी बसंत कुमारी पत्नी उमेश पाल से संबंधित है। उमेश पाल के मुताबिक, 12 जुलाई को उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा हुई। इस पर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। काफी देर तक कोई चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ प्रसव पीड़िता का इलाज करने नहीं पहुंचा। इस पर विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी से मदद मांगी गई। विधायक ने चिकित्सक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को फोन कर प्रसव पीड़ित महिला का इलाज कराने की सिफारिश की। आरोप है कि इसके बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। परेशान होकर उमेश पाल ने अपनी पत्नी को प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराकर प्रसव कराया।

इस मामले में विधायक ने प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य से लिखित शिकायत की थी और उनके पत्र के समर्थन में विधायक राम नानपारा रामनिवास वर्मा ने भी हस्ताक्षर किए। प्रमुख सचिव चिकित्सा ने शिकायती पत्र को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया।

बिजली की ट्रिपिंग समस्या दूर करेंगे फीडर मैनेजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में बिजली आपूर्ति को 'ट्रिपिंगविहीन' बनाने के लिए अब फीडर मैनेजर नियुक्त होंगे। हर तीन महीने में फीडर स्तर पर बिजली आपूर्ति की समीक्षा होगी। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद उप्र. पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बिजली आपूर्ति से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये। अध्यक्ष शनिवार को शक्ति भवन में बिजली आपूर्ति की समीक्षा कर रहे थे।

वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिये प्रदेशभर के अधिकारियों से बिजली व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी फीडरों की लगातार समीक्षा की जाए। इसके लिये पूरे प्रदेश में सभी फीडरों के फीडर मैनेजर बनाये जाएं। जो लोग अच्छा कार्य करें और अपने फीडर पर बिजली व्यवस्था से सम्बन्धी कार्यों में बेहतर परिणाम दें, उन्हें प्रोत्साहित करें और कार्य संतोषजनक न होने पर कार्रवाई की जाए। एक पोर्टल बनाकर फीडर मैनेजर के डाटा समेत सभी आवश्यक डाटा उपलब्ध कराया जाए। फीडर मैनेजर समेत उपखंड अधिकारी, अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता तक के लक्ष्य निर्धारित किये जाएं। जहां लोड ज्यादा है, वहां ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि तत्काल की जाए। अध्यक्ष ने कहा कि मुख्य अभियंता बेहतर ढंग से दायित्व का निर्वहन करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई होगी।

अध्यक्ष ने कहा कि 1912 पर आने वाली शिकायतें लंबित नहीं रहनी चाहिए। निर्धारित समय में उनका निस्तारण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। जब तक उपभोक्ता की समस्या हल न हो, तब तक कॉल को बंद न किया जाए।

लखनऊ में समीक्षा बैठक करते पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल।

कांग्रेस-सपा के बहकावे में न आएं

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी समाज कांग्रेस व सपा के बहकावे में न आए। भाजपा के एनडीए का चाल-चरित्र भी दोहरापन वाला है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिये कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की ओर से यह स्वीकार करना कि देश के अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों को उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है।

निजीकरण के विरोध में आंदोलन तेज करेंगे बिजली कर्मचारी

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों ने आंदोलन और तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस सिलसिले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक 27 जुलाई को होगी। बैठक में विचार-विमर्श कर आंदोलन को तेज करने के लिए रणनीति पर चर्चा होगी।

संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का अब तक निजीकरण न कर पाने से खीझे प्रबंधन ने बिजली कर्मियों का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न करना शुरू कर दिया है। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि निजीकरण के लिए तैयार किये गये मसौदे की कोई वैधता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस ड्राफ्ट स्टैंडर्ड बिडिंग डॉक्यूमेंट के आधार पर यह तैयार किया गया, वह केंद्र सरकार की वेबसाइट पर आज तक पब्लिक डोमेन में नहीं लाया गया है।

विभागों में खाली पदों पर जल्द शुरू होगी भर्ती

लखनऊ, अमृत विचार : राजभवन सचिवालय, कृषि व दिव्यांगजन विभाग में खाली पदों पर चार प्रतिशत आरक्षण के साथ दिव्यांगजनों की भर्ती जल्द शुरू होगी। इस सिलसिले में राज्य सरकार की ओर से शासनादेश जारी किया गया है। स्पीच थेरेपिस्ट, सहायक लाइब्रेरियन-पुस्तकालयाध्यक्ष, दृष्टि बाधित विद्यालयों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षक पदों पर भर्ती की जाएगी।

बढ़ते कदम | एआई तकनीक से गढ़े गए जनकल्याण के नए आयाम

यूपी की योजनाओं का खास हिस्सा बना एआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● लखनऊ को एआई सिटी बनाने की तैयारी

अमृत विचार : यूपी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में देश का भविष्य गढ़ने वाला अग्रणी प्रदेश बनता जा रहा है। इस तकनीक से शासन, शिक्षा, कृषि, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में जनकल्याण के नए आयाम गढ़े गए हैं।

'एआई प्रज्ञा' से लेकर 'यूपी एग्रीज', आईबीएम और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सहयोग से शुरू हुई पहल से लेकर लखनऊ को एआई सिटी बनाने की तैयारी तक एक ऐसी डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जहां नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता, उत्पादकता और दक्षता को नया आयाम मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि शासन और विकास की रीढ़ बनती जा रही है। युवाओं से लेकर किसानों और सरकारी तंत्र से लेकर शिक्षा तक, एआई के विविध आयामों को नीति और योजना से जोड़ा जा रहा है। अगले कुछ वर्षों में यूपी न केवल एआई स्किल्ड पॉपुलेशन का निर्माण करेगा, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में भी दिखाई देगा। प्रदेश सरकार विजन 2047 के अनुरूप एआई नीति के ड्राफ्ट पर काम कर रही है। साथ ही एआई बूटकैम्प के जरिए 30 विभागों के सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है ताकि वे सरकारी प्रक्रियाओं में एआई का प्रभावी उपयोग कर सकें। इसके अतिरिक्त डीबीटी प्रणाली को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए कुछ मामलों में एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन और डेटा एनालिटिक्स को शामिल किया गया है।

प्रशासनिक सुधार में सैटेलाइट इमेजिंग का इस्तेमाल

राजस्व विभाग में चकबंदी और भूमि अभिलेखों के लिए सैटेलाइट इमेजिंग और एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है। इससे डिजिटल मैपिंग, विवाद रहित भूमि वितरण और पारदर्शिता को बढ़ावा मिल रहा है। खनिज संपदा की रक्षा के लिए 25 जिलों में 57 मानव रहित एआई/आईओटी चेकगेट्स स्थापित किए गए हैं। इसके साथ आरएफआईडी टैग, जियोफेंसिंग, और एआई कैमरे युक्त वेटब्रिज के माध्यम से अवैध खनन पर नजर रखी जा रही है।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,27 जुलाई 2025

शहला ताहिर के पति के घर से सामान कुर्क

संवाददाता, नवाबगंज

- अदालत ने जारी किया था कुर्की वारंट
- ताहिर के भाई को गिरफ्तार कर थाने ले गई पुलिस

अमृत विचार : नवाबगंज की पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शहला ताहिर के पति डॉ. ताहिर और उनके परिजनों के खिलाफ कोर्ट ने कुर्की वारंट जारी किया था। पुलिस शनिवार को उनके घर का सामान कुर्क कर थाने में जमा करा दिया। पुलिस ने उनके एक भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शहला ताहिर के पति डॉ. ताहिर की पहली पत्नी गजाला ने वर्ष 1993 में दहेज उत्पीड़न का एक मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें ताहिर के अलावा उनके भाई मतीउननवी, लुतफुनवी, नवी हसन, मो. हसन सहित आठ लोगों को आरोपी बनाया गया था।

इस मामले में कोर्ट के कुर्की और गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। शनिवार चौकी इंचार्ज विवेक कुमार और महिला इंस्पेक्टर सरिता चौधरी ने पीएसी के साथ पूर्व पालिका अध्यक्ष के पति डॉ. ताहिर के इस्लाम नगर स्थित आवास पर छापामारी की। पुलिस उनके बड़े भाई लुतफुननवी को गिरफ्तार कर थाने लाई।

इसके बाद घर के सामान की कुर्की की। पुलिस को घर के सारे सामान की लिस्ट बनाने में कई घंटे लग गए। पुलिस ने बताया कि वारंट में से मतीउननबी, नवी हसन के साथ ही एक महिला की मौत होने की जानकारी मिली है, शेष लोगों की तलाश की जा रही है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पुलिस जब डॉक्टर ताहिर के घर की कुर्की कर रही थी थी तो उस समय बस्ती के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ को देखते हुए चौकी इंचार्ज को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। मुकदमा दर्ज कराने के 32 साल बाद यह कुर्की की यह कार्रवाई हुई है।

साप्ताहिक बंदी के दिन बाजार लगने का विरोध, ज्ञापन

मीरगंज, अमृत विचार: कस्बा में साप्ताहिक बंदी के दिन दो जगहों पर लगने वाली शनि बाजार के विरोध में मीरगंज उद्योग व्यापार मण्डल उतर आया है। शनिवार को उपश्रमायुक्त एवं एसडीएम को संबोधित एक ज्ञापन राजस्व निरीक्षक को दिया।

सर्राफा व्यापार मण्डल अध्यक्ष मीरगंज राम नारायण गुप्ता के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में संगठन ने मांग की है कि शनिवार के दिन दोनों जगहों पर लगने वाले बाजार को बंद कराया जाये। उन्होंने बताया कि मीरगंज तहसील कस्बा के बाजार में शनिवार के दिन साप्ताहिक बंदी रहती है। कुछ लोग कस्बा में ही संचालित प्रकाश मण्डप में काफी समय से अवैध रूप से शनिवार के दिन ही बाजार लगवा रहे हैं। इसके अलावा मढ़ी सत्याना पर भी शनि बाजार लग रहा है। जिससे कस्बा के स्थाई दुकानदारों के व्यापार पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन देने वालों में सेपू गुप्ता, जीशान अंसारी, अमरदीप गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, संजीव गुप्ता, नरेंद्र गंगवार, सुशील कुमार, आदि मौजूद रहे।

फरीदपुर में टीकाकरण कराने गईं महिलाओं ने एएनएम व आशा को पीटा

एएनएम ने दो महिलाओं के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस हुई सक्रिय

संवाददाता, फरीदपुर

- बुखार होने पर बच्चे को टीका नहीं लगाने पर हुईं उग्र

अमृत विचार : अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण कराने पहुंची समुदाय विशेष की महिलाओं ने एएनएम व आशा कार्यकर्ती के साथ मारपीट की। एएनएम ने आरोपी महिलाओं के विरुद्ध फरीदपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया।

फरीदपुर अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर एएनएम के रूप में कार्यरत अनुराधा यादव ने पुलिस को देकर बताया कि शनिवार को वह अस्पताल में आशा कार्यकर्ती शशि के साथ बैठी टीकाकरण कर रही थी तभी वहां मोहल्ला परा निवासी चांदनी बी पत्नी मो. हसीब व जेबा पत्नी मुजीब रजा अपने बच्चों को लेकर पहुंची और टीका लगाने को कहा। एएनएम ने देखा तो जेबा के बेटे को बुखार आ रहा था जिस कारण उन्होंने टीकाकरण से मना कर दिया और चांदनी के बच्चे को टीका लगा दिया। उस समय दोनों महिलाएं घर लौट गईं लेकिन कुछ देर बाद फिर से वापस आयीं और कहा कि चांदनी के बेटे को भी बुखार था आपने उसे टीका लगा दिया है। एएनएम ने कहा कि टीकाकरण के समय उसे बुखार नहीं था। इतने में वे लोग उग्र हो गयीं और एएनएम व आशा को गालियां देते हुए चप्पलों से पीटना शुरू कर दिया। घटना के बाद एएनएम ने फरीदपुर कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मलेरिया की दवा का छिड़काव करने गई टीम के सदस्य । ● अमृत विचार

दवा छिड़कने पहुंची टीम को किया नजरबंद

रिठौरा, अमृत विचार । मच्छरनाशक दवा का छिड़काव करने गई टीम को गांव वालों ने बंधक बना लिया । बिथरीचैनपुर की चिकित्साप्रभारी से वास्तविकता पता करने के बाद टीम को काम करने दिया गया । शनिवार को मलेरिया की दवा छिड़कने देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम मोहल्ला खाता में पहुंची तो मोहल्ले के बाहर युवाओं ने उन्हें घेर लिया । टीम ने अपना परिचय पत्र भी दिखाया लेकिन वह नहीं माने और पुलिस बुलाने पर अड़ गये । ग्रामीणों ने मीडिया कर्मियों को फ़ोन पर मामले की सूचना दी, मौके पर पहुंचे संवाददाता ने बिथरी चैनपुर चिकित्सा प्रभारी डॉ उत्तरा शर्मा से टीम के संदर्भ में जानकारी ली तब ग्रामीणों ने उन्हें मुक्त कर छिड़काव करने दिया । टीम में सतीश कुमार, अमित, आकाश सोमपाल, राजकुमार आदि मौजूद थे ।

इमाम उमरा के लिए हुए रवाना

हाफिजगंज: गाँव बकैनिया की फ़ातिमा मस्जिद के इमाम इसरार अहमद कमेटी की तरफ़ से उमरा के लिए रवाना हुए । मो. अहमद, हाजी रईस अहमद, हाजी लईक अहमद, शहंशाह आंसरी, डा. हामिद ने माला पहनाकर विदा किया।

स्कूलों में हुई मेहंदी प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: हरियाली तीज महोत्सव जिले के स्कूलों में उल्लास पूर्वक मनाया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में बच्चों ने तरह तरह की मेहंदी रचाई। आकर्षक मेहंदी लगाने पर बच्चों को पुरस्कार भी दियेगये। इस दौरान तीज क्वीन का भी आयोजन हुआ।

भुता में गजनेरा रोड स्थित जीटीआर इंटर कॉलेज में शनिवार को विद्यालय स्तर पर हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिनमें छात्राओं ने मेहंदी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मेहंदी प्रतियोगिता में पायल (कक्षा-12) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दूसरा स्थान मौसम सिंह और अभिलाषा सिंह को विशेष रूप से सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रबंधक टी आर गंगवार ने किया ।

मेहंदी प्रतियोगिता आराध्या रहीं प्रथम : रिठौरा। नगर के पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में शनिवार को हरियाली तीज पर्व के मौके पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आराध्या गंगवार प्रथम, फराह ख़ानम द्वितीय, तनिष शंखधार तृतीय स्थान पर रहीं। सभी विजेता छात्राओं को प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने सम्मानित किया।इस दौरान शिक्षक राजेंद्र सक्सेना, दीपिका बनर्जी, प्रज्ञा गुप्ता, सुलभ अग्रवाल, यासीन, ममता शंखधार, शीतल साहू, रूबी गंगवार आदि रहे।

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी:

फतेहगंज पश्चिमी : कस्बे के रेड रोज पब्लिक स्कूल में शनिवार को हरियाली तीज के मौके पर छात्राओं ने मेहंदी व सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। स्कूल में अध्यापिकाओं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक अंदाज में मेहंदी लगा अपनी प्रतिभा का जादू बिखेरा।इसके बाद बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। प्रधानाचार्य प्रियंका सक्सेना ने उपहार देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, सोनम दूसरे स्थान पर रहीं:

नवाबगंज शनिवार को एस.एस.टी.पब्लिक इण्टर कॉलेज क्योलड़िया में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया। गया। जिसमें सीनियर वर्ग साक्षी गंगवार ने प्रथम स्थान , सोनम गंगवार ने द्वितीय, दीक्षा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जूनियर वर्ग में समीक्षा मौर्य ने प्रथम, सरस्वती ने द्वितीय व आंशिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान विद्यालय प्रबन्धक सुरेन्द्र वीर गंगवार , प्रधानाचार्य देवेन्द्र गंगवार , सुरेन्द्र पाल , अनक पाल ,मधु यादव , शोभारानी, शिखा गुप्ता व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

प्रतियोगिता में कशिश प्रथम : मीरगंज: राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज में तीज महोत्सव के उपलक्ष्य मे मेहंदी प्रतियोगिता में शामिल कक्षा नौ की छात्रा कशिश को प्रथम और द्वितीय तृतीय स्थान क्रमशः कक्षा 12 की नाजिया कक्षा 10 की इफरा को हासिल हुआ। प्रतियोगता की निर्णायक भूमिका डॉक्टर स्नेह कुमार कुशवाहा और मनोज वर्मा ने निभाई। प्रतियोगिता में 48 छात्राओं ने भाग लिया था।

प्रतियोगिता में शामिल बालिकाओं ने हाथों में लगी मेहंदी का प्रदर्शन किया।

भव्या बनीं तीज क्वीन

फरीदपुर, अमृत विचार : ग्यूज इण्टर कॉलेज में शनिवार को तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में तीज क्वीन एवं रंगारंग मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इसमें में कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल डा. अर्चना चौधरी एवं सुनीति शर्मा ने जज की भूमिका अदा की। डा0 अर्चना चौधरी एवं सुनीति शर्मा ने तीज के महत्व के विषय में छात्राओं को जानकारी दी। तीज क्वीन फरीदपुर का ताज भव्या शर्मा के सिर पर सजा।

हैरो के नीचे आने से बच्चे की मौत

बहेड़ी, अमृत विचार : खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर पर बैठा मासूम गिर कर हैरो से गिर कर घायल हो गया। परिजन उसे अस्पताल ले गये जहां उसकी मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव सिमरा के 5 वर्षीय जेन पुत्र सद्दाम अपने दादा मुमताज़ के साथ खेत पर काम करने गया था। खेत की जुताई के दौरान वह ट्रैक्टर से गिर गया और हैरो के नीचे आ गया । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल जेन को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया । जहां डॉक्टर ने उसे बरेली के लिए रैफर कर दिया। बरेली के एक निजी अस्पताल में जेन की मौत हो गई। घर में कोहराम मचा है।

डाक कांवड़ लेने भक्त रवाना

क्योलड़िया : भदपुरा की ग्राम पंचायत जास पुर से शिव भक्तों का जत्था जासपुर गांव से हरिद्वार के लिए रवाना हुआ इसमें 50 लोग रहे। इस दौरान सनी प्रधान, नरेंद्र, सर्वेश, नितिन, प्रेम, लाल सिंह, संजय ,प्रेमपाल ,टीकाराम, देवेश, हिमांशु, जसकरन, मुकेश, सोम पाल, प्रेमचंद, दुर्वेश, विवेक, अनिल,कांता, राजकुमार आदि रहे।

किसान के खाते से ठगों ने उड़ाए 1.80 लाख रुपये

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार: एक किसान के बैंक अकाउंट से साइबर ठगों ने 27 बार में 1.80 लाख रुपये निकाल लिए। किसान जब माह जून में पासबुक पर इंट्री कराने गया तब रुपये निकलने की जानकारी हुई। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

भोजीपुरा के गांव दभौरा निवासी क्षेत्रपाल का ग्रामीण बैंक की शाखा भोजीपुरा में खाता है। क्षेत्रपाल ने बताया कि वह 13 जून को पासबुक पर इंट्री कराने के लिए बैंक गए थे। जब पासबुक पर इंट्री करवाई तो पता चला कि उनके खाते खाते से 1.80 लाख रुपये निकल गए हैं। पता चला कि 22 जनवरी 2025 से 5 अप्रैल तक विभिन्न तिथियों में 1.80 लाख रुपये निकाले गए।बैंक ने जानकारी देने से इंकार किया है। प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा प्रवीन सोलंकी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज हो गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध अवस्था में लगी आग से क्लीनिक हुआ राख: आंवला। शुक्रवार को आधी रात के बाद सतीश भारद्वाज क्लीनिक में संदिग्ध अवस्था में आग लग गयी। आग की लपटों को देखकर मोहल्ले वालों ने आग बुझाने का प्रयास किया। परंतु उन्हें सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुंची फायरब्रिगेड की गाडी की मदद से आग पर काबू पाया गया। परंतु तबतक क्लीनिक का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया।

मंदबुद्धि को चोर समझकर पकड़ा खंभे से बांधा सिरौली। शुक्रवार आधी रात को सिरौली क्षेत्र के एक गांव में घूम रहे मंदबुद्धि को लोगों ने चोर समझकर पकड़ लिया और खंभे से बांधकर पुलिस बुला ली। पुलिस ने जांच के बाद उसे घरवालों को सौंप दिया।

दहेज़ की खातिर पति-पत्नी को परिजनों ने पीटा: भोजीपुरा, : लव मैरिज से नाराज़ और दहेज का ताना देकर एक युवक के परिजनों ने युवक और उसकी पत्नी की लाठी डंडों से पिटाई कर दी।घायल महिला की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना गांव जादौंपुर की है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्रों सुनील व वेदप्रकाश को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अवदेश कुमार पुत्र राजबहादुर सिंह निवासी ग्राम नवदिया ई. सहोड़ा तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मकान नं. 267 बाग अहमद अली तालाब गंगापुर रोड बरेली जिसके सम्बन्ध में हिस्से को लेकर विवाद सिविल न्यायालय बरेली में विचाराधीन है। यदि कोई व्यक्ति मकान को क्रय/खरीदता है तो उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। **काशिफ पुत्र इश्त्याक बिहारीपुर कहरवान बरेली।**

सूचना

सूचित हो कि गत 14 जुलाई 2025 को बाइक से बीसलपुर जाते वक्त रास्ते में मेरा बैग कहीं गिर गया, जिसमें सीबीएसई बोर्ड वर्ष 2023 इंटरमीडिएट की मार्कशीट अनुक्रमांक 21721323 एवं टीसी रखी हुई थी, जो वास्तव में खो गई है। हालांकि बैग की खोजबीन की, परंतु बैग नहीं मिला । अगर किसी को मिले तो इस पते पर सूचित करें। **एस वर्मा पुत्र श्री संतोष वर्मा निवासी मोहल्ला घस्सूगंज बिलसंडा पीलीभीत 918439873296**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

डॉ. मीता गुप्ता
शिक्षाविद, साहित्यकार

हरितालिका तीज: परंपरा और युवा दृष्टिकोण

भारत त्योहारों की भूमि है। हर पर्व न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा होता है, बल्कि उसमें सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्य भी निहित होते हैं। हरितालिका तीज, ऐसा ही एक पर्व है, जो विशेष रूप से नारी शक्ति, प्रकृति प्रेम, आत्मसंयम और पारिवारिक रिश्तों का प्रतीक है। हरितालिका तीज भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख त्योहार है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, उमंग और उल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व सावन मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है, जब चारों ओर हरियाली, बारिश की रिमझिम, और प्रकृति का उल्लास चरम पर होता है। यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के प्रतीक रूप में भी जाना जाता है। हरितालिका तीज का पारंपरिक स्वरूप स्त्रियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने की कामना करती हैं। झूले झूलना, हरी चूड़ियां, मेंहदी, हरे वस्त्र पहनना, लोकगीत गाना, नृत्य करना, पारंपरिक पकवान बनाना और तीज माता की पूजा–ये सभी परंपराएं इस पर्व को जीवंत बनाती हैं।

परंतु आधुनिक दौर में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आज की युवा पीढ़ी इस पर्व को केवल परंपरा के रूप में देखती है या वह इसे एक प्रेरणास्रोत भी मानती है? आज के दौर में, जब नवीनता और वैश्वीकरण ने जीवनशैली को काफी हद तक प्रभावित किया है, तब भी हरितालिका तीज अपनी सांस्कृतिक जड़ों से लोगों को जोड़ने में सक्षम है। बदलती जीवनशैली, शहरीकरण, और व्यस्त दिनचर्या के बावजूद, महिलाएं और युवतियां इस पर्व को न केवल धार्मिक आस्था से, बल्कि सामाजिक उत्सव के रूप में भी मनाने लगी हैं। वर्किंग वुमन, छात्राएं और युवा महिलाएं भी इस पर्व के प्रति आकर्षित हो रही हैं, क्योंकि यह उन्हें सौंदर्य, सामूहिकता और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का अवसर देता है।

मैं तीज हूं, सौंदर्य का गीत,
श्रृंगार में बसती है मेरी रीत।
व्रत में है मेरी आस्था की बात,
हर स्त्री के मन की सौगात।
झूले की डोर में सपने संजोती,
गीतों में भावनाएं संजोती।
परंपरा की माटी में पली,
अब आधुनिक हवा भी चली।
मैं संस्कार हूं, मैं रौशनी हूं,
मैं आस्था हूं, मैं शक्ति भी हूं।
मैं तीज हूं, बदलते युग की
पहचान,
संवेदनाओं में गूंथी मेरी ज्ञान।

युवाओं के लिए बना सोशल मीडिया ट्रेंड

युवा वर्ग के लिए हरितालिका तीज अब केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि एक फैशन, फोटोग्राफी और सोशल मीडिया ट्रेंड भी बन चुका है। लड़कियां इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अपनी मेंहदी लगी हथेलियों, पारंपरिक पोशाकों और झूला झूलती तस्वीरों को शेयर करती हैं। कॉलेज और संस्थानों में तीज महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जहां युवा अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते हैं। कई युवा इसे पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ रहे हैं-वृक्षारोपण, प्लास्टिक-मुक्त तीज, इको-फ्रेंडली पूजा सामग्री का उपयोग कर नए संदर्भों में पर्व को ढालने का प्रयास हो रहा है। सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों और फेमिनिज़्म के सकारात्मक दृष्टिकोण से अब यह पर्व पुनः प्रासंगिक बनता जा रहा है। कहीं-कहीं ऐसा देखा जा रहा है कि हरितालिका तीज का त्योहार एक ऐसा जीवंत उदाहरण बन कर उभरता है, जहां परंपरा और आधुनिकता (ट्रेडिशन वर्सेज ट्रांजिशन) एक-दूसरे से टकराते नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समृद्ध करते हैं। तीज सदियों से माता पार्वती और शिव के मिलन की कथा से जुड़ा है, जो प्रेम, तपस्या और सौभाग्य का प्रतीक है। इसमें व्रत, सोलह श्रृंगार, तीज गीत, और झूला झूलना जैसी परंपराएं शामिल हैं, जो स्त्री-जीवन की भावनात्मक और सांस्कृतिक गहराई को दर्शाती हैं। जब हम आधुनिकता की रोशनी में इसे देखते हैं तो, फैशन शो, सोशल मीडिया चैलेंज, और ऑफिस सेलिब्रेशन के रूप में बदलती जा रही है। पारंपरिक साड़ियों के स्थान पर अनुपमा स्टाइल जैसे डिज़ाइन शामिल हो गए हैं, जो परंपरा को ट्रेंडी अंदाज़ में पेश करते हैं। डिजिटल माध्यमों पर भी तीज की धमक सुनाई देती है। ऑनलाइन मेंहदी प्रतियोगिता और वर्चुअल तीज मिलन, जैसे नवाचारों ने इसे नई पीढ़ी से जोड़ दिया है। वास्तव में, जहां हर परिवर्तन एक नया अर्थ रचता है, और हर उत्सव में एक पहचान की पुनर्रचना करता है। तीज पर आधुनिकता के प्रभाव ने सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को कई स्तरों पर प्रभावित किया है और यह प्रभाव सकारात्मक भी है, तो कहीं-कहीं चिंताजनक भी।

नारी सशक्तिकरण

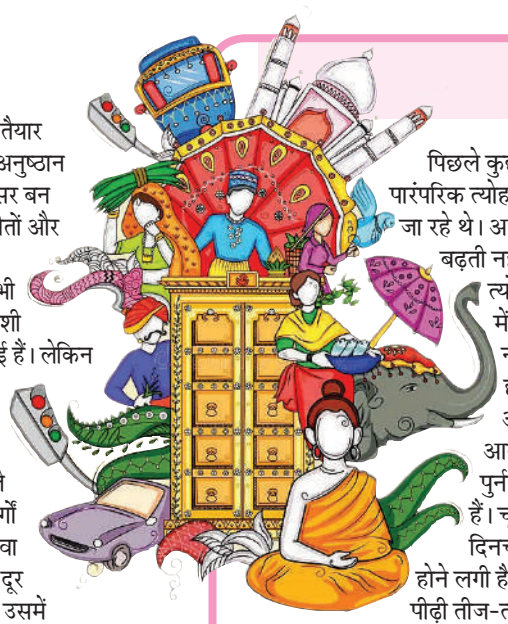

एक ओर, तीज का त्यौहार नारी सशक्तिकरण का मंच तैयार करता है। तीज अब महिलाओं के लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर बन गया है। वे अपने अनुभव, विचार और अधिकारों को गीतों और संवादों के माध्यम से साझा करती हैं। दूसरी ओर, तीज का त्यौहार हमारे समाज में लैंगिक समानता की पहल भी करता है। पुरुषों की भागीदारी और तीज को एक समावेशी उत्सव के रूप में देखे जाने से लैंगिक सीमाएं धुंधली हुई हैं। लेकिन यह भी देखने में आता है कि आधुनिकता के चलते हरितालिका तीज का उत्सव फीका पड़ता जा रहा है। अब स्वाभाविक रूप से पेड़ों पर झूले नहीं पड़ते। सावन के गीत भी अब कम ही सुनाई पड़ते हैं। यदि होते भी हैं तो एक मैनेज्ड इवेंट जैसा आयोजन होता है। बुजुर्गों ने अभी भी परंपराओं का दामन थाम रखा है, लेकिन युवा पीढ़ी आधुनिकता के नाम पर सांस्कृतिक परंपराओं से दूर भाग रहे हैं। आजकल होटलों में तीज मनाया जा रहा है उसमें बहुत कम गिनती में ही महिलाएं हैं, जो तीज में पहनने के लिए भी पारंपरिक ड्रेस साड़ी, पंजाबी सूट, पैरों में पंजाबी जूती और परांदा पहनती हैं। अधिकतर महिलाएं वेस्टर्न ड्रेस पहनकर ही तीज सेलिब्रेट करती है। यह भी सच है कि हमारे तीज-त्यौहार इसलिए विलुप्त होते जा रहे थे, पर कोरोना काल में ऑनलाइन और सोशल मीडिया ने त्योहारों में फिर से नई जान डाल दी है। अब हर छोटे-मोटे त्योहार को आधुनिकता का जामा पहनाकर नए रंग-ढंग से मनाने लगे हैं। सोशल मीडिया पर फ़ोटो और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। सभी एक-दूसरे से बढ़-चढ़कर हर त्यौहार को मना रहे हैं। विभिन्न प्रकार के मनोरंजन को त्योहारों के साथ जोड़ दिया जाता है जिससे मज़ा दोगुना हो जाता है। नई पीढ़ी में हमारे संस्कार और संस्कृति झलकने लगे हैं, पर परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों को यह बदलाव रास नहीं आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इस बदलाव के कारण ही हमारे रीति-रिवाजों में रुचि ले रही है, पर समाज का एक वर्ग इस परिवर्तन का विरोध भी कर रहा है।

विलुप्त होते जा रहे पारंपरिक त्योहार

पिछले कुछ वर्षों से हमारे पारंपरिक त्योहार विलुप्त से होते जा रहे थे। आधुनिकता की ओर बढ़ती नई पीढ़ी को तीज-त्योहारों को मनाने में बिल्कुल भी रुचि नहीं थी। परंतु आज हमारे तीज-त्योहार आधुनिकता का आवरण ओढ़कर पुनर्जीवित हो रहे हैं। चूंकि सबकी दिनचर्या अतिव्यस्त होने लगी है, इसलिए नई पीढ़ी तीज-त्योहारों को अपनी सुविधानुसार परिवर्तित कर मनाने लगी है।

तीज को गेट-टूगेदर का रुप देकर मिलने-जुलने का एक नया तरीका निकाल लिया है। किटी-पार्टियों की थीम त्योहारों के अनुसार रखी जा रही हैं। नई पीढ़ी त्योहारों को पारंपरिक रूढ़िवादी तरीके से ना मनाकर उसे नया आवरण पहनाकर अपनी रुचियों के अनुसार मनचाहा परिवर्तन कर रही है।

ऐसा करने से अब उन्हें तीज का त्योहार बोझ प्रतीत नहीं होते और उनमें त्योहार मनाने की उत्सुकता भी बढ़ने लगी है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है त्योहार मनाने का पारंपरिक तरीका बदलने से हमारे तीज-त्योहार फिर से जीवंत हो रहे हैं। हां, इससे फिजूलखर्ची और दिखावे में भरपूर इज़ाफा हुआ है। कुछेक उच्च धनाढ्यों के तीज का त्योहार तो रंगीन मिजाज़ भी होने लगे हैं। इससे मूल संस्कारों और पारंपरिक संस्कृति को ठेस पहुंच रही है जो सामाजिक दृष्टिकोण से शर्मनाक और चिंताजनक है। व्रत तो मानो अब दूर के ढोल हो गया है, कुछ वर्किंग व्यस्तताओं के कारण और कुछ वैवाहिक संस्थान वैडिंग इंस्टीट्यूशन में अविश्वास के कारण। फिर भी सकारात्मक पक्ष को देखना अधिक श्रेयस्कर है। समय के साथ परिवर्तन संसार का नियम है, पर परिवर्तन से हमारे संस्कारों और मूल संस्कृति का अपमान नहीं होना चाहिए। परिवर्तन सदैव परंपराओं को संजोकर अक्षुण्ण रखने के हित में होना चाहिए तभी तो पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी धरोहर, हमारे संस्कार, हमारी संस्कृति नया जामा पहनकर भी खिलखिलाते रहेंगे। हमारे पुराना रिवाज़ रहें, पर अंदाज़ नए हों। 'थोड़ा तुम बदलो, थोड़ा हम बदलें' यह भी अपनाना आवश्यक है। समय का चक्र जिस तरह घूम रहा है, इस चक्र के साथ हमें भी यदि चलना है तो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी दोनों का सहयोग ज़रूरी है। कई वर्षों से चले आ रहे अपने त्योहारों को पुरानी पीढ़ी ने बहुत ही आदर-सम्मान और एकजुट होकर मनाया है। नई पीढ़ी इन्हें परिवर्तित कर अपनाने की कोशिश कर रही है, तो इस परिवर्तन में बड़े बुजुर्गों का भी साथ यदि नई पीढ़ी को मिलता है, तो तीज का त्योहार प्रेममय वातावरण में परिवर्तित हो जाएगा, जिससे परिवार में एकजुटता और प्रेम भी बढ़ेगा। जब तीज के मूल रूप यानी उसमें छिपी शिक्षा, आस्था, विश्वास, अपनापन, आपसी भाईचारा, स्नेह आदि के साथ कुछ परिवर्तित अंदाज भी शामिल होगा, तो वह युवा पीढ़ी को अत्याधिक आकर्षित करेगा, जैसे पारंपरिक उपहार कुछ नई लुभावनी सी सजावट के संग भेंट किया गया हो। यदि हम तीज के त्योहार को कुछ रोचक, मनोरंजक बनाएं तो युवा वर्ग अपनी संस्कृति से भी जुड़ेंगे और बिना किसी दबाव के अपने रीति-रिवाज़ों को सहर्ष अपनाएंगे।

भारत एक उत्सव प्रधान देश है। हमारी उत्सव प्रियता जग ज़ाहिर है। त्योहार हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिनसे हम भावनात्मक रूप से सपरिवार जुड़ते हैं। त्योहार आते ही घरों की रौनक़ अद्भुत हो जाती है और फिर यदि शहर से दूर पढ़ने या नौकरी करने वाले बच्चे घर आ जाएं, तो उस वातावरण का कहना ही क्या? युवा पीढ़ी को यदि अपनी संस्कृति, संस्कार और त्योहारों से जोड़े रखना है तो उसके मूल स्वरूप को बनाये रखने के साथ थोड़ा बहुत परिवर्तन करने में कोई हर्ज़ नहीं।

जब भी प्रथाओं में कुछ नवीन परिवर्तन होता है तो प्रारंभ में उनका विरोध स्वाभाविक है किंतु उसके दीर्घकालीन परिणाम सकारात्मक होते हैं तो ये विरोध स्वतः ही समाप्त हो जाते हैं। अतः नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कार, परंपराएं और त्योहारों की धरोहर हस्तरांतरित करने के लिए उसके स्वरूप में थोड़े बहुत परिवर्तन श्लाघ्य हैं। 'फूल की जगह पंखुड़ी हो, तो भी अच्छा' यह कहावत तो हम अपने बचपन से ही सुनते आ रहे हैं। यह इस विषय पर भी सार्थक है। आधुनिक युग में तीज त्योहारों के मूल रूप में परिवर्तन तो हुआ है, लेकिन यही परिवर्तन अगर युवा पीढ़ी को जोड़ रहा है तो यह उचित है। कुछ नहीं करने से तो अच्छा है कुछ करें, अगर युवा पीढ़ी परिवर्तन के साथ त्योहारों को अपना रही है और उनमें अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही है तो यह समाज के लिए अच्छा है। जब वे तीज के त्योहार को मनाएंगे, बड़ों के साथ रहेंगे, तो उनकी सोच में भी परिवर्तन आएगा। वह धीरे-धीरे ही सही पर अपने रीति-रिवाजों को अपनाएंगे। उन्हें अपनी समृद्ध विरासत और तीज त्योहार के पीछे का विज्ञान भी पता चलेगा तो वह भी अपनी इस परंपरा को गर्व से अपनाएंगे।

आधुनिक युग की आपाधापी में सभी त्योहारों को मूल रूप से मनाना आज की युवा पीढ़ी के लिए संभव नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह परिवर्तन के साथ अपनाएं तो वह गलत है। हमारे ग्रंथ और पुराण समय से बहुत पहले की सोच लेकर लिखे गए हैं। तब त्योहारों की जो परंपराएं बनीं, वे उस समय के हिसाब से बनी हुई थीं, वे आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं, तो बदलाव के साथ अपनाना सर्वथा उचित है। तीज परंपरा में आए आधुनिक परिवर्तनों को समाज में अपनाने के लिए हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जो संवेदनशीलता, संवाद, और सांस्कृतिक समझ से होकर गुज़रता हो। यह केवल बदलाव नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है।

कैसे अपनाया जाए समाज में आ रहे इन परिवर्तनों को

कहते हैं कि बात करने से बात बन ही जाती है। संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देने से बात कुछ बन सकती है। बुज़ुर्गों और युवाओं के बीच संवाद सत्र आयोजित किए जाएं, जहां परंपरा और आधुनिकता पर खुलकर चर्चा हो। स्कूलों और कॉलेजों में लोक उत्सवों पर कार्यशालाएं हों, जिससे युवा जड़ से जुड़ें। तीज को थीम आधारित उत्सवों, फ्यूज़न संगीत और नवगीतों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए और पारंपरिक कथाओं को डिजिटल माध्यमों से घर-घर पहुंचाया जाए। हरितालिका तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, प्रेम, नारी शक्ति और परंपरा का उत्सव है। यह एक आत्म-यात्रा है, एक स्त्री की संवेदनशील पुकार और उसका सशक्त स्वर है। आज के युग में यह पर्व नारीत्व के सशक्त और आत्मनिर्भर स्वरूप को भी उजागर करता है। आवश्यकता है कि हम युवा पीढ़ी को इसकी गहराई, संदेश और सौंदर्य से अवगत कराएं, ताकि यह उत्सव केवल रीति-रिवाज तक सीमित न रहे, बल्कि संवेदनशीलता, पर्यावरण प्रेम और सांस्कृतिक गर्व का प्रतीक बनकर उभरे और इसकी आत्मा में वही अमृत, वही पावनता और वही हर्षोल्लास रहे, जिसकी सीख भारतीय संस्कृति हमें देती है।
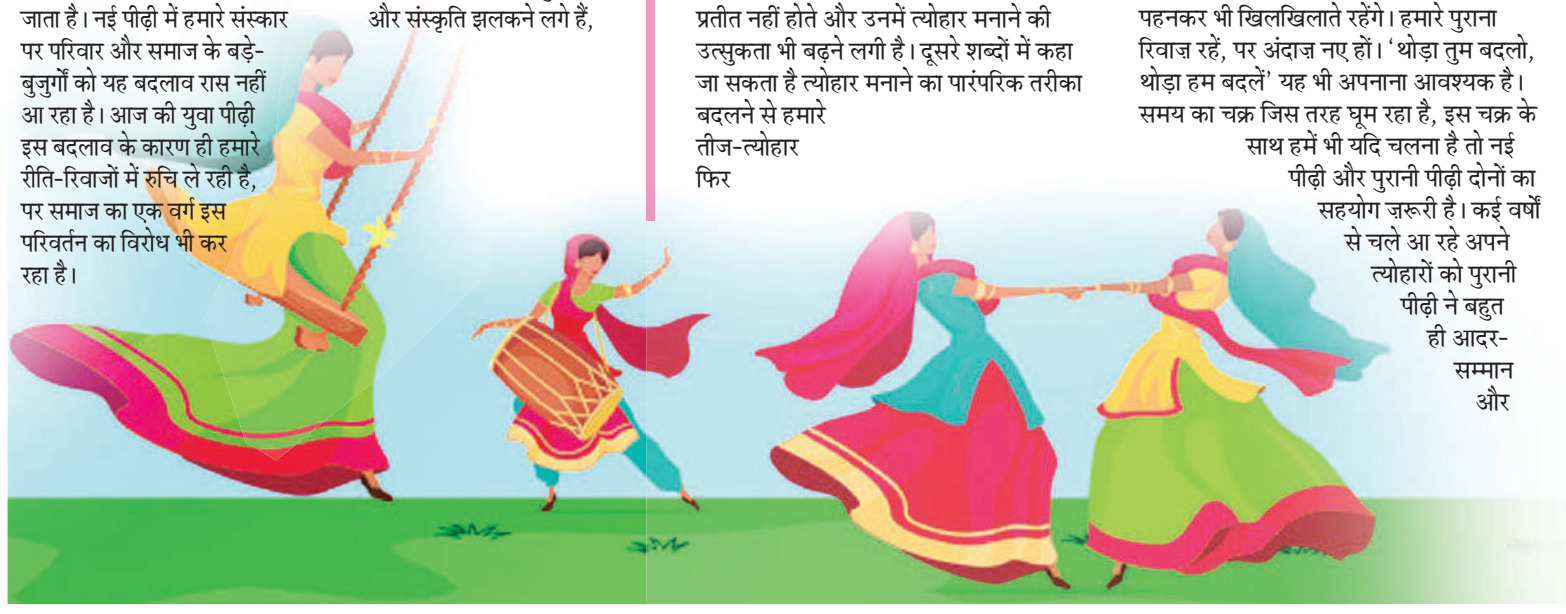
आयुर्वेद में दही का रहस्य और महत्व

दही भारतीय भोजन परंपरा का एक अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी भी माना जाता है। आयुर्वेद में दही को एक संतुलित और बलवर्धक आहार माना गया है। इसे 'अम्ल और मधुर रस युक्त', 'गुरु (भारी)', 'स्निग्ध (चिकना)' और 'उष्ण (गरम तासीर)' गुणों से युक्त बताया गया है। यह वात दोष को शांत करता है, परंतु अधिक मात्रा में सेवन करने पर पित्त और कफ दोष को बढ़ा सकता है। दही का सेवन विशेष रूप से हेमंत ऋतु में उचित रहता है, जबकि वर्षा ऋतु में इसके सेवन से बचना चाहिए। इसकी प्रकृति और प्रभाव को समझकर सेवन करना ही इसके औषधीय लाभों को प्राप्त करने का उचित उपाय है।

गर्मी में मिलती है शरीर को ठंडक

गर्मी के मौसम में दही के साथ मिश्री या चीनी मिलाकर सेवन करने से शरीर में ठंडक बनाए रखने में सहायक होता है, दही इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है और डिहाइड्रेशन, लू आदि से रक्षा करता है। दही से बनी छाछ और लस्सी गर्मियों में अत्यंत उपयोगी पेय हैं। ये पेय प्यास बुझाने के साथ-साथ पाचन को भी सुचारु रखते हैं। वहीं शरद और वर्षा ऋतु में दही का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इन ऋतुओं में पाचन अग्नि मंद होती है और कफ व पित्त दोष स्वाभाविक रूप से प्रबल होते हैं। आज के युग में जब अधिकांश लोग पाचन तंत्र, रोग प्रतिरोधक क्षमता, और मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, दही और तक्र जैसे पारंपरिक आहार एक बार फिर से प्रमुखता पा सकते हैं। आधुनिक शोध भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि दही में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक जीवाणु आंतों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। ये जीवाणु पाचन क्रिया को सुदृढ़ करते हैं, पेट के संक्रमण से रक्षा करते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसके अलावा, नियमित रूप से दही का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं, रक्तचाप नियंत्रित रहता है और मानसिक तनाव में कमी आती है।

आयुर्वेदिक ग्रंथों में दही को बलवर्धक, शुक्रवर्धक (वीर्यवर्धक), अग्निदीपक (पाचन शक्ति बढ़ाने वाला), और वातहर (वात शमन करने वाला) बताया गया है। यह पाचन शक्ति को प्रबल बनाता है और शरीर को बल प्रदान करता है। विशेष रूप से लघु अग्निमांद्य, अरुचि और अजीर्ण की अवस्था में दही का सेवन लाभदायक सिद्ध होता है। अदरक या पिप्पली के साथ मिलाकर दही खाने से यह जल्दी पचता है और पेट की समस्याओं से राहत मिलती है। यह शरीर के सप्त धातुओं को पोषण देने में भी सहायक होता है, विशेष रूप से मांस और शुक्र धातु को। इसलिए दही को एक 'रसायन' के रूप में भी माना गया है। आयुर्वेद में छाछ, जिसे तक्र कहा जाता है, को विशेष महत्व प्राप्त है। चरक संहिता में तक्र को शीतल, रुचिकर, अग्निवर्धक, कफहर और पाचन-सहायक बताया गया है। तक्र को ग्रहणी, अजीर्ण, अर्श, वमन, पांडु और वातजन्य विकारों में प्रयोग करने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से भोजन के बाद छाछ का सेवन पाचन के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। छाछ में यदि थोड़ा सा सेंधा नमक और भुना हुआ जीरा मिला लिया जाए तो यह अमृत समान हो जाता है।

डॉ. अखिन्ना ससीधरन
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष क्रिया शरीर विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली।

इसके सेवन में सावधानी आवश्यक

दही के सेवन में सावधानी आवश्यक है। आयुर्वेद के अनुसार दही को रात्रि में नहीं खाना चाहिए, क्योंकि रात्रि में इसका पाचन कठिन होता है और यह कफ को बढ़ाता है। इसके अलावा, दही का दूध, मछली के साथ सेवन वर्जित है। यह 'विरुद्ध आहार' की श्रेणी में आता है, जो शरीर में विष जैसा प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। दही को गर्म नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे इसके जीवाणु नष्ट हो जाते हैं और यह अम्लीय हो जाता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ शहद, मिश्री, घी, आंबला मिलाकर सेवन करने से यह और अधिक पाच्य तथा लाभकारी बनता है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में दही और तक्र का उपयोग विभिन्न रोगों में किया जाता है। पाचन से जुड़ी समस्याएं, जैसे अजीर्ण, गैस, और अपचन में यह अत्यंत उपयोगी है। त्वचा रोगों में दही को चंदन चूर्ण या हल्दी के साथ मिलाकर लेप करने से लाभ मिलता है। बालों की रूसी या झड़ने की समस्या में दही और नींबू का लेप बालों की जड़ों को पोषण देता है। महिलाओं में श्वेतप्रदर या योनि संक्रमण जैसी समस्याओं में दही का सेवन और बाह्य प्रयोग लाभकारी माना गया है। साथ ही, दही का उपयोग दंत विकारों में भी फायदेमंद है क्योंकि इसमें लैक्टिक एसिड होता है जो दांतों की सफाई में सहायक है। देशी गाय के दूध से बना दही, जिसे 'गौ-दधि' कहा जाता है, आयुर्वेद में अत्यंत श्रेष्ठ माना गया है। यह शरीर के ओज, तेज और मेधा को बढ़ाता है। गौ-दधि का सेवन विशेष रूप से बालकों और वृद्धों के लिए बहुत लाभदायक होता है। भारतीय परंपरा में दही को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। किसी भी शुभ कार्य जैसे विवाह, परीक्षा या यात्रा से पहले दही और चीनी का सेवन एक सांस्कृतिक परंपरा बन चुकी है। इसके पीछे यह मान्यता है कि यह संयोजन शुभफलदायक होता है।

औषधीय गुणों से भरपूर अमृत के सामान

अंत में, यह कहा जा सकता है कि दही केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण औषधीय गुणों से भरपूर अमृत है। आयुर्वेद के अनुसार यदि व्यक्ति अपनी प्रकृति, ऋतु, काल, मात्रा और अनुकूल संयोजन के अनुसार दही का सेवन करता है, तो वह अनेक रोगों से बच सकता है। शरीर और मन के पोषण लिए दही एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय है। हमें चाहिए कि इस परंपरागत और आयुर्वेदिक ज्ञान को अपने दैनिक जीवन में स्थान दें और दही को केवल स्वाद नहीं, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी अपनाएं।

दांत दर्द से बुखार तक अकरकरा है अनेक समस्याओं का रामबाण इलाज

अकरकरा औषधीय गुणों से भरपूर भारतीय पौधा है जिसका उपयोग आयुर्वेदिक, यूनानी और अन्य जड़ी-बूटी आधारित चिकित्सा पद्धतियों में पुरुषों के रोग, सर्दी-जुकाम, दांतों के दर्द और पायरिया के इलाज में होता है।

अनामिका शुक्ला
लखनऊ

इसका वैज्ञानिक नाम एनेसाइक्लस पायरेथ्रम है। अकरकरा की जो कि कई प्रकार के औषधिय गुणों से भरपूर माना जाता है, ये हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होती है। अकरकरा का पौधा ग्रामीण क्षेत्रों में जंगलों, खेत और खलिहानों के आसपास पाया जाता है, अकरकरा का पौधा झाड़ीदार होता है जिसमें छोटे-छोटे पीले रंग के फूल खिलते हैं। इसकी पत्तियां से लेकर फूल तक सभी हमारे लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसकी पत्तियों और जड़ों में फ्लेवोनॉयड्स, एलक्लॉइड, क्यूमरीन और टैनिन के साथ स्टेरल्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ये शरीर के दर्द और तनाव जैसी बीमारियों से राहत दिलाने में लाभदायक है। औषधि गुणों से भरपूर ये पौधा शरीर दर्द, तनाव, डायबिटीज पैरालिसिस, शरीर के घाव भरने में, सूखी खांसी, पाचन संबंधी समस्या, हिचकी सहित कई बीमारियों से राहत दिलाने में कारगर होता है।

सिरदर्द में फायदेमंद

अकरकरा की जड़ या फूल को पीसकर, हल्का गर्म करके ललाट (मस्तक) पर लेप करने से मस्तक का दर्द कम होता है। इसके अलावा इसके प्रयोग से मुख की दुर्गंध भी दूर हो जाती है, एक बार के प्रयोग के लिए एक फूल या थोड़ा कम पर्याप्त होता है।

दांत दर्द कम करने में सहायक

अगर दांत दर्द से परेशान हैं तो अकरकरा का इस तरह से सेवन करने पर जल्दी आराम मिलता है। 10 ग्राम अकरकरा की जड़ या पुष्प में 2 ग्राम कपूर तथा 1 ग्राम सेंधानमक मिलाकर, पीसकर चूर्ण बना लें। इस चूर्ण का मंजन करने से सब प्रकार के दंत दर्द से राहत मिलती है।

हृदय को रखें स्वस्थ

हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए हृदय का स्वस्थ होना भी जरूरी होता है। अकरकरा का इस तरह से सेवन करने पर हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

दो भाग अर्जुन की छाल और एक भाग अकरकरा की जड़ का चूर्ण, दोनों को मिलाकर, पीसकर दिन में दो बार आधा-आधा चम्मच की मात्रा में खाने से घबराहट, दर्द, कम्पन और कमजोरी आदि हृदय संबंधी रोगों में लाभ होता है।

पेट दर्द करे कम

अक्सर मसालेदार खाना खाने या असमय खाना खाने से पेट में गैस हो जाने पर पेट दर्द की समस्या होने लगती है। अकरकरा के जड़ का-चूर्ण और छोटी पिप्पली-चूर्ण को समान मात्रा में लेकर उसमें थोड़ी भुनी हुई सौंफ मिलाकर, आधा चम्मच सुबह शाम भोजनोपरांत (खाना खाने के बाद) खाने से पेट संबंधी समस्या में लाभ होता है।

मुंह की बदबू को करे कम अकरकरा

अकरकरा, माजुफल, नागरमोथा, भुनी हुई फिटकरी, काली मिर्च तथा सेंधानमक सबको बराबर मिलाकर बारीक पीस लें। इस मिश्रण से प्रतिदिन मंजन करने से दांत और मसूड़ों के सभी रोग ठीक हो जाते हैं तथा मुख की दुर्गन्ध मिट जाती है। इसके अलावा अकरकरा का जड़ या फूल, हल्दी तथा सेंधानमक को बराबर मिलाकर बारीक पीस लें। इस मिश्रण में थोड़ा सरसों का तेल मिलाकर दांतों पर मलने से दांत का दर्द कम होता है, साथ ही मुख-दुर्गन्ध व मसूढ़ों की समस्या भी दूर होती है। यह एक चमत्कारिक प्रयोग है।

लकवा के इलाज में फायदेमंद

अकरकरा-मूल को बारीक पीसकर महुए के तेल या तिल के तैल में मिलाकर प्रतिदिन मालिश करने से अथवा अकरकरा की जड़ के चूर्ण (500 मिग्रा-1 ग्राम) को शहद के साथ सुबह शाम चटाने से पक्षाघात (लकवा) में लाभ होता है।

बुखार से राहत दिलाये

अगर मौसम के बदलने के वजह से या किसी संक्रमण के कारण बुखार हुआ है तो उसके लक्षणों से राहत दिलाने में अकरकरा बहुत मदद करता है। अकरकरा के 500 मिग्रा चूर्ण में 4-6 बूंद चिरायता अर्क मिलाकर सेवन करने से बुखार में अत्यन्त लाभ होता है।

1 ग्राम अकरकरा-मूल, 5 ग्राम गिलोय तथा 3-5 पत्र तुलसी को मिलाकर काढ़ा बनाकर दिन में 2-3 बार देने से जीर्ण ज्वर, बार-बार होने वाले बुखार व सर्दी लगकर आने वाले बुखार का शमन होता है।

अर्थराइटिस से दिलाये राहत

आजकल अर्थराइटिस की समस्या उम्र देखकर नहीं होती है। दिन भर एसी में रहने के कारण या बैठकर ज्यादा काम करने के कारण किसी भी उम्र में इस बीमारी का शिकार होने लगे हैं। इससे राहत पाने के लिए अकरकरा का इस्तेमाल ऐसे कर सकते हैं।

अकरकरा की जड़ का पेस्ट या कल्क तथा काढ़े का लेप लगाने के बाद सिंकाई करने से या उससे धोने से आमवात (एक प्रकार का गठिया), लकवा तथा नसों की कमजोरी में लाभ होता है।

साइटिका का दर्द करे कम

अगर दिन भर बैठकर काम करने के कारण कमर दर्द से परेशान हैं तो अकरकरा के जड़ के चूर्ण को अखरोट के तेल में मिलाकर मालिश करने से गृध्रसी या साइटिका में लाभ होता है।

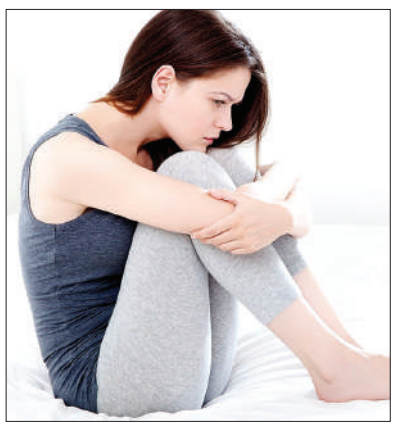

मासिक धर्म की समस्याओं से दिलाये निजात

मासिक धर्म या पीरियड्स होने के दौरान बहुत तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे-मासिक धर्म होने के दौरान दर्द होना, अनियमित मासिक धर्मचक्र, मासिक धर्म के दौरान रक्तस्राव या ब्लीडिंग कम होना या ज्यादा होना आदि। इन सब में अकरकरा का घरेलू उपाय बहुत ही लाभकारी होता है।

अकरकरा-मूल का काढ़ा बनायें। 10 मिली काढ़े में चुटकी भर हींग डालकर कुछ माह सुबह-शाम पीने से मासिकधर्म ठीक होता है। इससे मासिकधर्म के दिनों में होने वाली दर्द से भी छुटकारा मिलती है।

ये लेख जानकारी देने वाला है अकरकरा का उपयोग किसी विशेषज्ञ डाक्टर की सलाह से ही करें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष

इस सप्ताह कारोबार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। आमदनी के अतिरिक्त स्रोतों को विकसित करने पर तेजी से विचार हो सकता है। कार्य क्षेत्र में अधिक व्यस्तता रहेगी। आधुनिक सुख के साधनों को जुटाने में अधिक व्यय होगा। नया वाहन खरीदने में कुछ वक्त और लग सकता है।

वृष

इस सप्ताह राजकीय व प्रशासनिक कार्यो में भागीदारी हासिल होगी। आजीविका के मामलों में किस्मत साथ देगी। विदेश संदर्भो में अचानक ही कोई खुशी का समाचार प्राप्त होगा। जीवनसाथी के मध्य चल रहे पिछले तनावों का अंत होगा। लेन-देन व भू-जायदाद के विवादित मुद्दों को सुलझाने हेतु कोशिशें तेज होंगी।

मिथुन

इस सप्ताह फिल्म, कला, शोध व औद्योगिक क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी को कड़ी टक्कर देते हुए बेहतर प्रदर्शन करेंगे। किसी मंच से आपकी क्षमताओं व योग्यताओं को सम्मान मिलेगा। दिया गया साक्षात्कार सफल रहेगा। पूंजी निवेश व विदेश संदर्भो में लाभ के योग रहेंगे। पितृ व मातृपक्ष से सहयोग मिलेगा।

कर्क

इस सप्ताह पारिवारिक जीवन में खुशी के पल रहेंगे। संतान पक्ष के वैवाहिक प्रयासों को खूबसूरत सफलता मिलेगी। अचानक ही कोई लाभकारी अनुबंध हाथ लग सकता है। संबंधित सेवा क्षेत्रों में लक्ष्य हासिल करने की चुनौती रहेगी। पूंजी निवेश व लेन-देन के संदर्भो में कहीं चूक हो सकती है।

सिंह

इस सप्ताह कार्य व व्यापार के क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ेगा। व्यावसायिक योग्यता निखारने के प्रयास रंग लाएंगे। संपत्ति के क्रय-विक्रय द्विपक्षीय लाभ देंगे। पूंजी निवेश में लाभ के योग रहेंगे। लेन-देन में फंसी पूंजी प्राप्त करने में कुछ और विलम्ब हो सकता है। सेहत व रिश्तों में उतार-चढ़ाव की स्थिति हो सकती है।

कन्या

इस सप्ताह कार्य व व्यापार में आशा के अनुकूल बढ़त हासिल होगी। बशर्ते मन से प्रयास करें। प्रतियोगी क्षेत्रों में सफलता के संकेत मिलेंगे। सेहत अच्छी रहेगी। अपनों का साथ रहेगा। पूंजी निवेश व लेन-देन के विवाद हल करने मे कामयाब रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी न करें। किसी करीबी के सेहत की चिंताएं हो सकती है।

तुला

इस सप्ताह फिल्म, कला, वाणिज्य, शोध के क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होगा। संतान के कारण घर में खुशियां रहेगी। कोई शुभ व मांगलिक कार्यो के आयोजन होंगे। आमदनी बढ़ाने के प्रयास धीरे-धीरे असर दिखाएंगे। अभी धैर्य व साहस से चलना होगा। प्रेम संदर्भो में कटु शब्दों के प्रयोग से बचें, यह रिश्तों में तनाव दे सकता है।

वृश्चिक

इस सप्ताह स्वास्थ्य मामले उन्नत रहेंगे। सकारात्मक विचारों का उदय होगा। राजनैतिक कद ऊंचा उठाने की लालसा रहेगी। क्रीड़ा व प्रतियोगी क्षेत्रों में बढ़त हासिल होगी। अचानक ही कोई धार्मिक व व्यापारिक यात्रा हो सकती है। शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्रों में अधिक व्यय होगा।

धनु

इस सप्ताह कला, साहित्य, फिल्म उद्योग, चिकित्सा के क्षेत्रों में उभरते हुए व्यक्तित्व के रूप में पहचान स्थापित होगी। आपके अभिनय को एक नई पहचान प्राप्त होगी। पूंजी निवेश में लाभ के योग रहेंगे। आमदनी बढ़ाने की कोशिशें रंग लाएंगीं। अचानक ही कोई विदेश यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे। सेहत व परिवार के प्रति उदासीनता हानिप्रद हो सकती है।

मकर

इस सप्ताह शारीरिक क्षमताएं उच्च रहेंगी। पत्नी व बच्चों के मध्य तालमेल का उदय होगा। शैक्षिक सफलता से मनोबल उच्च रहेगा। किन्तु कार्य क्षेत्र में शुरूआत से ही कार्य निपटाने का दबाव बढ़ सकता है। आलस्य से बचते हुए योग्यताओं का प्रदर्शन करना होगा। शुभ व धार्मिक कार्यो को करने की उत्सुकता रहेगी। पूंजी निवेश में उचित समय का इंतजार करें।

कुंभ

इस सप्ताह व्यावसायिक प्रगति का सफर अनवरत रूप से जारी रहेगा। आर्थिक स्थिति को उच्च बनाने की कोशिशें कुछ रूकावटों के बाद सफल होंगी। किन्तु सार्थक प्रयासों को कम न करें। माता-पिता को अपेक्षित सम्मान देकर सामाजिक व आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है।

मीन

इस सप्ताह उच्चाधिकारी के संपर्क से व्यावसायिक कौशल निखारने के अवसर रहेंगे। अध्यापन व चिकित्सा सेवाओं हेतु दूरस्थ क्षेत्रों की यात्रा हो सकती है। प्रेम प्रसंगों में मधुरता रहेगी। शत्रु पक्ष किसी गुप्त योजना के तहत हानि पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कानूनी पहलुओं का ध्यान रखना होगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 19

				10	14			14	6
	3	26	17			11	4		
9			8				7 7		
11			27		21				
	16			3	3			11	
	6				4	3			9
		12 21				18	13		
	17 3			6			3 9		
5					9				
10					16				

काकुरो 18 का हल

	9	24				5	16		
17	8	9			13	4	9		
8	1	7	8	23	7	1	6	10	16
	19	8	5	6	14	17	1	7	9
	4	15 8	3	8	4		9 19	2	7
3	1	2	16 16	9	7	4 8	3	1	
17	3	5	9	12 18	3	2	7	23	
	10	1	7	2	18 11	1	9	8	3
			22	9	8	5	10	9	1
			10	7	3		8	6	2

एक हफ्ते से ऐसी मूसलाधार बारिश, जैसे किसी ने आसमान पर सेंध लगा दी होए, पर अब लगा की ज़रा उसका आक्रोश कम हुआ तो कुछ बूंदे ही गिर रही थीं। धुले कपड़े सूखे नहीं। फर्श अभी गीला-गीला। हर जगह कुकुरमुत्ते उग आए थे।

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
बरेली

सुधा ने खिड़की से बाहर झांका और झुंझला कर बुदबुदाई, "क्या बला है ये बारिश? बादल गुब्बरों की तरह फट रहे हैं।"

मैं तो पक्के ईटों वाले घर में रहते-रहते इतनी ऊब गई तो झुग्गियों में बसे लोग इस त्रासदी को कैसे झेल रहे होंगे। अपने घर से बोरी ओढ़कर आई महरी अब बोली, "बैठने के लिए भी कोई जगह नहीं... फूस की छत टूट गई है और बारिश का पानी घर के अंदर गिरने लगा है... क्या करूं? मेरे बाल बच्चे तड़प रहे हैं।" तो सुधा उसकी कठिनाइयां समझ पाई। "घर में पानी हो तो एक काम कर। अपने बच्चों को लेकर हमारे कार शेड में आकर सो जा।" उसने कहा।

"मेरी हालात तो फिर भी ठीक है, मां जी। नदी किनारे बसे लोगों की झोपड़ियों में तो पानी घर के अंदर बहने लगा है... कह रहे हैं बाढ़ आने वाली है... अब क्या करें? कहते-कहते अपने काम में व्यस्त वह हो गई।

दो दिनों में नदी में किसी भी क्षण बाढ़ के भय से त्रस्त हैं लोग। कहते हैं इस सूचना का लाउडस्पीकर से ऐलान हो गया है। फिर भी सुना है कई गांव के लोग झुग्गियां ख़ाली नहीं कर रहे। "बाढ़ नहीं आने वाली... बेकार ही डरा रहे हैं।" कलेक्टर साहब ने लोगों को समझाने की कोशिश करी तो भी कहां मानने वाले यह लोग? अधिकतर ने उनकी बात अनसुनी कर दी... कह रहे हैं कुछ नहीं होगा। अगले दिन दोपहर सुधा के पति अविनाश लौटे। चेहरा उतरा हुआ था। राम गंगा में बाढ़ आ गई है। लोग चीख़ते-चिल्लाते बाहर भाग रहे हैं... दृश्य भयानक है, "उन्होंने कहा। सुधा नदी से पांच मील दूर रहती थी। उसने बिना कुछ कहे तुरंत कार में अविनाश के साथ चलने की हामी भर दी।

रामगंगा नदी के तटवर्ती इलाके में ज्यादातर ग़रीब किसान या मज़दूर परिवार बसे थे। राजपथ से गुज़रते हुए सड़क किनारे एक अंतहीन भीड़ दिखी-जूट की चटाईयां, बोरे, मिट्टी के घड़े, बोरी की गठरिया और अपने बाल बच्चों सहित हज़ारों लोग-साइकिल पर अपने परिवार को ढोते हुए, यह काठ के ठेली पर गाय-बकरी, सामान, परिवार जैसे बिना किसी भेदभाव के आते हुए कुछ लोग दिखाई पड़े।-बच्चों की चीख़े, बुढ़ों की कराह, और औरतों का विलाप मानो बादलों को चीरता हुआ ऊपर जा रहा था।

कहानी

मां हो तो ऐसी

तभी सुधा ने देखा-एक टीन के बक्से के पास बैठी औरत, तीस, पैंतीस बरस की होगी। फटी साड़ी, बिखरे बाल, लाल-लाल आंखें। उसके पास एक छोटी बच्ची थी, और वह औरत सिर पटक-पटक कर रो रही थी।

सुधा उसके पास गई, "क्या हुआ बहन?" मानो किसी सहानुभूति के शब्दों के इंतज़ार में थी वह, ज़ोर की रूलाहट से फूट पड़ी। उसने आंसुओं के बीच टूटी आवाज़ मैं कहा, 'मेरा राजा... मेरा बेटा... बह गया...!"

नाम था उसका शीला। बताने लगी-"बाढ़ का शोर हुआ... 'भागो- भागो' की चीख़ें। मैं बेटे को गोदी में उठाकर, बेटी का हाथ पकड़ कर निकल ही रही थी कि याद आया, मचान पर तीन सेर चावल रखे हैं। भूखे रहेंगे हम सब। सोचा जल्दी से ले लूं। बेटी को पड़ोसी के साथ भेजा, बेटे को बरामदे में बैठाया, और खुद चावल लेने गई। लौटकर आई तो देखा पानी बढ़ गया था... और मेरा राजा बह गया!"

सुधा स्तब्ध रह गई। इतने से चावल के लिए उसने अपने बेटे को गंवा दिया?

अविनाश ने गुस्से में पूछा, "क्या अकल नहीं थी? चावल के लिए बेटे को अकेला छोड़ दिया?" वह रोती रही, "क्या करती, बाबू जी? अगले पहर के लिए भोजन न हो तो क्या करें? यह वजह थी जी, खाने को कुछ न होता तो मरते भी हम ही...।"

सुधा ने अविनाश से उसे सौ रुपए देने को कहा। उसने अनसुनी कर दी और बाढ़ का नज़ारा देखने लगा। घर लौट कर सुधा की आंखों में आंसू छलक आए। उसने रूंधे गले से अविनाश से कहा, "आप बद्दुआ लेते हैं, इसीलिए हमारा बच्चा कोख में मर गया, अब मैं कभी मां नहीं बनूंगी! क्या ज़रूरत थी उस मां के ज़ख्म पर नमक छिड़कने की, जिसने अपना बच्चा खोया है? उसे सौ रुपए दे देते तो आपका ख़ज़ाना ख़ाली हो जाता...?"

"तीन सेर चावल के लिए बेटा गंवा देने वाली मां की छवि अविनाश की आंखों में नाचने लगी। सुधा के कहे शब्द कानों में घंटियों की तरह बजने लगे।" तभी किसी ने गेट की बेल बजाई। अविनाश बाहर गए फिर अंदर जाकर बोले, "बाढ़ पीड़ितों को पास के स्कूल में शरण दी है। खाना जुटाने के लिए लोग मदद दे रहे हैं। हम आधी बोरी चावल दे दे...?" सुधा ने धीरे से सिर हिला दिया।

तीसरे दिन सुबह, टीवी पर एक ब्रेकिंग न्यूज़ चल रही थी-"रामगंगा नदी के पास बाढ़ में बहा एक साल का बच्चा चमत्कारिक रूप से बच गया। एक पेड़ की डाल में अटका मिला। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। उसके गले में ताबीज़ और और मोती की डिब्बी देखकर लोगों ने उसकी पहचान की। उसकी मां का पता अब तक नहीं चल पाया है।" सुधा उछल पड़ी, "यह तो वही बच्चा हो सकता है!" अविनाश ने अस्पताल का पता किया और वे तुरंत वहां पहुंचे। शीला पहले ही वहां पहुंच चुकी थी। गोदी में उसका 'राजा था -कमज़ोर लेकिन ज़िंदा।

वह फूट-फूट कर रो रही थी, पर आंसुओं में थोड़ी राहत थी। सुधा ने पास जाकर उसे गले लगा लिया। तभी डॉक्टर ने शीला से कहा, "बच्चे के फेफड़ों में पानी भर गया है। पानी नहीं निकाला गया तो यह मर जाएगा।" "डॉक्टर साहब इलाज में कितना पैसा लगेगा?" शीला ने धीरे से पूछा। "वैसे तो सब मिलाकर दो लाख ख़र्च होगा। मैं गरीब समझकर तुम्हारी रियायत कर दूं, तो भी दवाइयों और ऑपरेशन का एक लाख तो देना ही होगा।" यह सुनकर शीला की रुलाई फूट पड़ी।

"आप इलाज शुरू कीजिए, पैसा मिल जाएगा।" अविनाश ने डॉक्टर से कहा। अविनाश में यह बदलाव देखकर सुधा हैरान हो गई! वह ऑपरेशन थिएटर के बाहर बैठी शीला को दिलासा देने लगी। लंबे इंतज़ार के बाद नर्स ने बाहर आकर कहा, "ऑपरेशन कामयाब रहा, बच्चा बच गया। होश में आने पर आप उससे मिल सकते हैं।" शीला ने सोचा, "जिस दंपति ने एक बे बाप के बच्चे को जिलाया है, वह निसंतान हैं। अगर वह इसके माता-पिता बन जाए, तो उन्हें संतान सुख मिल जाएगा। और बच्चे को पढ़-लिख कर अच्छा जीवन मिल जाएगा। फिर उसके मन में विचार आया, "बेटा तो विधवा की लाठी होती है, उसके बिना कैसे जिएगी? उसके दोनों और मीलो लंबी खाई थी पर निर्णय लेने के लिए समय कम था। उसने फैसला लिया-मुझे स्वार्थ को तिलांजलि देना होगी और अपने सीने पर पत्थर रखना होगा।"

उसने दंपति से कहा, "मेरा राजा तो बाढ़ में बह गया। आपने इस बच्चे को जीवन दान दिया है, आप चाहे तो इसे गोद ले सकते हैं?" दंपति के चेहरे पर चमक आ गई, "आपने हम पर बहुत बड़ा उपकार किया है। आप भी हमारे साथ रहने लगें तो हमें खुशी होगी।" शीला ने रूंधे गले से कहा, "आपके सुझाव कि मैं कद्र करती हूं, पर नहीं चाहती, बड़ा होकर राजा को पता चले, उसको जन्म देने वाली और पालने वाली मां अलग-अलग थीं।" अविनाश ने कृतार्थ होकर कहा, "मैंने तो आपके बच्चे का जीवन बचाने के लिए कुछ धन दिया और आपने हमें संपूर्ण जीवन की कमाई दे दी...। वह धीरे से बोली, "मैं चाहती हूं, मेरे बेटे को वह सुख मिले जो एक विधवा नहीं दे सकती" वह कुछ देर बेटे को टिकटिकी बांधकर देखती रही। फिर उसने अपने आंसुओं को फटी साड़ी के पल्लू से पोछा और बेटी की उंगली पकड़कर चली गई...।

कार में राजा को गोद में लिए बैठी सुधा सोच रही थी, "मां हो तो ऐसी।" फिर उसने दार्शनिक के लहजे में अविनाश से कहा, "कभी-कभी जीवन में उपकार बड़े सुख ले आते हैं। पर यदि नियति में कोमलता हो, तो वही उपकार करिश्मे की राह भी बन सकते हैं।"

कविताएं/गीत

निरपेक्ष चाह

ना मदिरालयों की बात करो
ना मंदिरालयों की बात करो
कुछ कहना ही है तो
सिर्फ विद्यालयों की बात करो,
मदिरालयों ने हिला दी है नींव गृहस्थी की
घरों में महिलाएं पीड़ित हैं
बच्चे अभाव में तरस रहे हैं
पीने वाले भी कई रोग शरीर को लगा बैठे हैं,

मंदिरालयों के पुनर्निर्माण ने
खोद दी है नींव हमारे पहाड़ों की
पहाड़ दर पहाड़ दरक रहे हैं
और विवश होकर कई यात्रियों की
जिंदगियों को लील रहे हैं,
बना रहे केदार, बद्री धाम
अपने मूल रूप में
छेड़छाड़ कर इसे घायल न करो,

अगर कुछ करना है तो
शिक्षा में सुधार करो
नए विद्यालय खोलने से पहले
पुराने का पुनरुद्धार करो,
शिक्षकों का अभाव न हो
मन में कर्तव्य निभाने का भाव हो
शौचालय पानी की व्यवस्था हो
बेटियों की सुरक्षा पुख्ता हो,

न दिखाई दे कोई बच्चा
सड़क में भीख मांगता
सबको पठन- पाठन का
समान अधिकार हो,
यकीन मानो मेरी बात का
अगर शिक्षा का प्रसार होगा
रूपरेखा का एक निश्चित
आकार होगा
तभी समृद्धि का विस्तार होगा
और भारत को दुनिया के
मानचित्र में
सबसे ऊपर रखने का सपना
इसी से साकार होगा।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

बदरा

मल्हार, कजली, ख़याल, विरहा न जाने क्या-क्या सुना रहे हैं
हुए हैं उन्मत्त ख़ुद तो बदरा, मुझे भी छत पर बुला रहे हैं

फुहारें छम-छम-सी नाचती हैं, धरा भी नदिया-सी बह चली है
ये हंसते-खिलते-मचलते झूले, मेरी उमंगें बढ़ा रहे हैं

पहाड़, पंछी, ये झरने, सागर, हैं डूबे अपनी ही मस्तियों में
न बस चले अब मेरा ही मुझ पर, इशारे इनके बुला रहे हैं

ओ पुरवा मुझको उड़ाके ले चल, जहां भी जाए वहीं चलूं मैं
हिलोर लेते नदी के धारे, मेरी तो उलझन बढ़ा रहे हैं

किसे बुलाए, किसे पुकारे ये राज़ कोयल तू खोल दे अब
तेरे सुरीले नए तराने बता दे किसको बुला रहे हैं

वो मेरी धड़कन, मैं सांस उसकी, वो मेरी ख़्वाहिश, मैं आस उसकी
बने हैं इक दूजे के लिए हम, ये धरती-अंबर बता रहे हैं

अरावली की पहाड़ियों में,
ग़ज़ल ये अपनी मैं लिख रही हूं
फ़िज़ा के रंगीं फ़साने सारे,
मुझे भी कितना लुभा रहे हैं।

डॉ. सीमा विजयवर्गीय
स्वतंत्र लेखिका

लघुकथा

औकात

ऑटो खड़ा किया। चंद कदम घर के अंदर बढाये ही थे कि दोनों बच्चे हर्षोल्लास से उसके लिपट गए-"पापा आ गये, पापा आ गये...लाओ पहले हमें दो ..नहीं पहले हमें दो.. बच्चों को थैला पकड़ा दिया। बच्चे थैले से अपनी-अपनी चीजें खोजने में तल्लीन हो गए। वह धप्प से चारपाई पर बैठ गया। पत्नी ने पानी का गिलास पकड़ाया। सर्रऽऽऽ..एक ही सांस में पूरा गिलास खत्म कर दिया, फिर अपनी दोनों पलकें मूंद शांति से पलंग पर पसर गया।

"क्या हुआ, आज ज्यादा थक गए क्या?" पत्नी उसके सिर पर हाथ फेरते हुए विनम्र भाव से बोली। "नहीं बस यूं ही लेट गया।" पलकें खोलते हुए वह भर्राये स्वर में बोला।

"अरे! तुम्हारी आंखों में आंसू।"

"कुछ नहीं बस ऐसे ही।" आंखें मलते हुए वह बोला। "उठो अच्छा, अब मुंह-हाथ धो लो खाना लगाती हूं।" वह उठा, मुंह-हाथ धोकर फारिग हुआ, देखा, अब पत्नी की आंखें डबडबाईं हुईं हैं। "अरे! अब तुम्हें क्या हुआ?" आश्चर्य से वह बोला। "वीडियो देखा है, मोबाइल पर आपका।"

"ओह! वायरल हो गया।"

"हां।" "तब तो बच्चे भी।"

"नहीं नहीं बहुत जिद कर रहे थे, पर मोबाइल न दिया, सोचा कहीं देख लेंगे तो उन्हें भी तकलीफ होगी।" "सहीं किया, अरे! जब तक न देखें, तब तक अच्छा, अब क्या करें अमीरों का, नेताओं का, पेट हम गरीबों को ही पीट कर ही भरता है।"

"टूटी-फूटी मराठी जब बोल लेते हो, तो बोलते क्यों नहीं?"

सुरेश सौरभ
लखीमपुर खीरी

"सीमा चाहे हिंदी बोलूं या मराठी हमारी औकात एक रिक्शेवाली है। जब जो चाहता है, हमें हमारी औकात बताकर चला जाता है।"

"फिर भी कोशिश करो।"

"बहुत करता हूं, पर अम्मा की दी हुई वह जबान, उनके लाड़-प्यार में पगे वह शब्द, वह भाव, चाह कर भी मैं भुला नहीं पाता।"

"अगर फिर हिंदी बोलने पर पीटे गये तो..."

पति खामोश। शून्य में खो गया।

अब उसकी पीठ पर सीमा दर्द वाला मरहम मल रही थी। उसकी पीठ का दर्द कम होकर हौले-हौले, अब उसके हृदय पर, उसकी आत्मा पर उतरता जा रहा था।

सच्चा दान

एक बार एक संत अपने शिष्यों के साथ गांव में गए। गांव के लोग उनके प्रवचनों से बहुत प्रभावित हुए और उन्हें भेंट स्वरूप कई कीमती वस्तुएं देने लगे। किसी ने सोना दिया, किसी ने रेशमी वस्त्र, तो किसी ने धन की थैली।

संत मुस्कराए, परंतु उन्होंने कुछ भी स्वीकार नहीं किया। तभी एक गरीब वृद्धा आई। उसके पास देने को कुछ नहीं था, पर उसने संत के चरणों में एक मिट्टी का छोटा-सा दीपक रख दिया और बोली, "यह मेरी भक्ति है, कृपया स्वीकार करें।"

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

संत भावुक हो उठे। उन्होंने दीपक उठाया और कहा, "आज मैंने सच्चा दान देखा। जिसने जो दिया, वो अपनी संपत्ति से दिया। पर इस वृद्धा ने अपनी श्रद्धा से दिया।"

शिष्यों ने पूछा, "गुरुदेव, इसका क्या अर्थ है?"

संत बोले, "सच्चा दान वह है, जिसमें त्याग और भावनाएं हों, न कि केवल वस्तु की कीमत।"

समीक्षा

अद्वितीय और मंगलकारी कृति

वरिष्ठ साहित्यिकार अभिनंदन गोइल जी की पुस्तक "कल्याण पथ प्रदर्शक : तीर्थंकर महावीर" एक अनुपम कृति है। वर्तमान समय में भाव विशुद्धि जैसे पुरुषार्थ सिद्ध कार्य पर लेखक ने गहनता से प्रकाश डाला है। भगवान महावीर के जन्म से निर्वाण तक के जीवन को आचार्य के संदर्भों और वैज्ञानिक विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करना, निःसंदेह कृतिकार की विद्वत्ता और गहन शोध को दर्शाता है। इस पुस्तक में रामधारी सिंह दिनकर, आचार्य विद्यानंद, धर्मानंद कौशम्बी, डॉ. एस. एम.पहाड़िया, मुनि प्रमाण सागर, आचार्य महाप्रज्ञ जैसे श्रेष्ठ जनों के संदर्भों का समावेश, इसकी प्रामाणिकता और विश्वसनीयता को और भी बढ़ा देता है। जिनागम के सिद्धांतों, धर्म के दस लक्षणों, छह द्रव्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण, सात तत्वों के विवेचन, आठ कर्मों के क्षय, रत्नत्रय (निश्चय और व्यवहार सहित) और मोक्ष मार्ग का विस्तृत वर्णन अत्यंत सराहनीय है। पुस्तक में विशेष रूप से, अनेकांत के सिद्धांत को जिस प्रकार जैन धर्म से जोड़कर प्रस्तुत किया है, वह वास्तव में अद्वितीय है। कर्म निर्जरा के लिए ध्यान की श्रेष्ठता पर बल, आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर होने वाले जीवों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। यह आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह मंगलकारी कृति अनेक भव्य जीवों को संयम और सम्यकत्व की ओर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगी। इस लेखन से निश्चित रूप से समाज में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का संवर्धन होगा।

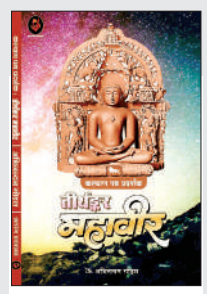

कृति- कल्याण पथ
प्रदर्शक : तीर्थंकर महावीर
लेखक- अभिनन्दन गोइल
प्रकाशन- शतरंग प्रकाशन, लखनऊ
समीक्षक- सुभाष सेठिया, इंदौर

व्यंग्य

पतियों की दीन-हीन दुखदाई कथा

पति होना आजकल आसान नहीं है। दुनिया का सबसे टेढ़ा काम हो चुका है। एकदम रस्सी पर करतब दिखाने जैसा खतरनाक.. सुई के नोक पर खड़े रहने जैसा दर्दनाक। जिंदा मेंढकों को तौलने के जैसा परेशानी भरा। जरा सी चुक हुई नहीं की मामला बिगड़ जाता है। हाथ से निकल जाता है। उसके बाद जीवन और भाग्य सब कुछ भगवान भरोसे रह जाता है। हाथ मुंह टूटने का पूरा डर रहता है। सिर भी फूटने का डर रहता है। जग हंसाई अलग से होता है। आप कब पति से पत्नी के नजर में पतित साबित हो जाए कहां नहीं जा सकता है।

रेखा शाह
बलिया

उससे भी खराब बात यह है की जिस क्लेसी पत्नी को देखकर जुबान का स्वाद कड़वा करेले के जैसा हो जाए। जिसकी बोली कानों में पिघला सीसा पिघलाए। उससे मीठे शहद जैसी जुबान में बात करना पड़ता है। पत्नी से जहां आपने कोई उल्टी बात बोले, आजकल कुछ भी हो सकता है। कब कौन सी बात कहां पहुंच जाएं और किस तरीके से पहुंच जाए, कहां नहीं जा सकता है। और रोटी पानी के लाले पड़ जाते हैं। वह डर अलग से जान को सुखाए रखता है।

मतलब पति होने का आजकल मतलब है खतरों से खेलना अंगारों पर चलना। अपने ही गले में सांप लपेटना हो गया है। शादीशुदा जिंदगी सांप-सीढ़ी के खेल जैसा होता है। जिसमें हर कदम पर खतरा हो भी सकता है नहीं भी हो सकता है। आपकी जान इन्हीं दो स्थितियों के बीच में हिचकोले खाती रहती है। स्थिरता तो बड़े भाग्य वालों को नसीब होता है।

अपने ही घर जिसको खून पसीने से कमाकर आपने बनाया। उसी में किसी कोने में भी चैन से रहने की जगह नहीं मिलती है। यह सब आजकल पति होने की कीमत है। आजकल खुशकिस्मत उन लोगों को नहीं गिना जाता है जिनके पास बड़ी-बड़ी गाड़ियां बड़े-बड़े बंगले और अच्छे बड़े अधिकारी पोस्ट पर है। आजकल खुशकिस्मत उन लोगों को गिना जाता है। जिनके पास एक सीधी शादी बीवी और एक सफल शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं। जिनकी पत्नी कलेसी नहीं है। और किसी की पत्नी क्लेश नहीं करती हो ऐसा सोचिए मत।

पत्नी ऐसी प्राणी है जिसको समझाया भी नहीं जा सकता है। पत्नी को 2 घंटा समझाइए मेहनत कीजिए। लेकिन वह घूम फिर कर फिर अपनी ही बात को सही बताती है। और सिर्फ अपनी बात को सही बताती ही नहीं है। उसे मानने पर भी मजबूर करती है आपके पास ना ही मानने का ऑप्शन नहीं होता है। लेकिन पत्नी के पास हजारों विकल्प होते हैं। वह मायके जा सकती है। वह आपके ऊपर केस कर सकती है। आपके साथ 24 घंटा झगड़ा करके आपका सुख चैन छीन सकती है।

वह भले लाख जुर्म करें पर जिसकी कोई दुहाई और सुनवाई ना हो वह बेचारा इंसान पति होता है। आजकल पत्नी के दुख से ऊपर कोई दुख भारी नहीं है। सीधी-सादी पत्नी तो मात्र आजकल वहम या सपना बन चुका है।

बेटे की शादीशुदा जिंदगी में यदि कोई बात बिगड़ती है तो सबसे पहले मां-बाप के ऊपर ही गाज गिरती है। सास कितनी भी निरूपा राय रहे, बहू के लिए कोर्ट में उसे शशि कला साबित करना चुटकियों का खेल होता है। अब तो दुश्मन भी इस बात का इंतजार करते हैं की उसके दुश्मन के बेटे की कहीं गलत जगह शादी हो जाए और उसके बाद उस परिवार को पता चले।

एक है चतुरी जी.. वैसे तो बहुत चतुर इंसान है। पर हर जगह चतुराई नहीं काम आती है। पहले बहुत चतुर थे। पर जब से उनकी शादी हुई है उनकी चतुराई टहलने के लिए गई हुई है। पत्नी के ऊपर उनकी कोई बुद्धि काम नहीं करती है। उनके माता-पिता बहुत ही शरीफ और सीधे-साधे सैद्धांतिक आदमी थे। उनके आदर्शवादी माता-पिता ने अपने सिद्धांतों के अनुसार सोचे कि किसी गरीब की बेटी को बिना दान दहेज अपने लड़के से ब्याह करवा दे। तो उन्हें पुण्य मिलेगा। स्वर्ग में जगह मिलेगी। समाज को प्रेरणा मिलेगी। तो उन्होंने अपने कमाऊ पूत की बिना दान दहेज के एक गरीब लड़की से शादी करवा दिए। शादी के 6 महीने बाद ही चतुरी जी की पत्नी ने उनके ऊपर दहेज प्रताड़ना के केस ठोक दिए। पत्नी से तलाक और सुलह-सपाटे करते हुए उसको इतना पैसा देना पड़ा। की अब चतुरी जी की पत्नी चतुरी जी से भी चार गुना ज्यादा अमीर है। और चतुरी जी के परिवार को हवालात की जो सैर मुफ्त में करनी पड़ी। वह अलग उनके पति होने का गिफ्ट था। चतुरी जी अब पति बनने के अलावा सब कुछ बनना चाहते हैं।

- मां के सपने को सच करने के लिए शादी के बाद जारी रखी पढ़ाई और 24 साल से वकालत के पेशे में नाम कमा रही।
- 16 साल की उम्र में हुई थी शादी, कई पेचीदा पारिवारिक मामलों में बसा चुकी हैं घर।

मां का सपना साकार कर गरीबों को इंसाफ दिला रहीं हरिन्दर कौर चड्ढा

16 साल की उम्र में शादी होने के बावजूद मां का सपना साकार कर हरिन्दर कौर चड्ढा ने वकालत के पेशे में विशिष्ट पहचान बनाई है। 24 साल से वकालत के पेशे में कई उपलब्धियां उनके नाम हैं। गरीबों को नि:शुल्क न्याय दिलाना उनका उद्देश्य है। बहेड़ी के एक केस में उन्होंने गरीब मां-बाप का केस लड़कर मासूम को इंसाफ दिलाया। वर्तमान में परिवार परामर्श केंद्र के संस्थापक सदस्यों में काउंसलर भी हैं।

शब्या सिंह तोमर, बरेली

58 वर्षीय अधिवक्ता हरिन्दर कौर चड्ढा पारिवारिक कोर्ट में मीडिएशन व प्री लिटिगेशन कोर्ट में अपने अनोखे तरीकों से क्लाइंट की बात रखती हैं। अमृत विचार से बातचीत में अधिवक्ता हरिन्दर कौर चड्ढा ने बताया कि परिवार में पांच बेटियां होने के चलते 16 साल की उम्र में शादी हो गयी। शादी के बाद मां की आंखों का सपना साकार करने के लिए ससुराल में भी पढ़ाई जारी रखी। संयुक्त परिवार में बच्चों के साथ पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन पति के सहयोग के साथ धीरे-धीरे सभी मुश्किलें हल होती गयीं। वकालत पूरी होने के बाद कॉलेजों में प्रवक्ता के रूप में भी मौके मिले, लेकिन समाज से जुड़ने और सीधे तौर पर लोगों के लिए कुछ करने की इच्छा के चलते वकालत की प्रैक्टिस का रास्ता चुना।

हरिन्दर कौर बताती हैं कि वकालत के क्षेत्र में 24 साल से अधिक हो चुके हैं। कई वकीलों, जजों, पुलिस अधिकारियों, प्रशासन के अधिकारियों के साथ कार्य करने का अनुभव मिला है। कई बार पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से सम्मान मिला। लोग सम्मान से देखते हैं नाम लेते हैं, यही अपने आप में सबसे बड़ी पहचान है।

आर्मी के अधिकारी का पेचीदा केस- हरिंदर बताती हैं, करीब 15 साल पहले हल्द्वानी में एक आर्मी के अधिकारी की तैनाती थी। जब उनके विवाहेत्तर संबंध एक महिला दरोगा से हुए। उनकी बेटी थी। जबकि आर्मी अधिकारी का पहले से पत्नी व बेटा था। बाद में महिला दरोगा की बेटी हुई, महिला ने आर्मी अधिकारी पर कई तरह के केस कराए थे। आर्मी अधिकारी का केस मेरे हाथ आया। जिसमें काफी समय लगा, लेकिन बिना परिवार टूटे, मामले में समझौता हुआ। जिसमें बेटी की देखभाल की जिम्मेदारी आर्मी अधिकारी ने उठाई।

दुष्कर्म के मामलों में भी सख्त रवैया- हरिंदर बताती हैं कि अब उम्र के साथ कम ही केस लेती हैं, लेकिन एक समय था जब आपराधिक मामलों में जल्द न्याय दिलाना उद्देश्य था। बहेड़ी के एक मामले में बेहद गरीब परिवार था, जिनके घर की दीवार इतनी छोटी थी कि बेटी को दबंग जब चाहते उठा ले जाते थे। और दुष्कर्म के बाद वापस घर में फेंक जाते थे। गरीबी इतनी कि पीड़िता की मां थोड़े से चावल को पतीला भर के बच्चों को भ्रमित करती थी। गरीबों की शिकायत पर पुलिस भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी, इस पर पीड़िता की मां से भेंट होने के बाद केस का जिम्मा नि:शुल्क उठाया। तीन-चार साल में पीड़िता को इंसाफ दिलाया। एक अन्य मामले में चार साल की बच्ची से खेलने के दौरान एक व्यक्ति ने दुष्कर्म किया था। जिसमें बच्ची की हालत नाजुक थी। इस मामले में भी तीन साल के भीतर इंसाफ दिलाया।

केवल एक केस का रहा मन में मलाल

हरिंदर बताती हैं कि उन्हें अपने जीवन में एक केस लेने का मलाल है। जिसमें दिल्ली की रहने वाली लड़की ने दहेज हत्या का मामला अपने पति के खिलाफ लगाया। लड़की 20 प्रतिशत जली थी। बाद में पता चला की लड़की एक एथलीट थी, यहां रहने से उसका करियर खत्म हो रहा था, इसलिए गलती से जलने के बाद उसने पति व ससुराल वालों पर मुकदमा लिखा दिया। सच्चाई पता चलने पर मलाल हुआ, लेकिन फिर लड़के व लड़की में कोर्ट में समझौता कराया। इसके बाद लड़का व लड़की अपनी मर्जी से अलग हुए। लड़के ने कहीं और शादी की, जिसकी कोर्ट मैरिज भी मैंने ही कराई थी।

एक लोकप्रिय नेता के विरुद्ध लड़ रही हैं केस

हरिंदर ने बताया कि शहर के एक लोकप्रिय नेता के विरुद्ध वर्तमान में एक केस जारी है। जिसमें एक महिला द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पूर्व में भी महिला के संबंध रह चुके हैं। लेकिन इस मामले में महिला को इंसाफ दिलाने की कोशिश है।

महिला सशक्तिकरण को लेकर हैं सक्रिय

2002 परामर्श केंद्र की स्थापना हुई। यहां पर सक्रिय काउंसलिंग, नारी निकेतन, मेंटल हास्पिटल, प्रि लिटिगेशन, सेक्सुअल हैरासमेंट की आंतरिक समितियों को ट्रेनिंग आदि मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। यूपी डायल 112 की लीगल वुमेन एंड चिल्ड्रन वेलफेयर, लोक अदालत, पैरालीगल वालंटियर, एलएलबी के इंटर्नशिप की क्लास लेना, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और विधिक महिला आयोग से संबंधित मामलों में सहयोग करती हैं।

खाना खजाना

साबूदाने की केसरिया खीर

साबुदाने से बनी केसरिया खीर की रेसिपी को आप किसी भी व्रत और त्यौहार पर बनाकर परिवार को खिलाएं आप सभी को इसका स्वाद बेहद पसंद आएगा।

सामग्री

- साबूदाना-कप (100 ग्राम)
- दूध-1 लीटर
- चीनी- कप (75 ग्राम)
- काजू - 10-12
- बादाम - 10-12
- किशमिश - 2 छोटी चम्मच
- केसर के धागे - 15-20
- इलायची - 5-6
- पिस्ते - 15-20

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर, लखनऊ

बनाने की विधि सबसे पहले आप साबूदाना को अच्छे से धोकर 1 घंटे के लिए साफ पानी में भीगो कर रख दीजिए। इसके बाद 1 घंटे बाद साबूदाना से अतिरिक्त पानी हटा दीजिए भीगा हुआ साबूदाना तैयार है।

अब बादाम को पतला काट लीजिए, काजू को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। पिस्ता बारीक पतला-पतला काट कर तैयार कर लीजिए। इलायची को छीलकर इसके बीजों का पाउडर बना लीजिए। केसर के धागों में थोडा.सा दूध डाल कर रख दीजिए, इससे केसर अपना रंग छोड़ देता है।

खीर बनाने के लिए, एक बड़े बर्तन में 1 लीटर दूध गैस पर गरम होने के लिए रख दीजिए। दूध में उबाल आने पर इसमें भीगा हुआ साबूदाना डाल दीजिए। तेज आंच पर लगातार चलाते हुए जब तक इसमें उबाल न आ जाए इसे चलाते हुए पकाएं। इसके बाद दूध में उबाल आने पर, इसमें किशमिश डाल दीजिए और थोड़े से बादाम, काजू और केसर वाला दूध भी डाल दीजिए और मिक्स कर दीजिए। दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक पकाएं। खीर को बीच-बीच में चलाते भी रहें ताकि वह बर्तन के तले पर न लग पाए। खीर गाढ़ी होकर तैयार है, इसमें चीनी और इलायची पाउडर डाल कर अच्छे से मिक्स कर दीजिए। खीर को 1-2 मिनिट और पकने दीजिए।

खीर बनकर तैयार है, गैस बंद कर दीजिए और खीर को हल्का ठंडा होने दीजिए। खीर के हल्का ठंडा होने पर इसे प्याले में निकाल लीजिए। खीर को बादाम, पिस्ते से गार्निश कीजिए।

स्वादिष्ट केसरिया साबूदाना खीर बनकर तैयार है। आपका जब भी मन करे आप खीर बनाएं और इसके स्वाद का मजा लीजिए।

सुझाव- कभी -कभी साबूदाना से दूध फट भी जाता है, ऐसे में दूध को फटने से बचाने के लिए जब दूध में साबूदाना डालें तो दूध को लगातार चलाते हुए उबाल आने तक पकाएं।

साबूदाना खीर को हर 1-2 मिनिट में अच्छे से चलाते रहें और चमचे को बर्तन के तले तक ले जाते हुए खीर को चलाएं ताकि यह बरतन के तले पर न लग पाए।

चौंकिए नहीं... ये कान्वेंट नहीं सरकारी स्कूल है

- प्रभारी प्रधानाध्यापिका रूचि शर्मा ने दो साल में बदली नवाबगंज के पीतांबरपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय की तस्वीर।
- साहित्य, बाल संस्करण समेत अन्य पुस्तकों से भरी है लाइब्रेरी।
- स्कूल की विज्ञान प्रयोगशाला में छात्र बना रहे मॉडल।

अंकित चौहान, बरेली

जज्बा हो तो किसी की भी तस्वीर बदली जा सकती है। इसे सार्थक करने में तमाम गुरुओं ने मिसाल पेश की हैं। इन्ही में एक हैं रुचि शर्मा। उनके प्रयास से विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षा की उजियारा फैला है। रुचि शर्मा नवाबगंज ब्लॉक के गांव पीतांबरपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में बतौर प्रभारी प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं।वर्ष 2022 तक ये सरकारी स्कूल की हालत जर्जर थी, लेकिन उन्होंने इसके कायाकल्प का बीड़ा उठाया, जगह-जगह जाकर समाज सेवियों से मदद ली, निजी खर्च से स्कूल में रंगरोगन, लाइब्रेरी, विज्ञान लैब, हर्बल गार्डन के साथ ही अन्य कार्य कराए। नतीजा ये है कि आज जो भी कोई इस विद्यालय के बाहर से गुजरता है उसके कदम रुक जाते हैं जेहन में एक ही सवाल आता है क्या है कान्वेंट स्कूल है।

50 फीसदी छात्र संख्या में हुआ इजाफा

रुचि शर्मा बताती हैं कि स्कूल की हालत जर्जर होने के चलते बच्चों का स्कूल में प्रवेश लेने में कम रूझान था लेकिन जैसे-जैसे स्कूल की सूरत बदलने लगी तो बच्चों का रूझान भी बढ़ा। वर्ष 2022 तक यहां कुल 35 बच्चे पंजीकृत थे लेकिन अब ये संख्या बढ़कर 60 तक पहुंच गई है। हैरत की बात ये है कि अन्य ग्राम पंचायत से भी बच्चे यहां प्रवेश लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

बच्चों ने कई प्रतियोगिताओं में बढ़ाया मान

वर्ष 2023 में बेसिक शिक्षा विभाग और प्रशासन की ओर से आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी समेत अन्य कई प्रतियोगिताओं में भी पीतांबरपुर के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। विज्ञान प्रदर्शनी की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में पीतांबरपुर स्कूल के बच्चों ने शीर्षस्थ स्थान अर्जित कर विद्यालय का मान भी बढ़ाया। वहीं आगामी वर्षों में भी ये प्रयास इस प्रकार से ही जारी रहेंगे।

कई संस्मरणों से लैस लाइब्रेरी, साइंस लैब में मानव संरचना का बच्चे ले रहे ज्ञान

विद्यालय में हर कक्षा के बच्चों के लिए लाइब्रेरी भी स्थापित कराई कई हैं जिसमें अलग-अलग समय पर बच्चे अध्ययन कर रहे हैं यहां लाइब्रेरी में बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए साहित्य, इतिहास, कहानियां, बाल संस्मरण समेत उनके पाठ्यक्रम से जुड़ी तमाम पुस्तकें मौजूद हैं। इतना हीं नही बच्चों को विज्ञान के पटल पर भी सशक्त बनाने के लिए यहां साइंस लैब भी स्थापित की गई है जिसमें मानव संरचना से जुड़े उत्सर्जन तंत्र, श्वसन तंत्र समेत सोलर ऊर्जा से जुड़े मॉडल भी रखे हुए हैं।

संवर सकता है भविष्य, बस जरुरत है एक प्रयास की

रूचि शर्मा का कहना है कि अगर आपको सरकारी पद मिला है तो बस जरुरत है इस पद के अनुरुप प्रयासरत रहने की। उन्होने बस बच्चों के भविष्य संवारने का जज्बा जहन में लेकर कुछ प्रयास किए। लेकिन आज पीतांबरपुर कंपोजिट विद्यालय अन्य के लिए किसी नजीर से कम नहीं है।

युवा वैज्ञानिक सोच... हेलमेट में एयरबैग बचाएगा जान

- वाटर ट्रेन बनाकर कायम की मिसाल।
- गोपाल ने पांच साल की कड़ी मेहनत से पाई सफलता।

विज्ञान में चमत्कार होता है यह काफी हद तक सही है, इसी को सही साबित करने के लिए युवा वैज्ञानिक सोच भी तेजी से बढ़ रही है। विज्ञान के प्रति बचपन से ललक थी, उसी ललक को मिशन बनाकर बरेली के युवा व बाल विद्यार्थियों ने विद्यालयों अपनी जेब से पैसे खर्च कर विज्ञान के क्षेत्र में अलग-अलग प्रयोग कर अनोखी चीजें बनाई हैं। किसी युवा ने ट्रेन का मॉडल तो किसी ने हेलमेट में एयरबैग जान बचाने से संबंधित उपकरण बनाए हैं। सतत विकास पर आधारित आधुनिक उपकरणों का निर्माण भी किफायत के साथ किया है। छात्रों का उद्देश्य विज्ञान के उपकरणों को आसानी से लोगों तक पहुंचाना है।

-फीचर डेस्क

इंडियन वाटर ट्रेन मॉडल किया तैयार, जल्द कराएंगे पेटेंट

इज्जतनगर के परतापुर चौधरी स्थित अपनी लैब में गोपाल ने पांच साल की कड़ी मेहनत के बाद इंडियन वाटर ट्रेन (आईडब्ल्यूटी) का मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल ट्रेन की खासियत है कि यह पानी से बिजली बनाकर स्वत: संचालित की जा सकती है। तीन साल से स्नातक की तीन छात्राएं लाएबा, यासमीन और काशिफा भी गोपाल के इस प्रोजेक्ट में सहयोग दे रही हैं।

गोपाल ने बताया कि यह ट्रेन मॉडल पर्यावरण अनुकूल तकनीक पर आधारित है। अप्रैल में इसका सफल परीक्षण पूरा हुआ है। यह ट्रेन मॉडल इंडियन लोकोमोटिव का लघु संस्करण है, जो केवल 250 मिली लीटर पानी में 50 मीटर की दूरी तय करती है। यह प्रयास न केवल विज्ञान और नवाचार की दिशा में एक मील का पत्थर है, बल्कि मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत व सतत विकास जैसे अभियानों को भी मजबूती प्रदान करता है। टीम का दावा है कि यह ट्रेन मॉडल रेलवे के बड़े इंजन जैसे कि डब्ल्यूएपी 1 और डब्ल्यूएपी 2 को भी पानी से संचालित करने की क्षमता रखता है। इससे रेलवे के भारी-भरकम बजट में भी बचत हो सकती है। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं कम कीमतों पर मिल सकेंगी। इस नवाचार के पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

काम आसान करने को किया रसोई साथी मशीन का मॉडल तैयार

बरेली में आलमपुर जाफराबाद के उच्च प्राथमिक विद्यालय पथरा के छात्र राजेश के आइडिया का चयन इस वर्ष जिला स्तर पर हुआ है। अपनी मां के काम को आसान करने के लिए रसोई साथी मशीन बनाई। जिसके द्वारा एक साथ बहुत सारे कार्य किये जा सकते हैं जैसे रोटी बेलना, सब्जी काटना, फलों का जूस निकलना आदि। राजेश के अनुसार मां को रोजाना रसोई में घंटो तक कार्य करने से आराम नहीं कर पाती। यदि ये मॉडल साकार होता है, तो इससे मां को आराम दिलाने की राजेश की मंशा है।

साइकिल बोट बनाकर नदी पर चलाएंगे साइकिल

बरेली के सुभाष नगर के उच्च प्राथमिक विद्यालय आदर्श के छात्र मानव ने नदी के पास रहने वाले छात्रों व ग्रामीणों की समस्या पर एक मॉडल साइकिल बोट तैयार की। राजेश के अनुसार इसका इस्तेमाल बारिश के दिनों में ऐसे गांव व इलाके में किया जाता है जहां पर पानी भर जाता है। जहां साइकिल बोर्ड को पानी में भी पेंडल मार कर आसानी से चलाया जा सकता है। यह साइकिल बोट साधारण रास्ते पर भी चल सकती है। राजेश के मॉडल का चयन 2023-24 सत्र में इंस्पायर अवार्ड के लिए विज्ञान के क्षेत्र में अनोखे विचारों के लिए दिया गया।

हेलमेट विद सेफ बैक से गंभीर चोटों से बचेंगे दोपहिया वाहन चालक

पिछले वर्ष सत्र 2024-25 में इसी विद्यालय की छात्रा पायल ने हेलमेट विद सेफ बैक का आविष्कार किया। पायल के दिमाग में हमेशा दो पहिया वाहन चलाने वालों के लिए सुरक्षा कवच साबित हो सकता है। पायल के अनुसार बाइक सवार व्यक्ति के साथ यदि अचानक दुर्घटना हो जाने पर हेलमेट में लगा एयरबैग खुल जाता है, इससे कंधे गर्दन व रीड की हड्डी जैसे नाजुक हिस्सों में होने वाली दुर्घटना से बचा जा सकता है। दो छात्रों की अध्यापिका सीमा कश्यप बच्चों के मॉडल में उनके आइडिया को आकार देने में अपनी भूमिका निभाई।

बिना हाथों के इस्तेमाल के होंगे शौचालय साफ

वहीं विद्यालयों व सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई नहीं होने की समस्या को देखते हुए पथरा के उच्च प्राथमिक विद्यालय के ही छात्र जसवीर ने टॉयलेट क्लीनिंग मशीन का मॉडल तैयार किया। जो स्वच्छ भारत के साथ स्वच्छ शौचालय भी सार्वजनिक टॉयलेट्स को आसानी से साफ स्वच्छ रखने का तरीका ढूं ढा। जसवीर के द्वारा बनाई गई मशीन बिना हाथों को गंदा किया टॉयलेट्स को सुगमता से स्वच्छ किया जा सकता है। इस मॉडल की प्रदर्शनी आने वाले दिनों में विज्ञान प्रदर्शनी में भेजने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज के घर पर चला प्रशासन का बुलडोजर

बलरामपुर, अमृत विचार : धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज का घर भी शनिवार को प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया है। प्रशासन का कहना है कि यह घर भी सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाया गया था। छांगुर के भतीजे सबरोज पर भी धर्मांतरण के खेल में शामिल होने का आरोप है। छांगुर के साथ-साथ सबरोज को भी एटीएस ने गिरफ्तार किया है।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 6 की मौत

सहारनपुर, एजेंसी : सहारनपुर में शुक्रवार रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (देहात) सागर जैन ने बताया कि शुक्रवार देर रात नकुड थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार एक कार सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। दूसरी घटना सरसावा थानाक्षेत्र के उत्तराखंड-पंचकुला राजमार्ग पर हुई। दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए।

शाहजहांपुर में धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

प्रार्थना सभा की आड़ में निर्धन और अशिक्षित लोगों का किया जा रहा था ब्रेन वाश

संवाददाता, शाहजहांपुर/सिंधौली

- **तमिलनाडु और मुंबई की संस्थाओं से 25 लाख से अधिक की फंडिंग के मिले साक्ष्य**

अमृत विचार : सिंधौली पुलिस ने धर्मांतरण कराने वाले सक्रिय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक महिला और एक युवक स्थानीय है, जबकि तीसरा तमिलनाडु का रहने वाला है। यह गिरोह हर रविवार को कस्बे में प्रार्थना सभा के नाम पर लोगों का ब्रेनवॉश कर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर करता था। इस कार्य में उन्हें लाखों रुपये की फंडिंग देश के अलग-अलग राज्यों से प्राप्त हो रही थी।

सिंधौली थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। इसमें इनकी ओर से धर्म परिवर्तन का खेल किए जाने की आशंका जताई गई थी। विवेचना में यह खुलासा हुआ कि मुख्य अभियुक्त किरन जोसुआ, निवासी सिंधौली, उसका पति पास्टर जोसुआ मूल निवासी कोयंबटूर (तमिलनाडु) और उनका साथी असनीत कुमार राठौर निवासी राघवपुर, निगोही मिलकर प्रार्थना सभाएं आयोजित करते थे। इनमें सीधे-सादे, निर्धन व अशिक्षित लोगों को मानसिक, शारीरिक रोगों के इलाज, संतान प्राप्ति व आर्थिक मदद का प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जाता था। पूछताछ में पता चला कि गिरोह के पास बाइबल और अन्य ईसाई साहित्य की भरमार थी, जिसका उपयोग कर वे लोगों का माइंडवॉश करते थे।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

जोसुआ के बैंक खातों में तमिलनाडु, मुंबई और गाजियाबाद की संस्थाओं से 25,75,642.99 रुपये की विदेशी फंडिंग के प्रमाण मिले हैं। इनमें जीसस रिडिमस मिशनरी तमिलनाडु का नाम प्रमुख है, जिसने पहले ही 4 करोड़ 60 लाख का ओपनिंग बैलेंस दर्ज कराया था। फंड होल्ड कर इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार तीनों अभियुक्त पहले थाना सदर बाजार क्षेत्र के चिनौर कस्बे में रहकर प्रार्थना सभा कर धर्मांतरण करा चुके हैं। जून 2024 से इन्होंने सिंधौली में मकान लेकर यही गतिविधियां शुरू कर दी थीं। आसपास के लोगों और पीड़ितों ने इनके खिलाफ बयान भी दिए हैं।

> सिंधौली थाना में धर्म परिवर्तन का एक मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दवाब बनाते थे और प्रलोभन देते थे। जांच में पाया गया कि एक खाता 4 .60 करोड़ का खोला गया था। 25 लाख से अधिक की फंडिंग की गई है। यह कहां से की गई है, इसकी विवेचना की जा रही है। इसका शीघ्र राजफाश किया जाएगा।
>
> **-राजेश द्विवेदी**, एसपी, शाहजहांपुर

कांवड़ खंडित होने पर भड़के कांवड़िये, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : हरिद्वार से कांवड़ लेकर जा रहे जत्थे को बाइक की टक्कर से कांवड़ के खंडित होने के बाद कांवड़िये भड़क गए।

नाराज कांवड़ियों ने सिविल लाइन थाने के सामने जाम लगा दिया, इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। हंगामे के दौरान कुछ पुलिसकर्मी एक कांवड़िये को लेकर जल लेने के लिए हरिद्वार के लिए रवाना हुए। साढ़े तीन घंटे तक हंगामा चलता रहा। एसपी विद्या सागर मिश्र, एएसपी अतुल कुमार श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर कांवड़ियों को शांत कराया। मीरगंज के नागपुरा के रहने वाले आयुष और शिवम अपने जत्थे में शामिल करीब 47 लोगों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर हरिद्वार जल लेने गए थे। सभी कांवड़िये जल लेकर वापस हो रहे थे। इस दौरान शाम चार बजे शिवम और आयुष का जत्था कांवड़ लेकर मिलक की ओर बढ़ रहा था। फोटो चुंगी के पास बाइक सवार ने दोनों कांवड़ियों को टक्कर मार दी।

देह व्यापार में लिप्त 10 युवतियों सहित 16 लोग गिरफ्तार

कुशीनगर, एजेंसी : जिले में पुलिस ने देह व्यापार से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो होटलों से 10 युवतियों सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि 'पर्ल' होटल और उत्सव मैरेज लान से इन लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि होटल संचालक नवीन सिंह सुविधाएं मुहैया कराने के लिए ग्राहकों से पैसे लेता था और पुलिस की सूचना देने के लिए होटल में कर्मचारी भी तैनात किया हुआ था।

उन्होंने बताया कि नवीन सिंह और सीपीएन राव इस संगठित नेटवर्क को चला रहे थे तथा इन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं और अनैतिक व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

पब्लिक नोटिस

मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विजय पाल कश्यप पुत्र श्री राम भरोसे लाल निवासी 231 कानून गोयान भूड़ बरेली के है वह एक किता मकान नं. 231 रकवा 101.27 वर्गमी. मोहल्ला ब्रहमपुरा तहसील व जिला बरेली में स्थित है को खरीदने के उपरांत मेरे मुवक्किल से ऋण ले रहे है। उपरोक्त जगह का एक किता इकरारनामा दिनांक 04.08.1999 बही नं. 1 जिल्द 998 पेज 53 से 82 दस्तावेज नं 4812 जो कि बुद्धसेन के द्वारा विजय पाल कश्यप के हक में निष्पादित किया गया था कही खो गया है काफी ढूँढने पर भी नही मिला है। उक्त की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गयी है। इस इकरारनामे के खोने के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर समस्त दस्तावेजों के साथ मेरे या पी. एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है उक्त काल में कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो यह मानते हुये कि इस विषय में कोई आपत्ति किसी व्यक्ति को नही है उक्त ऋण विजय पाल कश्यप पुत्र श्री राम भरोसे लाल निवासी 231 कानून गोयान भूड बरेली को प्रदान कर दिया जायेगा।

सुशान्त सक्सेना एडवोकेट
पैनल एडवोकेट
पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली
बगिया चैम्बर नं. 1, निकट पोस्ट आफिस
सिविल कोर्ट कम्पाउण्ड, बरेली।
मो. नं. 9837205613

ठेकेदार ने दो करीगरों की चाकू से गोदकर की हत्या

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कटघर थाना क्षेत्र के गुलाबबाड़ी में शुक्रवार देर रात शराब पीने के बाद रुपयों के विवाद में ठेकेदार ने दो शीट कटिंग करीगरों की चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

थाना गलशहीद क्षेत्र के असातलपुरा निवासी शाहनवाज उर्फ बबलू और जुनैद शीट कटिंग करते थे। कुछ माह पहले मोहल्ले का ही शारिक दोनों को शीट कटिंग कराने के लिए दिल्ली ले गया था। एक माह पहले दोनों काम करके लौट आए। दोनों के शारिक पर 45 हजार रुपये मजदूरी के निकल रहे थे। दोनों ने रुपये मांगे तो ठेकेदार ने दिल्ली से रुपये नहीं मिलने की बात कही। पैसों को लेकर उनमें विवाद होता था। शुक्रवार देर रात शारिक ठेकेदार शाहनवाज को रुपये देने की बात कह घर से ले गया। दोनों ने जुनैद को भी साथ ले लिया। तीनों ने कटघर क्षेत्र के गुलाबबाड़ी चुंगी स्थित शराब की दुकान पर शराब पी। इसी बीच दोनों ने रुपये मांगे तो ठेकेदार ने चाकू से शाहनवाज और जुनैद पर कई वार किए। शाहनवाज की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जुनैद की जिला अस्पताल में देर रात मौत हो गई। शाहनवाज के भाई फईम की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

जुनैद।

शाहनवाज।

पति-पत्नी की छीना-झपटी में गोद से गिरा बच्चा, मौत

कानपुर, अमृत विचार : सेन पश्चिम पारा में दंपती के बीच विवाद व छीना-झपटी में दो वर्षीय बच्चे की गोद से गिरकर मौत हो गई।

आरोप है कि महिला बच्चे को लेकर मायके जाने की जिद कर रही थी। वहीं बच्चे के मामा ने आरोप लगाया कि भांजे के दिल में छेद था। जिसका इलाज कराने में बहनोई लापरवाही बरत रहे थे। इलाज के लिए बहन ने दबाव बनाया तो मारपीट कर बच्चों को पटक दिया। पटकने के बाद बहन इलाज के लिए कहती रही तो बहनोई ने आठ घंटे तक कमरे का दरवाजा बंद रखा। अगर समय से इलाज मिल जाता तो भांजे की जान बच सकती थी। बच्चे की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में लिया है। सेन पश्चिम पारा के सिद्धार्थनगर मोहल्ला निवासी मनोज उर्फ मयंक सैनी सीसीटीवी कैमरे का काम करते हैं। उसके पिता रामबाबू ने बताया तीन साल पहले बेटे की शादी नौबस्ता की दीक्षा से हुई थी। उनके एकलौती संतान दो वर्षीय स्वास्तिक था।

छात्रा की गला दबाकर हत्या

खीरी। थाना खीरी क्षेत्र में शारदा नहर के किनारे शुक्रवार को एक छात्रा का शव बरामद हुआ जो दिन से लापता थी। शनिवार को डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचनाः ओटी-05-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-05-2025, कार्य का विवरणः गोरखपुर स्टेशन के पुर्नविकास के तहत नई निर्माण की गई लाउण्ड्री के लिये नई वाशिंग पिट के पास 11 केवी पावर सप्लाई व्यवस्था का प्रावधान और 250 केवीए, 11/0.4 केवी ट्रांसफार्मर को सीटीसी से अन्य स्थान पर स्थानान्तरित करने के साथ अन्य सम्बद्ध विद्युतीय कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 1,32,12,717.56, बयाना राशिः ₹ 2,16,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 60 दिन, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समयः 18-08-2025 को 15:00 बजे।

नोटः • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-102 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना सं0 36/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं।, **क्र.सं.**1-, **कार्य का विवरण** : भोजीपुरा टी.आर.डी. डिपो में कंटीले तारों से बनी बाउन्ड्री वॉल, दो स्टोर रुम, दो जीप/ट्रक शेड एवं मॉडल ओ.एच.ई. का प्रावधान।, **अनुमानित लागत रूपयों में** : ₹ 39,25,736.07, **बयाना राशि रूपयों में** : ₹ 78,500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 माह, **क्र.सं.**2-, **कार्य का विवरण** : विविध टेलीकॉम वर्क-स्टैंडवाय मास्टर टेलीफोन, इज्जतनगर डिवीजन में पोटा हट के स्थान पर भोजीपुरा, देवरनियाँ, बहेड़ी, किच्छा एवं पंतनगर स्टेशनों पर ओ.एफ.सी. मीडिया एवं एस. & टी. सर्विस बिल्डिंग को मजबूत करना।, **अनुमानित लागत रूपयों में** : ₹ 39,53,829.09, **बयाना राशि रूपयों में** : ₹ 79,100.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 माह, **क्र.सं.**3-, **कार्य का विवरण** : इज्जतनगर डिवीजन में कानपुर अनवरगंज-मथुरा अनुभाग के अन्तर्गत बल्लूपुर, भटासा, हाथरस रोड, यकूतगंज, खुदलापुर, सिंघीरामपुर, कन्नौज सिटी हाल्ट स्टेशनों पर (कुल 07 नग) रेल लेवल प्लेटफार्म को हाई लेवल प्लेटफार्म तक बढ़ाने का कार्य। (कानपुर अनवरगंज-मथुरा एवं लालकुऑ-कासगंज अनुभाग में 11 हाल्ट स्टेशनों पर रेल लेवल प्लेटफार्म को हाई लेवल प्लेटफार्म तक बढ़ाने का कार्य स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत), **अनुमानित लागत रूपयों में** : ₹ 7,60,18,616.34, **बयाना राशि रूपयों में** : ₹ 5,30,100.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 माह, **क्र.सं.**4-, **कार्य का विवरण** : पीलीभीत, फर्रूखाबाद एवं कासगंज स्टेशनों पर प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रीन बेल्ट का प्रावधान। (काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, पीलीभीत, फर्रूखाबाद एवं कासगंज स्टेशनों पर स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रीन बेल्ट का प्रावधान।), **अनुमानित लागत रूपयों में** : ₹ 1,38,99,760.21, **बयाना राशि रूपयों में** : ₹ 2,19,500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 08 माह, **नोट**-1. क्रम सं. 1 व 2 की ई-निविदा दिनांक 18.08.2025 को 15:00 बजे तक ऑन लाइन जमा कर सकेंगे।, **2**-क्रम सं. 3 एवं 4 की ई-निविदा दिनांक 22.08.2025 को 15:00 बजे तक ऑन लाइन जमा कर सकेंगे।, **3**-ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्ल्यू-183 **इज्जतनगर**

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

देहरादून और बरेली सहित कई राज्यों की युवतियों का ब्रेन वाश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **बरेली की युवती का धर्मांतरण कराकर थी दुबई भेजने की तैयारी**

अमृत विचार : हिंदू युवतियों पर धर्मांतरण का काला साया मंडरा रहा है। जिहाद के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट काम कर रहा है। पाकिस्तान से दीनी शिक्षा की ऑनलाइल क्लास दी जा रही है तो दुबई से फंडिंग हो रही है। देहरादून और बरेली सहित कई राज्यों की युवतियों को जाल में फंसाने का हर पैंतरा आजमाया जा रहा है। देहरादून और बरेली की दो ऐसी पीड़ित युवतियों की काउंसिलिंग में सनसनीखेज खुलासे हुए हैं।

खुलासे के बाद आगरा में गिरफ्तार 6 आरोपियों को देहरादून लाया जाएगा तो दुबई निवासी दो आरोपियों की तलाश है। एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने शनिवार को बताया कि, देहरादून निवासी युवती (मरियम) का इस गैंग ने धर्मांतरण के लिए करीब-करीब ब्रेन वाश कर दिया था लेकिन एन वक्त पर यह युवती पीछे हट गई थी। इस मामले में थाना रानीपोखरी पर उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम बनाम अब्दुर रहमान आदि पंजीकृत हुआ था, जिसका बाद में आगरा पुलिस ने भी खुलासा किया। बरेली की एक युवती का धर्मांतरण कराकर थी दुबई भेजने की तैयारी थी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा प्रथम तल एस0आर0पी0 काम्पलेक्स कर्मचारी नगर मिनीबाईपास रोड, इलाहाबाद बैंक के सामने, बरेली से अतीक अहमद पुत्र श्री हाजी हबीब अहमद निवासी मोहल्ला शेखूपुर उत्तरी, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली एक किता आवासीय प्लाट आराजी तादादी 151.19 वर्गमीटर वाकै मोहल्ला शेखूपुर उत्तरी, तहसील बहेड़ी, जिला बरेली में स्थित है जिसकी चौहददी पूरब में मकान सईद अहमद, पश्चिम में रास्ता 40 फिट चौड़ा, उत्तर में दुकान व मकान खलीक अहमद व दक्षिण में मकान मो0 जाबिर है, उक्त सम्पत्ति पर मकान बनाने के लिए ऋण ले रहे है, स्वामित्व से सम्बन्धित दस्तावेज प्रस्तुत किये इसी क्रम में मेरी सम्पत्ति से सम्बन्धि पूर्व बैनामा जिसकी रजिस्ट्री उपनिबंधक बहेडी, बरेली के कार्यालय में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 7261 के पृष्ठ 281 से 306 तक क्रमांक 6278 पर दिनांक 17.07.2004 को रजिस्ट्रीकृत किया गया। उक्त सम्पत्ति की दफा 60 का पेज कही गुम हो गया है जिसके गुम होने की सूचना ई-थाना पर दिनांक 23.07.2025 को दर्ज करा दी गयी है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 7 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेंस लि0 शाखा प्रथम तल एस0आर0पी0 काम्पलेक्स कर्मचारी नगर मिनीबाईपास रोड, इलाहाबाद बैंक के सामने, बरेली के कार्यालय पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा। दिनांक: 27.07.2025

मुनीश कुमार सक्सेना (एडवोकेट)
चैम्बर नं.-27, न्यू बिल्डिंग बंगलिया
सिविल कोर्ट, बरेली
सूचीबद्ध अधिवक्ता हि. हा.फा.लि., बरेली
मो. 9997389012

कार्यालय ग्राम पंचायत राजपुर कलां, विकास खंड मझगवां (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत अंत्येष्टि स्थल विकास योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराए जाने हेतु निम्नांकित विवरण अनुसार कार्यो के लिए शासकीय विभाग में पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिदाताओं/फर्मो से उच्चकोटि की ईंट, रोड़ी, सीमेंट, बजरी, बजरफुट, रेता, सरिया, आयरन, एंगल, बालू, फ्लोर टाइल्स, इंटरलॉकिंग टाइल्स, सीमेंट के पोल, कंक्रीट, सीमेंट, लोहे की चादर, सेनेटरी कार्य, सहित निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	योजना	अनुमानित लागत
1.	ग्राम पंचायत में अंत्येष्टि स्थल निर्माण कार्य	अंत्येष्टि स्थल का विकास योजना	24.36 लाख

इच्छुक पंजीकृत सप्लायर/फर्म निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं पंजीकृत सप्लायर/फर्म मोहरबंद लिफाफे में निविदा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 30.07.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदाएं 30.07.2025 अपरान्ह 3:00 बजे खोली जाएंगी। प्राप्त निविदाओं की समीक्षा उपरांत सर्वथा कम दरों के अंतर्गत आने वाली निविदा को स्वीकृत प्रदान की जाएगी।

अतुल कुमार गुप्ता-ग्राम प्रधान **रूपराम-सचिव**

कार्यालय ग्रा.पं. हरेली अलीपुर वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

जुगेन्द्र-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. सहोलिया महोलिया वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

गुरूपाल-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. मढ़िया भगवन्तपुर वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

राजबेटी-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. रेयोना कला वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

हरिओम सिंह-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. खाता वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

नन्हीं देवी-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. भदपुरा वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

मीना देवी-प्रधान सचिव-नरेश पाल

कार्यालय ग्रा.पं. चढ़िया फैजू वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक : 01/2025-26/निविदा प्रकाशन दिनांक : 26.07.2025

कुटेशन/निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्रा. पं. की वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के अन्तर्गत 15वे केन्द्रीय वित्त आयोग, पंचम राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईडीडीएस की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खडंजा, गौशाला, आंगनबाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायतघर, सोलर, एलईडी लाईट, पशु शेड, शौचालय, सोख पिट, अंत्येष्टिस्थल, नाली, नाला, सीएससी भवन, स्कूल भवन कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, अमृत सरोवर, समरसेबल, खाद के गढ्ढों आदि का नवनिर्माण/ रखरखाव/मरम्मत, पौधरोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, ह्यूम पाइप, हैंडपंप स्थापना/रिबोर/मरम्मत, वाल पेटिंग, गौशाला संचालन कार्य व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने है। उक्त कार्य के लिय सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, टाइल्स, पाइप, टोटी, स्टेशनरी, प्रचार प्रसार सामग्री, पटान हेतु मिट्टी/राख, सेनेटाइजिंग, फागिंग कार्य, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिये कुटेशन/सीलबंद निविदाएं दिनांक 26.07.25 से दिनांक 31.07.25 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती है। जो दिनांक 31.07.25 को अपरान्ह 4 बजे पंचायत घर पर खोली जायेंगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्ययोजना आनलाईन ई ग्राम स्वराम पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

प्रज्ञा देवी-प्रधान सचिव-नरेश पाल

रेस्क्यू की गई बाघिन कानपुर रवाना

पीलीभीत। टाइगर रिजर्व मुख्यालय के सेफ हाउस में पिछले करीब 42 घंटे से पिंजड़े में कैद बाघिन को लेकर टीम शनिवार दोपहर कानपुर चिड़ियाघर के लिए रवाना हो गई।

प्राथमिक विद्यालय जादोंपुर वि.खं. भोजीपुरा (बरेली)

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक सं. एस.एस.ए./निर्माण/4634-41/2023-24 दिनांक 15.12.2023 के अनुपालन में प्रा. विद्यालय जादोंपुर के प्रांगण में स्थित जर्जर भवन की नीलामी दिनांक 29.07.2025 दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे विद्यालय प्रांगण में की जायेगी। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी न होने की स्थिति में नीलामी पुनः दिनांक 02.08.2025 दिन शनिवार को समय प्रातः 10 बजे से की जायेगी। बोली से पूर्व बोलीकर्ता को अपना आधारकार्ड व रूपये 10000/- जमानत राशि के रूप में जमा करने होंगे। बोलीकर्ता का रजिस्ट्रेशन नीलामी दिनांक को प्रातः 10 बजे से 10:30 बजे तक होगा। नीलामी की शर्ते विद्यालय पहुंचकर प्राप्त की जा सकती है।

यासीन अंसारी-अध्यक्ष **योगेन्द्र पाल सिंह-सचिव**

विद्यालय प्रवंध समिति प्राथमिक विद्यालय जादोंपुर, विकास क्षेत्र-भोजीपुरा, बरेली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, बरेली।

पत्रांक 709/ल0सिं0/रेन0वाटर हार्वेस्टिंग/ई-निविदा/2025-26 दिनांक 21.07.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 27/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, बरेली द्वारा जनपद बदायूँ में रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना के कार्य हेतु ई-टेन्डर पर पंजीकृत निविदाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से अनुमोदन की प्रत्याशा में दर प्रतिशत दर पर निम्न कार्यों हेतु ई- निविदा आमन्त्रित की जाती है।

कार्य का विवरण

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की लागत	धरोहर धनराशि रूपये में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी0 एवं स्टेश्नरी सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	क्लस्टर संख्या-13 1.प्रा0वि0 मुडिया वि0ख0 बिसौली (सा0) 2 उच्च प्रा0वि0 मुडिया वि0ख0 बिसौली (सा0)	404977.00	40500.00	150+27+500=677.00	एक माह
2.	क्लस्टर संख्या-14 1.उच्च प्रा0वि0 चन्दपुरा वि0ख0 बिसौली (अनु0जा0) 2 प्रा0वि0 रायपुरकला वि0ख0 बिसौली (अनु0जा0) 3.उच्च प्रा0 वि0 कालूपुर वि0ख0 बिसौली (अनु0जा0)	590253.00	59030.00	225+41+500=766.00	एक माह

बिड डाक्यूमेट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.07.2025 से दिनांक 04.08.2025 तक उपलब्ध रहेंगे जो कि दिनांक 29.07.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 04.08.2025 के अपरान्ह 05:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.08.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से खोली जायेगी तदोपरान्त तकनीकी बिड में पात्र निविदादाताओं की फाईनेशियल बिड अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई वृत्त, बी0डी0ए0 कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, प्रियदर्शनी नगर, बरेली के कार्यालय मे निविदा समिति द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। उक्त तिथि में अवकाश घोषित होने पर कार्यवाही अगले कार्य दिवस मे तत्समय की जायेगी निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in तथा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

UP-236290 दिनांक 23.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, बरेली।

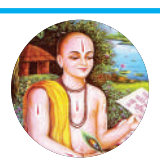

'तुलसी' काया खेत है, मनसा भयौ किसान।
पाप-पुन्य दोउ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान॥

गोस्वामी जी कहते हैं कि शरीर मानो खेत है, मन मानो किसान है। जिसमें यह किसान पाप और पुण्य रूपी दो प्रकार के बीजों को बोता है। जैसे बीज बोएगा वैसे ही इसे अंत में फल काटने को मिलेंगे। भाव यह है कि यदि मनुष्य शुभ कर्म करेगा तो उसे शुभ फल मिलेंगे और यदि पाप कर्म करेगा तो उसका फल भी बुरा ही मिलेगा।

एको रुद्र द्वितीयो नास्ति

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद चन्द्र की पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

सोम चन्द्रमा के पर्याय हैं। वे विराट ब्रह्माण्ड का मन हैं। जैसे चन्द्र कलाएं घटती बढ़ती हैं, वैसी ही हमारे मन की चंचलता है। सोम संसारी देवता हैं। ओम सूक्ष्मतम विराट का एकात्म नाद। परम ध्वनि। अस्तित्व सूक्ष्मतम से भी सूक्ष्म है और विराट से भी विराट। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं होती हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव का सोम चन्द्र प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं।

ऋग्वेद में रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। नट-राज। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है।" शिव महाकाल हैं। त्रिशूल उनका हथियार। तीन शूल दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट हैं। भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुखहारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। सोंचने से मन नहीं भरता। मैं तनाव की स्थिति में यजुर्वेद के शिव संकल्प सूक्त दोहराता हूं-"हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।" मंच, माला, माइक का त्रिशूल मेरे भीतर है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था तंयम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो।

सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां औषधियां उगती हैं खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।

सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी में सत्य परम है। सत्य शिव है। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। आस्तिकों के लिए यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद चन्द्र की पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

शिव अजन्मा हैं। उनका न जन्म हुआ और न ही मृत्यु। वे अजर अमर भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत् को व्याप्त किया है।" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। देवों के देव महादेव नमस्कारों के योग्य हैं।

पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांयी आंख में ही काजल लगाया था, वह बाई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत् के माता पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।" हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। बहुदेव उपासना हमारी प्रकृति है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। श्रीराम गोयल ने 'विश्व की प्राचीन सभ्यताएं' (पृष्ठ 416) में शिव उपासना को आर्येतर बताया है। उन्होंने ऋग्वेद के रूद्र को भी परवर्ती शिव से भिन्न बताया है। गोयल आर्यों को भारतीय मूल का नहीं मानते थे। वे देवताओं को भी आयातित मानते थे। लेकिन ऋग्वेद की प्राचीनता से ही ऐसे आरोप निरस्त हो जाते हैं। सिंधु घाटी से प्राप्त मुद्राओं में पशुओं की बहुतायत है। शिव पशुपति हैं ही। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा है "वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।" शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त परम चेतना हैं।

डिजिटल मीडिया की क्रांति शहरों से गांवों तक

भारत में डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है। 2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 90 करोड़ को पार कर चुकी है, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। स्टेटिस्टा के अनुसार, ग्रामीण भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक हो गई है, जो 2015 की तुलना में दस गुना वृद्धि दर्शाता है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का प्रतीक है। डिजिटल मीडिया ने न केवल शहरों की चकाचौंध को बल्कि गांवों की मिट्टी को भी अपनी चपेट में लिया है, जिससे सूचना, शिक्षा और अवसरों का एक नया युग शुरू हुआ है। डिजिटल मीडिया ने सूचना के प्रसार को लोकतांत्रिक बनाया है। पहले जहां समाचार पत्र और टेलीविजन कुछ बड़े शहरों तक सीमित थे, वहीं आज यूट्यूब, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने गांवों के कोने-कोने तक सूचना पहुंचाई है। ग्रामीण भारत में लोग अब न केवल समाचार देखते हैं, बल्कि स्थानीय मुद्दों पर अपनी राय भी व्यक्त करते हैं। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव में रहने वाला किसान अब अपनी फसलों की जानकारी के लिए यूट्यूब चैनलों का सहारा लेता है, जहां उसे उन्नत खेती की तकनीकों से लेकर सरकारी योजनाओं की जानकारी मिलती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने भाषा की बाधाओं को भी तोड़ा है। हिंदी, तमिल, बंगाली और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कंटेंट ने ग्रामीण दर्शकों को जोड़ा है, जिससे सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक समावेशी हो गया है।

डॉ. शैलेश शुक्ला
लखनऊ

यह लोकतंत्रीकरण केवल सूचना तक सीमित नहीं है। डिजिटल मीडिया ने लोगों को अपनी आवाज उठाने का मंच दिया है। ट्विटर (अब एक्स) और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर ग्रामीण युवा अपनी कला, संस्कृति और समस्याओं को दुनिया के सामने ला रहे हैं।

यह लोकतंत्रीकरण केवल सूचना तक सीमित नहीं है। डिजिटल मीडिया ने लोगों को अपनी आवाज उठाने का मंच दिया है। ट्विटर (अब एक्स) और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर ग्रामीण युवा अपनी कला, संस्कृति और समस्याओं को दुनिया के सामने ला रहे हैं। डिजिटल मीडिया ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नया आयाम दिया है। ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग ने ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने का अवसर दिया है। उदाहरण के लिए, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने ग्रामीण हस्तशिल्पियों और छोटे व्यापारियों को अपने उत्पाद बेचने के लिए एक मंच प्रदान किया है। इसके अलावा, डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई ने ग्रामीण व्यापार को और आसान बनाया है। पहले जहां नकद लेन-देन और बैंकों की कमी एक बड़ी बाधा थी, वहीं अब एक स्मार्टफोन के जरिए ग्रामीण दुकानदार सीधे ग्राहकों से भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल समय बचाता है, बल्कि पारदर्शिता और वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा देता है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल मीडिया ने अभूतपूर्व परिवर्तन लाया है। ग्रामीण भारत में जहां अच्छे स्कूलों और शिक्षकों की कमी एक बड़ी समस्या थी, वहां ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स जैसे बायजूस, उडेमी और यूट्यूब ने शिक्षा को हर घर तक पहुंचाया है। डिजीटल क्रांति भारत को एक नए युग की ओर ले जा रहा है। शहरों से गांवों तक, यह लहर हर किसी को सशक्त और प्रेरित कर रही है।

वृक्ष भी मानव जैसे

वर्षा-ऋतु में भूत भावन भोलेनाथ कैलाश पर्वत से उतर कर पृथ्वी पर जब आते है तो उत्सव का माहौल बन जाता है। आकाश से मेघ बरसते हैं तो नदियां ही नहीं उछलती-कूदती है बल्कि खुशी और आनन्द के साथ आस्था भी हिलोरे लेने लगती हैं। धार्मिक उत्सवों के साथ वन-महोत्सवों का दौर शुरू हो जाता है। सूखते पेड़, बाग-बगीचों को जैसे नया जीवन मिल जाता हैं। चतुर्दिक हरियाली छा जाती है। हरियाली का आशय ही 'हरि' (पालनकर्त्ता नारायण) की सत्ता। जो पृथ्वी की सम्पन्नता का सूचक है। वनस्पति-शास्त्र का वृक्षों के आपस मे संवाद की बात वैज्ञानिक है। पेड़-पौधे मनुष्य जैसे ही नहीं बल्कि मानव-सृष्टि के विकास में इनकी अहम एवं अग्रणी भूमिका रही है।

सलिल पांडेय
वरिष्ठ लेखक

विंदु एवं नादसृष्टि-विंदु सृष्टि से मानव का जन्म तो वृक्षों के पत्तों की सनसनाहट, वृक्षों से फल गिरने पर जो आवाज हुई, उससे इशारों से काम लेने वाले आदि-मानवों ने शब्द ईजाद किए। जो विकसित होते भाषा बनी। मनुष्य के समृद्ध होने का सिलसिला चल पड़ा। अभिव्यक्ति का दौर शुरू हुआ जिसे नाद सृष्टि कहा गया। शब्दों की व्युत्पत्ति-आम के पेड़ से ढेर सारे फलों के गिरने पर 'वद वद' की आवाज को पहली बार सुना गया। इसी 'वद' को बोलने के क्रम में इस्तेमाल किया गया। यही 'विद' शब्द बना जिसका अर्थ 'जानना' हुआ। फिर शब्दों की यात्रा बढ़ती गयी और 'वद' 'विद' होते 'वर' 'वर्ण' 'वरण' 'वीर' 'बल' 'वरदान' 'बलवान' हो गए। पानी में किसी पदार्थ के गिरने, आकाश के गर्जन आदि से शब्द बनते गए जिससे नए-नए शब्दों का इजाफा होता गया। कीमती धातु की तरह शब्दों की संरचना में धातु और प्रत्यय का प्रयोग कर एवं एक 'धातु' में अलग-अलग प्रत्यय लगा कर अलग-अलग शब्द और उसके अर्थ हुए।

वृक्षों का परिवार-वृक्षों में नर-मादा फूल निकलते हैं। इनसे पराग कण लेने वाले मधुमक्खी एक वृक्ष से जब दूसरे वृक्षों पर बैठते हैं एवं बगीचों से पशुओं के पैरों (खुरों) में लगे ये पराग-कण इधर उधर जाते हैं और मिट्टी के संपर्क में आने से इनके परिवार का मनुष्यों के परिवार जैसा विस्तार होता है। मनुष्य के परिवार की तरह देश-विदेश जाने एवं बसने की तरह फल-फूल भी पैदा कहीं होते हैं और उसका उपयोग विभिन्न स्थानों पर होता है जहां इनके बीज जब फेंक दिए जाते है। अवसर तथा स्थान उपयुक्त पाकर ये उस स्थान में फलते-फूलते हैं जिसे वंशवृद्धि कहते हैं।

मणिद्वीप विंध्याचल-विंध्याचल के मणिद्वीप होने का कारण यह है कि उत्तर गङ्गा विंदु सृष्टि तो दक्षिण विंध्य पर्वत के अरण्य से अक्षर ततपश्चात शब्दों की उत्पत्ति हुई। जो मानव सभ्यता की प्रथम सीढ़ी है। इस दृष्टि से पृथ्वी के अस्तित्व में आने के साथ 'विंध्य' पर्वत की उत्पत्ति का ठोस आधार दिखाई पड़ता है।

अतः एक वृक्ष का मतलब अनन्य पुत्र की ऋषियों की घोषणा सार्थक करने के लिए वृक्षारोपण पुण्यदायी है। इस मौसम में इस कार्य में लगना भी वर्षा ऋतु का संदेश है।

लचीली होती उच्च शिक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की तैयारी की जा रही है। नए मसौदे में यह व्यवस्था की जा रही है कि विद्यार्थी अब उच्च शिक्षा को स्वेच्छा से बीच में ही कभी भी छोड़ सकेंगे। यही नहीं, छोड़ी गई शिक्षा को वे आजीवन कभी भी पूरा कर सकेंगे। ऐसी व्यवस्था किए जाने पर विचार किया जा रहा है कि विद्यार्थियों के द्वारा जिस स्तर पर उच्च शिक्षा को छोड़ा जाएगा वहां तक अर्जित किए गए क्रेडिट अंक उनके एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में जमा हो जाएंगे।

गौरतलब है कि भारत में 29 जुलाई 2020 से नई शिक्षा नीति लागू है। इस शिक्षा नीति की खासियत यह है कि इसमें शिक्षा को समावेशी, बहुआयामी एवं लचीला बनाने का प्रयास किया गया है। यूजीसी के नए दिशानिर्देशों के अनुसार सभी उच्च शिक्षण संस्थान विभिन्न पाठ्यक्रमों के संबंध में एक समान क्रेडिट फ्रेमवर्क तैयार करेंगे, ताकि कोई भी विद्यार्थी एक संस्थान से शिक्षा छोड़ने के उपरांत उसी डिग्री को किसी अन्य संस्थान से पूरा कर सके। निस्संदेह विद्यार्थियों की सुविधा की दृष्टि से यह एक अनूठा कदम है। उच्च शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर लचीलापन लागू करने से विद्यार्थी चिंता एवं तनाव से रहित होकर अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकेंगे एवं कैरियर को उन्नत दिशा देते हुए राष्ट्र के विकास में योगदान करने में सक्षम एवं समर्थ हो सकेंगे। किंतु कहीं न कहीं इस व्यवस्था का दुरुपयोग होने की संभावना भी नजर आ रही है। गौर से देखा जाए तो इस व्यवस्था में विद्यार्थी को एक सीमा से अधिक ढिलाई एवं छूट मिली हुई है। मुझे नहीं लगता कि गंभीर विद्यार्थियों को बीच में ही शिक्षा को लगाम देकर भविष्य में कभी आगे पूरा करने की आवश्यकता पड़ेगी, परिस्थितिवश कुछ मामलों में ऐसा होना एक अलग मसला है। एक बात उल्लेखनीय है कि जब उच्च शिक्षा अवधि के दायरे में बंधी होती है, तो विद्यार्थी भी अनुशासन एवं नियम की डोर से बंध जाता है एवं उसके मनमस्तिष्क में कहीं न कहीं यह विचार मौजूद रहता है कि उसे अथक परिश्रम करते हुए निर्धारित समय के अंदर पाठ्यक्रम को पूर्ण करना है। डिग्री को आजीवन कभी भी पूर्ण कर लेने की स्वतंत्रता विद्यार्थी के मन में लापरवाही की भावना को जन्म दे सकती है। नतीजा यह होगा कि जिस विद्यार्थी को कर्मठता की ओर रुख करना चाहिए, वह आलस्य की ओर कदम बढ़ा सकता है।

यूजीसी के द्वारा उठाया गया यह कदम उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से लाभप्रद होगा जिनकी शैक्षिक यात्रा में निर्धनता विशेष रूप से आने आ जाती है और इस कारण उन्हें अपनी इस यात्रा को बीच में ही विराम देना पड़ जाता है। जाहिर सी बात है कि विद्यार्थी परिस्थितियोंवश पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर हो जाता है।

शिशिर शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर

आमतौर पर विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों के क्रेडिट की वैधता अवधि पांच से दस वर्ष तक निर्धारित की गई है। किंतु नई सिफारिशों में यूजीसी के द्वारा ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि विद्यार्थी छोड़ी गई पढ़ाई को क्रेडिट की वैधता अवधि समाप्त होने के उपरांत भी आजीवन कभी भी शुरू कर सकेगा। ऐसी स्थिति में उसके क्रेडिट का पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। मसौदे के प्रारूप से स्पष्ट है कि यूजीसी की मंशा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु अधिक से अधिक प्रेरित करने की है।

यूजीसी के द्वारा उठाया गया यह कदम उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से लाभप्रद होगा जिनकी शैक्षिक यात्रा में निर्धनता विशेष रूप से आने आ जाती है और इस कारण उन्हें अपनी इस यात्रा को बीच में ही विराम देना पड़ जाता है। जाहिर सी बात है कि विद्यार्थी परिस्थितियोंवश पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर हो जाता है। नई व्यवस्थाओं के लागू होने पर विद्यार्थी इस समस्या से निजात पा जाएगा, क्योंकि यदि किसी कारणवश वह पढ़ाई को जारी रखने में असमर्थ है तो भविष्य में परिस्थितियों के अनुकूल होने पर भी वह शिक्षा को पुनः आरंभ कर सकेगा। ऐसी दशा में उसने अपने अथक परिश्रम से जो कुछ भी पहले अर्जित किया है, वह कदापि बेकार नहीं जाएगा अपितु उसकी आगे की शैक्षिक यात्रा में जुड़ जाएगा। बहरहाल उच्च शिक्षा की प्रगति हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उठाया गया यह कदम में निस्संदेह सराहनीय है।

समाज की नींव गढ़ता है शिक्षक

बच्चों से बातचीत के सेशन में जब यह सवाल पूछा गया कि मोटरसाइकिल पर जाते वक्त अगर रास्ते में शिक्षक, पुलिस और लेखपाल-ये तीनों लिफ्ट मांगें तो किसी एक में किसको बिठाओगे, तो पहले तो बच्चों ने थोड़ा सोचते हुए शिक्षक कहा। शायद इसलिए क्योंकि पूछने व्यक्ति शिक्षक था। लेकिन दुनियादारी से वाकिफ कुछ बच्चों ने मुस्कुराते हुए तुरंत जवाब दिया-पुलिस को। वजह पूछने पर किसी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उनकी मुस्कान और नजरें बहुत कुछ कह गईं।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

बच्चों को भले ही समाजशास्त्र न पढ़ाया गया हो, लेकिन उन्हें ताकत की भाषा समझ आ चुकी है। ये वही बच्चे हैं जो रोज स्कूल जाते हुए रास्ते में, और समाज में, अपने घर में कहानियों और खबरों के जरिए पुलिस की वर्दी से डरना सीखते हैं, जो जानते हैं कि लेखपाल के पास जमीन की किस्मत है और जो जानते हैं कि शिक्षक केवल पढ़ा सकता है, सिखा सकता है, लेकिन उन्हें सीधे लाभ या हानि नहीं पहुंचा सकता।

इस छोटे-से सवाल के जवाबों में हमारे समाज की प्राथमिकताएं और मूल्य व्यवस्था पूरी तरह उजागर हो जाती है। शिक्षक, जो असल में समाज की नींव गढ़ता है, आज सबसे कमजोर समझा जाता है। वो व्यक्ति जो बच्चों को सोचने की ताकत देता है, अब खुद ताकतहीन प्रतीत होता है। दूसरी ओर, वर्दीधारी पुलिस जो भय और शक्ति का प्रतीक बन चुकी है, और लेखपाल जो सरकारी व्यवस्था में 'फैसला' और 'फायदा' बांटने का माध्यम है, उन्हें पहले बिठाने की वजह यही है कि हमारे समाज में ताकत का सम्मान ज्यादा है, और नैतिकता या ज्ञान का कम।

यह चिंतन केवल बच्चों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का आइना है। जब एक बच्चा यह सोचने लगे कि किसी शिक्षक को बिठाने से कुछ नहीं मिलेगा लेकिन पुलिस को बिठाने से झंझट नहीं होगी, तो समझ लीजिए कि शिक्षक की सामाजिक हैसियत अब प्रेरणा नहीं, बल्कि सहानुभूति की मांग करने लगी है।

सवाल उठता है कि हमने कैसा समाज बनाया है, जहां जो सबसे ज्यादा देता है-वो सबसे कम माना जाता है। यह वक्त है न केवल शिक्षा व्यवस्था की, बल्कि समाज की सोच को आईना दिखाने का। जब तक शिक्षक को सिर्फ एक मजबूर सेवा प्रदाता समझा जाएगा, तब तक ज्ञान की असल ताकत और उसका सम्मान खोखला ही रहेगा।

मुक्त व्यापार समझौते से समृद्ध होगी आर्थिकी

ब्रिटेन के साथ एफटीए हो जाने से भारत की पश्चिमी देशों के साथ लोकतांत्रिक एवं आर्थिक विश्वसनीयता भी मजबूती से प्रदर्शित होगी। यह समझौता हमारी वैश्विक स्तर पर उभरती शक्ति एवं कूटनीतिक दक्षता का भी द्योतक है। इस समझौते से कारोबारी, व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियां तेजी से संचालित होने के साथ ही स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा एवं शैक्षणिक गतिविधियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

विश्व व्यापार संगठन के प्रावधानों के अंतर्गत कुछ विशिष्ट शर्तों व सीमाओं के साथ क्षेत्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने हेतु मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रावधान किया गया है। इन प्रावधानों में टैरिफ घटाने की प्रक्रिया के साथ यह भी शामिल है कि इन समझौतों से किसी तीसरे देश के साथ व्यापार पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत अधिकांशतः व्यापारिक और कारोबारी वस्तुएं शामिल होती हैं। विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्देश्य वैश्विक व्यापार को मुक्त एवं भेदभाव रहित बनाना है। भारत के कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते हो चुके हैं। ब्रिटेन के साथ होने वाला यह समझौता निश्चित रूप से दोनों देशों की आर्थिकी को गति प्रदान करेगा। इस समझौते में मुख्य रूप से चमड़ा, जूते, कपड़े और श्रम प्रधान उत्पादों के निर्यात से कर हटाने तथा ब्रिटेन से कार व व्हिस्की के आयात को सस्ता करने का प्रावधान है। भारत और ब्रिटेन का द्विपक्षीय कारोबार लगभग 58 अरब डॉलर के आसपास है, जबकि चीन और ब्रिटेन का कारोबार लगभग 132 अरब डॉलर का रहा है। यह समझौता भारत के कारोबार को बढ़ाने के साथ ही जीडीपी में स्थायी वृद्धि को प्रेरित करने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रो.एच.सी.पुरोहित
दून विश्वविद्यालय

मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद अधिकांश वस्तुओं पर ब्रिटेन के बाजार में शुल्क नहीं लगेगा, जिससे भारतीय वस्तुएं अन्य देशों की तुलना में सस्ती हो जाएंगी। भारत की तुलना में चीन का ब्रिटेन के साथ कारोबार दुगने से भी अधिक है, परंतु चीन के साथ ब्रिटेन का कोई एफटीए नहीं है। इसलिए भारत के साथ एफटीए होने के बाद ब्रिटेन के बाजार में भारतीय उत्पाद-विशेष रूप से चमड़े की वस्तुएं, ज्वैलरी, टेक्सटाइल, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक आदि-सस्ती होंगी, जिससे उनकी मांग में बढ़ोतरी होगी। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क खत्म होने से इन उत्पादों का कारोबार चीन की तुलना में अधिक होने की संभावना है। साथ ही ब्रिटेन से भी भारत को चॉकलेट, मेडिकल उपकरण, ऑटोमोबाइल, शराब व अन्य खाद्य पदार्थ कम दामों पर उपलब्ध हो पाएंगे, जिससे रोजगार सृजन एवं आर्थिकी को गति मिलेगी। भारत का जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, यूएई, सिंगापुर तथा आसियान देशों के साथ पहले से ही एफटीए के प्रावधानों के तहत कारोबारी रिश्ते हैं। भारत का इन देशों से हुए मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात में वृद्धि हुई है तथा रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। भारतीय उद्योगों को सस्ता कच्चा माल मिलने के साथ-साथ तकनीकी सहयोग भी प्राप्त हो रहा है।

मुक्त व्यापार समझौते से मुख्य रूप से घरेलू उद्योगों को निर्यात के लिए नया बाजार मिलता है, जहां वे अपनी वस्तुएं एवं सेवाएं बेच सकते हैं और इससे विदेशी मुद्रा भी अर्जित होती है। उपभोक्ताओं को भी कम मूल्य पर वस्तुओं के अधिक विकल्प उपलब्ध होते हैं तथा गुणवत्ता युक्त उत्पाद सुलभ हो पाते हैं। इससे तकनीकी ज्ञान का स्थानांतरण प्रोत्साहित होने के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार के समझौते विदेशी निवेश को आकर्षित करने, दो देशों के बीच आर्थिकी व व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ रणनीतिक और कूटनीतिक सहयोग को भी सशक्त बनाने में सहायक होते हैं।

इस समझौते से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र के उद्योगों तथा सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके लिए भारत की युवा शक्ति को समयानुसार आवश्यक कौशल से युक्त करना होगा, ताकि जनसंख्याकीय लाभांश का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त हो सके। यह उपलब्धि भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति का उदाहरण है, जिसका अर्थव्यवस्था को दीर्घगामी लाभ होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सुंदर अदाओं की ग्लैमर गुड़िया हैं
रोशनी वालिया

20 सितंबर 2001 को प्रयागराज में जन्मीं अभिनेत्री रोशनी वालिया छह साल बाद फिल्मों में धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। उनकी पिछली फिल्म साल 2019 में 'आई एम बन्नी' थी। इस बार वह अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' से बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं। उनका अलग अंदाज देखने के लिए फैंस खासे बेताब हैं। अजय देवगन स्टारर 'सन ऑफ सरदार-2' फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। यह 13 साल पहले आई 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल पार्ट है। इस फिल्म में रोशनी ने अजय देवगन की झूठी बेटी का अभिनय किया है। वह हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पूरी स्टारकास्ट के सामने अपनी छोटे से शहर से बड़े मुकाम तक पहुंचने की कहानी सुनाते हुए इतनी इमोशनल हो गई थीं, कि फफककर रो पड़ी थीं। फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के बाद रोशनी वालिया का महत्वपूर्ण रोल है। रोशनी वालिया की पहचान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस के रूप में होती रही है। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर ही उन्होंने भारत का वीर पुत्र महाराणा प्रताप में नन्ही राजकुमारी अजबदे का रोल निभाया था।

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' से बड़े पर्दे पर किया कमबैक

कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं

- रोशनी 'बालिका वधू', 'कच्ची उम्र के पक्के रिश्ते', 'देवों के देव महादेव' और 'रिंगा रिंगा रोजेस' जैसे फेमस टीवी सीरियल में नजर आई थीं। तारा-सुतारा सीरियल ने जहां उन्हें बड़ी पहचान दिलाई थी, वहीं 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की' में भी उनका काम सराहा गया था। रोशनी कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं. वह 'माय फ्रेंड गणेशा-3' और 'मछली जल की रानी है' के साथ ही स्टार कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' में भी काम किया था।

रोशनी ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

हाल में ही उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस फोटो शेयर कर इंटरनेट का पारा हाई कर दिया था। बॉथ टब में उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए थे। इनमें वह गोल्डन वर्क वाली ब्रालेट में अदाएं दिखाती नजर आई थीं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग बॉटम वियर पहन रखी थी और बालों को ओपन वेवी स्टाइल में बना रखा था। रोशनी की मां का नाम स्वीटी और पिता का नाम विपुल वालिया है। उनकी बहन का नाम नूर है। रोशनी के मुताबिक उनको आर्यन खान पर क्रश है। जब वह छोटी थीं, तो उनकी फोटो काटकर कमरे में लगाती थीं।

न्यू रिलीज

रजनीकांत
की 'कुली' हिंदी में होगी 'मजदूर'

14
अगस्त से बड़े पर्दे पर धूम मचाने को तैयार 350 करोड़ बजट वाली सुपरस्टार की 171 वीं फिल्म

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कुली' 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर धूम मचाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले कहा जा रहा है कि इसका हिंदी नाम 'मजदूर' होगा। सोशल मीडिया हैंडल पर हिंदी नाम का खुलासा किया जा चुका है। लेकिन प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि अमिताभ बच्चन की कुली फिल्म के कारण हिंदी में नाम बदलने का फैसला लिया गया है। कुली एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है, जिसमें नागार्जुन, उपेंद्र और पूजा हेगड़े जैसे सितारे भी शामिल हैं। हाल ही में जारी फिल्म के टीजर में रजनीकांत एक बंदरगाह पर खड़े दिखाई देते हैं और कुछ आक्रामक दृश्यों के बाद वीडियो सुपरस्टार की सीटी के साथ समाप्त होता है।

कुली फिल्म को आधिकारिक तौर पर सितंबर 2023 में अस्थायी शीर्षक थलाइवर-171 के तहत रजनीकांत की मुख्य अभिनेता के रूप में 171वीं फिल्म के रूप में घोषित किया गया था। बाद में फिल्म के कुली शीर्षक की घोषणा अप्रैल 2024 में की गई थी। फिल्म की शूटिंग चेन्नई, हैदराबाद, विशाखापत्तनम, जयपुर और बैंकॉक में हुई है। कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। छायांकन गिरीश गंगाधरन और संपादन फिलोमिन राज ने किया है। कुली फिल्म का बजट 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। खबरों के मुताबिक रजनीकांत ने फिल्म के लिए 150 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। निर्देशक लोकेश कनगराज भी 50 करोड़ ले रहे हैं। फिल्म के प्रिंट और प्रचार के लिए 25 करोड़ अलग से खर्च किए जा रहे हैं। इस तरह कुल बजट 375 करोड़ तक हो चुका है। इस खर्च के मुकाबले फिल्म को डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स 130 करोड़ में बेचे गए हैं, सेटेलाइट राइट्स 90 करोड़ और म्यूजिक राइट्स को 20 करोड़ में बेचा गया है। इस आंकड़े से साफ है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से अगर सिर्फ 135 करोड़ भी वसूलने में सफल रहती है तो साल 2025 की ब्लॉकबस्टर साबित होगी।

फैशन

ग्लैमर के साथ स्टाइल बढ़ा रही
लेदर ज्वेलरी

अधिकतर विदेश में पसंद की जाने वाली लेदर ज्वेलरी अब देश में भी युवाओं के बीच ग्लैमर के साथ स्टाइल का तड़का लगा रही है। इसकी आकर्षक डिजाइन जहां एथनिक लुक को नया अंदाज प्रदान करती है, वहीं लेदर ड्रेस के साथ खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। लेदर ज्वेलरी के प्रति युवाओं की बढ़ती पसंद देखकर एक्सपोर्टर अब देशी बाजार में भी बेहतर क्वालिटी के उत्पाद उतार रहे हैं। पहले टैरिफ और अब युद्ध के बीच कमजोर हो रहे विदेशी बाजार की वजह से फिलहाल लेदर ज्वेलरी काफी कम कीमत पर उपलब्ध हो रही है।

कानपुर से फ्रांस, जॉर्डन, थाईलैंड, मलेशिया व सिंगापुर जाने वाली लेदर ज्वेलरी पिछले कुछ समय से शहर के बाजार में भी युवाओं को उपलब्ध हो रही है। कई रंगों में मौजूद लेदर ज्वेलरी में इयरिंग, अंगूठी, ब्रेसलेट, नेकलेस और घड़ी जैसे आभूषण युवाओं को खास पसंद आ रहे हैं। जींस व टीशर्ट के साथ पहनी जाने वाली यह ज्वेलरी देखने में खूबसूरत और नए फैशन ट्रेंड से मैच करती हुई मिल रही है। डिजाइन की बात की जाए तो इन ज्वेलरी में पारंपरिक राजस्थानी फोर्ट आर्ट को प्राथमिकता के साथ उकेरा गया है। इसके साथ ही पुर्तगाली डिजाइन को भी जगह दी गई है। लेदर ज्वेलरी के फैशन ट्रेंड को लेकर सना इंटरनेशनल एक्जिम के एमडी डॉ. जफर नफीस ने बताया कि बीते कुछ समय से लेदर ज्वेलरी की मांग स्थानीय बाजार में बढ़ी है। इसकी बड़ी वजह युवाओं के ट्रेंड में बदलाव आना है। इसके अलावा अब सोशल मीडिया फैशन ट्रेंड सेट करने लगा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में लेदर ज्वेलरी सबसे अधिक हिट हुई है। इसका असर बाजार की मांग पर भी पड़ा है।

कानपुर से विदेश में सबसे अधिक लेदर ज्वेलरी निर्यात की जाती थी। हाल ही में युद्ध और तनाव के साथ टैरिफ विवाद से वैश्विक बाजार में बदलाव आया है। इसके चलते एक्सपोर्टर के कई ऑर्डर भी कैंसिल हुए। विदेशी ऑर्डर कैंसिल होने के बाद कारोबारियों को भी नए बाजार की तलाश करनी पड़ी। इस स्थिति में सोशल मीडिया में अचानक बढ़े ट्रेंड के चलते कारोबारियों को देश के युवाओं के रूप में एक नया बाजार मिल गया। सोशल मीडिया रील्स को एक्सपर्ट लेदर ज्वेलरी के फैशन ट्रेंड में आने की बड़ी वजह मानते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार आ रही 'बिंगो' रील्स में सबसे अधिक लेदर ज्वेलरी का इस्तेमाल हो रहा है। जिसे देखकर युवा भी उस ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। ऐसे में सोशल मीडिया रील्स तेजी से लेदर ज्वेलरी ट्रेंड को हिट कर रही है। ऐसे में नई-नई डिजाइन की मांग पूरी करना एक चैलेंज है। इसे पूरा करने के लिए लेदर ज्वेलरी निर्माताओं ने हाल ही में कई डिजाइनर हायर किए हैं।

प्रस्तुति: राजीव त्रिवेदी

एक ऐसी अभिनेत्री, जो अभिनय के साथ ही देश और समाज में भी निभाना चाहती हैं अपनी भूमिका

इंटरव्यू

मधुरिमा तुली : 'द फेस ऑफ फोकस एंड फायर'

हर यात्रा की एक शुरुआत होती है। कभी संयोग से तो कभी संकल्प से। लेकिन, जब किसी कलाकार की यात्रा जुनून और समर्पण से हो तो वह प्रेरणा बन जाती है। ऐसी ही प्रेरणादायी शख्सियत हैं अभिनेत्री मधुरिमा तुली। एक खिलाड़ी से 'मिस उत्तरांचल' और फिर हिंदी सिनेमा की चमकदार दुनिया तक का उनका सफर केवल रोशनी और शोहरत तक की कहानी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष आत्मविश्वास और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ा एक ऐसा सफर है, जो हर युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा है। 'खेलों इंडिया' में विशेष अतिथि के रूप में मुम्बई से दिल्ली शिरकत करने आयीं अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने बातचीत के दौरान न सिर्फ अपने फिल्मी सफर को साझा किया बल्कि, अपनी वास्तविक पहचान चुनौतियों, भावनाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की। मधुरिमा कलाकार के साथ-साथ एक कुशल एथलीट भी रही हैं। उनकी सोच यही तक सीमित नहीं हैं। उनके भीतर राजनीति को लेकर भी एक चेतना है वे सिर्फ रोल निभाने को नहीं, देश को दिशा देने की इच्छा भी रखती हैं। उनके साथ बातचीत के कुछ अंशः

प्रस्तुति: निशा सिंह

- *आपने फिल्मों में आने का फैसला कब और कैसे लिया ?*

यह सब एक खूबसूरत संयोग की तरह शुरू हुआ। 90 के दशक की बात है, उस समय मेरे पापा प्रवीण तुली उड़ीसा में टाटा स्टील में एजीएम के पद पर कार्यरत थे। 25 वर्षों की सफल नौकरी के बाद उन्होंने अर्ली रिटायरमेंट ले लिया और हम-सब देहरादून शिफ्ट हो गए। यही 2003 में 'मिस्टर एंड मिस उत्तरांचल' प्रतियोगिता हुई, जिसमें मैंने भाग लिया और सौभाग्य से मुझे 'मिस उत्तरांचल' का खिताब मिला। यहीं से पहली बार यह एहसास हुआ कि मेरी असली रूचि एक्टिंग, डांसिंग और माडलिंग में है। मैंने अपनी मम्मी-पापा से मुम्बई जाकर अभिनय के क्षेत्र में कदम रखने की इच्छा जताई। उन्होंने मेरे सपने को अपना बनाया और हम-सब मुम्बई शिफ्ट हो गए। मुम्बई आकर मैंने एक्टिंग कोर्स किया और यहीं से मेरी फिल्मी यात्रा की शुरुआत हुई। यह सफर आसान नहीं था, लेकिन जब जुनून सच्चा हो, तो रास्ते खुद-ब-खुद बनते जाते हैं।

जब आप किसी फिल्म या धारावाहिक के लिए रोल चुनती हैं, तो किन बातों का विशेष ध्यान रखती हैं ?

सबसे पहले मैं यह देखती हूं कि मेरा किरदार कहानी में क्या है और कितना महत्वपूर्ण है फिर स्क्रिप्ट कितनी सशक्त है, निर्देशक और प्रोड्यूसर कौन है साथ ही को-एक्टर पर भी विशेष ध्यान देती हूं।

- **आपकी पहली फिल्म और उससे जुड़ा अनुभव कैसा रहा ?**

मेरी पहली फिल्म दुर्भाग्यवश रिलीज नहीं हो पाई और यह मेरे लिए एक भावनात्मक झटका था। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। इसके बाद मुझे 'वार्निंग' फिल्म में काम करने का अवसर मिला, जिसके निर्देशक गुरूमीत और प्रोड्यूसर अनुभव सिन्हा थे। इस फिल्म के शूटिंग के दौरान हमलोगों ने खूब मस्ती की। यह फिल्म मेरे करियर का अहम मोड़ बनीं। इसके बाद मुझे 'बेबी' जैसी बड़ी फिल्म में काम करने का अवसर मिला, जिसमें मैंने अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभाई। यह फिल्म मेरे लिए एक सपने के पूरे होने जैसा था। इस फिल्म में काम करके न केवल मुझे खुशी मिली, बल्कि ऐसा लगा कि मेरी मेहनत रंग लाई।

- **क्या आपको लगता है कि फिल्में समाज को बदलने की ताकत रखती है ?**

बिल्कुल, फिल्मों में समाज को बदलने की अद्भुत ताकत होती है। आजकल 'नारी प्रधान' फिल्में बन रही है। फिल्मों ने ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया है, जिन्हें पहले यह भी नहीं पता था कि टायलेट क्या होता है, आज वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रही हैं। महिलाओं में आत्मनिर्भरता और बदलाव की जो चेतना आई है, उसमें सिनेमा की बड़ी भूमिका है।

- **सोशल मीडिया पर आपकी छवि और वास्तविक जीवन में कितना अंतर है ?**

दरअसल बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। मैं अपना सोशल मीडिया खुद हैंडल करती हूं इसलिए वहां वहीं नजर आता है जो मैं वास्तव में हूं। करियर की शुरुआत में, जब मैं काफी यंग थी, तो बिना सोचे समझे पोस्ट कर देती थी, एंजायटी से बचने के लिए अब मैं केवल अपने काम से जुड़ी बातें या अपनी यात्राओं की झलकियां ही साझा करतीं हूं। दिखावा मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है इसलिए सोशल मीडिया पर वहीं दिखाती हूं जो मैं असल में हूं।

- **अगर आपको कोई और बनने का मौका मिले तो आप क्या बनना चाहेंगी ?**

अगर मुझे कोई और बनने का मौका मिले, तो मैं बिना किसी झिझक के देश की प्रधानमंत्री बनना चाहूंगी और देश को एक नई दिशा देना चाहूंगी।

- **इंडस्ट्री में आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या थीं ?**

जब मैंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा, तो चुनौतियां हर मोड़ पर थीं और सच कहूं तो अब भी है। ये एक ऐसी यात्रा है जिसमें धैर्य, समर्पण और जुनून की परीक्षा हर दिन होती है। कई बार ऑडिशन के बाद उम्मीद बंधती थी, लेकिन आखिरी वक्त पर रोल किसी और को मिल जाता था, उस समय बहुत निराशा होती थी। मैंने खुद से वादा किया था कि मैं हार नहीं मानूंगी, लेकिन जब भी कमजोर पड़ी, मेरी फैमिली मेरा सबसे बड़ा सहारा बनी।

- **कैमरे के पीछे आप कैसी हैं, गंभीर मस्त-मौला या शरारती ?**

कैमरे के पीछे मैं एक मिक्सचर हूं, कभी गंभीर तो कभी मस्तमौला। बचपन में मैं काफी शांत थी, लेकिन अब चुलबुली हूं। जिंदगी को पूरे दिल से जीने वाली, एकदम 'चिल्ड आउट'।

- **क्या आपकी कोई गिल्टी प्लेजर फिल्म रहीं हैं ?**

हां, मेरी फिल्म 'वार्निंग' बॉक्स ऑफिस पर भले ही फ्लाप रही हो, लेकिन मुझे आज भी ये फिल्म बेहद इंटरटेनिंग लगतीं हैं इस फिल्म से मेरी कई यादें जुड़ी हैं। शूटिंग के दौरान हमलोगों ने खूब मस्ती की थीं।

- **किस अभिनेता या अभिनेत्री के साथ काम करने की ख्वाहिश है ?**

लिस्ट तो लम्बी है! लेकिन खासतौर पर अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रितिक रोशन, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर, सुष्मिता सेन जैसी दिग्गजों के साथ काम करने की ख़्वाहिश है। ये सभी अपने दमदार अभिनय और प्रेरणादायक शख्सियत के लिए जाने जाते हैं।

- **अपने फैंस से जुड़ा कोई वाकया जो आपके दिल को छू गया हो ?**

ऐसे कई वाकये है जो दिल को छू जाते हैं। कभी-कभी जब सुबह-सुबह मन थोड़ा उदास होता है और आप यूं हीं मोबाइल उठाकर देखते हैं, तो फैंस आपके लिए एक खूबसूरत पोस्ट डाल चुका होता है। उस पल जो मुस्कान चेहरे पर आती है, वो शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। ऐसे नि :स्वार्थ प्यार बहुत कम देखने को मिलता है इससे आत्मबल बढ़ता है।

- **एक्टिंग के अलावा और कौन-कौन से काम करने की इच्छा है ?**

मेरे भाई श्रीकांत ने मुम्बई में एक प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की है, मैं उसके साथ प्रोडक्शन करना चाहूंगी। इसके साथ ही अगर मौका मिलेगा तो मैं निश्चित तौर पर निर्देशन के क्षेत्र में भी किस्मत आजमाऊंगी।

- **एक युवा कलाकार होने के नाते, आप आज के युवा कलाकारों को क्या सलाह देना चाहेंगी ?**

सभी युवा कलाकारों को मैं सलाह देना चाहूंगी कि आप हमेशा अपने मकसद को याद रखें। मुश्किलें भी आएंगी, निराशा भी घेर सकती है, लेकिन यही वक्त है जब आपको अपने सपनों को थामें रहना है। अपने काम पर पूरा फोकस बनाए रखें साथ ही अपने परिवार से जुड़े रहें क्योंकि निराशा के वक्त परिवार बहुत बड़ा सहारा होता है।

इंडसइंड बैंक की निगरानी समिति का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली। आरबीआई ने इंडसइंड बैंक की निगरानी समिति का कार्यकाल एक महीने बढ़ाकर 28 अगस्त तक कर दिया है। बैंक पिछले एमडी और सीईओ सुमंत कठपालिया के इस्तीफे के बाद नए एमडी और सीईओ की तलाश में है। कठपालिया ने 29 अप्रैल को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद इस समिति का गठन किया गया। समिति का कार्यकाल 28 जुलाई, 2025 तक था।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 27 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

भारत-ब्रिटेन एफटीए से हर वर्ग को होगा लाभ

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- ब्रिटेन की संसद की मंजूरी के साथ लागू हो जाएगा व्यापार समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि ब्रिटेन के साथ इसी सप्ताह किया गया व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (भारत-ब्रिटेन सेटा) वहां की संसद की स्वीकृति के साथ ही लागू हो जाएगा और इसका फायदा उठाने के लिए देश के उद्यमियों को अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। यह एफटीए क्रांती लाने वाला है।

गोयल ने इसे भारत द्वारा किसी देश के साथ किया गया अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता बताते हुए कहा कि ब्रिटेन के साथ इस तरह के समझौते के लिए 22-23 वर्ष की कशमकश के बाद यह संभव हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व मंच पर नए आत्म विश्वास के साथ अपनी बात रखता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारत और ब्रिटेन - दोनों देशों के लिए लाभ और समृद्धि का समझौता है। भारत ने इसे अपनी शर्तों पर किया है। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में इसी सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन यात्रा में हुए भारत-ब्रिटेन सेट के महत्वपूर्ण पहलुओं की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भारत ने दूनिया

● कहा- 22 से 23 वर्ष की कशमकश के बाद संभव हुआ यह समझौता

ब्रिटेन जैसी एक विकसित और बड़ी अर्थव्यस्था वाले देश के साथ बड़े आत्मविश्वास के साथ समझौता किया है। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की उपस्थिति में गुरुवार को हुए इस समझौते से सालाना द्विपक्षीय व्यापार में 34 अरब डॉलर की वृद्धि होने की संभावना है। उम्मीद है कि 2030 तक अपसी व्यापार दो गुना हो कर 112 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 99 प्रतिशत निर्यात माल को ब्रिटेन में शून्य या बहुत रियायती दर पर वहां के बाजार में प्रवेश मिलेगा जबकि हमने डेयरी जैसे अपने संवेदनशील बाजारों में रत्ती भर भी रियायत नहीं दी है और चावल, चीनी तथा हमारे किसानों और कामगारों की दृष्टि से संवेदनशील अन्य क्षेत्रों का बचाव सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा, भारत के 95 प्रतिशत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को ब्रिटेन में मुक्त प्रवेश मिलने जा रहा है।

भारत के समुद्री खाद्य निर्यात वियतनाम, सिंगापुर से मुकाबले को तैयार

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद, भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में वियतनाम और सिंगापुर के साथ समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। यह समझौता पिछले शुल्क के कारण होने वाले नुकसानों को समाप्त करता है। मत्स्य पालन मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह समझौता भारतीय समुद्री उत्पादों को वियतनाम और सिंगापुर के प्रतिस्पर्धियों के बराबर लाता है, जो पहले से ही क्रमशः ब्रिटेन-वियतनाम मुक्त व्यापार समझौते (यूके-वीएफटीए) और ब्रिटेन-सिंगापुर मुक्त व्यापार समझौते (यूके-एसएफटीए) से लाभान्वित हैं। मंत्रालय के अनुसार, भारतीय निर्यातकों को पहले शुल्क बाधाओं का सामना करना पड़ता था, जिससे उन्हें खासकर झींगा मछली और मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य वस्तुओं सहित उच्च मूल्य वाले उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक रूप से नुकसान होता था। मंत्रालय ने आगे कहा कि इन टैरिफ को समाप्त करने से भारतीय कंपनियों को देश की पर्याप्त उत्पादन क्षमता, कुशल कार्यबल और उन्नत ट्रेसेबिलिटी सिस्टम का लाभ उठाने में मदद मिलेगी ताकि वे ब्रिटेन के समुद्री खाद्य बाजार में बड़ा हिस्सा हासिल कर सकें। यह व्यापार समझौता भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन के बाज़ार में विविधता लाकर अमेरिका और चीन जैसे पारंपरिक बाज़ारों पर अपनी निर्भरता कम करने का अवसर भी प्रदान करता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत तेजी से बढ़ रही : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत तेज़ी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, अमेरिका तेज़ी से प्रगति कर रहा है। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी दल अगस्त में भारत का दौरा करेगा। भारत और अमेरिकी के दलों ने पिछले हफ़्ते वाशिंगटन में इस समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को सितंबर-अक्टूबर तक अंतिम रूप देने की योजना बना रहे हैं। इसका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब डॉलर से 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

थाईलैंड-कंबोडिया तनाव से कानपुर का 400 करोड़ का निर्यात हो सकता प्रभावित

● मुख्य रूप से पर्यटन व चमड़े के उत्पादों का होता है निर्यात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। थाईलैंड-कंबोडिया के बीच पैदा हुए तनाव से शहर के निर्यातक संशय में हैं। शहर से थाईलैंड में सालाना लगभग 400 करोड़ का कारोबार होता है। इसी तरह कंबोडिया में सालाना 30 से 35 करोड़ के उत्पाद निर्यात होते हैं। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव लंबा खिंचता है तो सालाना लगभग 400 करोड़ का कारोबार प्रभावित हो सकता है।

शहर से थाईलैंड में सबसे अधिक लेदर गुड्स, लेदर एसेसरीज, लेदर ट्वाय, एडवेंचर स्पोर्ट्स में इस्तेमाल होने वाले सेफ्टी प्रोडक्ट व बोट एसेसरीज का निर्यात सबसे अधिक होता है। इसके अलावा शहर से सालाना 5 हजार के आस-पास पर्यटक थाईलैंड घूमने के लिए जाते हैं। दोनो देशों के बीच हाल ही में पैदा हुए तनाव से फिलहाल ऑर्डर पर कोई रुकावट नहीं आई है। पुराने ऑर्डर की सप्लाई अभी जारी है। यदि यह तनाव अधिक दिन तक चलता है तो कारोबार प्रभावित हो सकता है।

इस संबंध में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि यदि थाईलैंड और कंबोडिया में तनाव लंबा खिंचता है तो निश्चित रूप से शहर के निर्यातकों के ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं। सबसे अधिक प्रभाव थाईलैंड के साथ होने वाले कारोबार पर पड़ सकता है। हालांकि अभी कोई प्रत्यक्ष प्रभाव सामने नहीं आया है। निर्यातक हालात पर नजर रखे हैं। वहीं कंबोडिया में शहर के निर्यातकों का कोई विशेष बाजार माना नहीं जाता है।

2024-25 में भारत का थाईलैंड से 1.25 लाख करोड़ और कंबोडिया के साथ 4,175 करोड़ रुपये का हुआ था व्यापार

भारत का थाईलैंड और कंबोडिया के साथ व्यापार संतुलित है, लेकिन यह संघर्ष भारत के निर्यात और निवेश को प्रभावित कर सकता है। 2024-25 में भारत का थाईलैंड के साथ व्यापार 1.25 लाख करोड़ रुपये और कंबोडिया के साथ लगभग 4,175 करोड़ रुपये था। थाईलैंड ने अपनी 817 किलोमीटर लंबी सीमा को बंद कर दिया है और कंबोडिया ने थाईलैंड से फल, सब्जियां, बिजली और इंटरनेट सेवाओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, भारत थाईलैंड को ऑटोमोबाइल पार्ट्स, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन का निर्यात करता है। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो आपूर्ति चेन बाधित हो सकती है, जिससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। वहीं, कंबोडिया में फार्मा और कृषि क्षेत्र में भारतीय निवेश है।

किसानों को यूरिया और डीएपी के साथ नहीं बेच सकेंगे कीटनाशक

नई दिल्ली, एजेंसी

● सरकार ने उर्वरक निर्माताओं को दी चेतावनी

सरकार ने उर्वरक विनिर्माताओं को चेतावनी दी है कि यूरिया और डीएपी जैसे सब्सिडी वाले मृदा पोषक तत्व बेचते समय किसानों को कीटनाशकों, नैनो-आधारित फसल पोषक तत्वों जैसे गैर-सब्सिडी वाले उत्पादों को जबरन बेचने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत आने वाले उर्वरक विभाग ने 21 जुलाई को इस मुद्दे पर सभी उर्वरक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को एक पत्र लिखा।

पत्र में कहा गया, विभाग को पता चला कि कुछ गैर-सब्सिडी वाले उत्पाद जैसे कीटनाशक, नैनो उर्वरक, जैव-उत्तेजक और अन्य उत्पादों को यूरिया और डीएपी/एनपीके जैसे सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ जोड़कर किसानों को बेचा जा रहा है। विभाग ने कहा कि उर्वरक आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत आवश्यक वस्तुएं हैं और इसलिए, अन्य उत्पादों को सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ गलत तरीके से जोड़ना इस कानून के साथ ही उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 का भी उल्लंघन होगा।

भारत-मालदीव के बीच मत्स्य पालन का समझौता

नई दिल्ली। भारत और मालदीव ने एक मत्स्य पालन सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे मालदीव को अपनी मछली प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने और टिकाऊ तरीके से टूना मछली उद्योग को मजबूत करने में मदद मिलेगी। समझौते से भारत को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र के गहरे समुद्र में मत्स्य पालन संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान शुक्रवार को इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान दोनों देशों के बीच छह द्विपक्षीय समझौते हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत के मत्स्य विभाग और मालदीव के मत्स्य पालन एवं महासागर संसाधन मंत्रालय के बीच यह समझौता हुआ।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ी उपलब्धि होगी: अरविंद पनगढ़िया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता एक बड़ी उपलब्धि होगी और यह भारत को निवेशकों के लिए एक आकर्षक जगह बनाएगा। यह उम्मीद 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने जताई। इस सप्ताह न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक संवाद के दौरान पनगढ़िया ने कहा, वर्तमान में चल रही कई गतिविधियां बहुत रोमांचक हैं।

उन्होंने कहा कि इस समझौते के चलते देश में व्यापक उदारीकरण होगा। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा, विशेष रूप से, मैं अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का उल्लेख करना चाहता हूं, जिस पर बातचीत चल रही है। साथ ही, भारत-यूरोपीय संघ का समझौता भी है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि एक बार भारत-अमेरिका व्यापार समझौता हो जाए, तो यूरोपीय संघ के साथ भी समझौता हो जाएगा। पनगढ़िया ने कहा, इन दो व्यापार समझौतों के साथ भारत का यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ एक खुला बाजार होगा। ये दो सबसे बड़े बाजार हैं। किसी भी भावी निवेशक के लिए, यह भारत को एक बहुत ही आकर्षक स्थान बनाता है।

● न्यूयॉर्क स्थित भारतीय दूतावास में कहा-वर्तमान में कई गतिविधियां बहुत ही रोमांचक चल रहीं हैं

यह एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम होगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और शुल्कों पर सवाल के जवाब में पनगढ़िया ने कहा, जहां तक भारत का संबंध है, मुझे लगता है कि इससे संभावित रूप से बहुत कुछ अच्छा निकल सकता है, क्योंकि जब अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे, तो भारत अपने शुल्क भी कम कर देगा।

आर्थिक वृद्धि को निरंतर बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वृद्धि की रफ्तार बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय आर्थिक वृद्धि के प्रेरकों में शामिल है। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह वृद्धि चार वर्षों में सबसे धीमी थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि 9.2 प्रतिशत थी।

आर्थिक समीक्षा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। सीतारमण ने यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा, वृद्धि को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। वृद्धि सर्वोपरि है, और इसलिए यह रोजगार सृजन के तरीके से भी जुड़ा होगा। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत को प्रासंगिक बनाए रखना, नेतृत्व की स्थिति में बने रहना और अन्य देशों के साथ आगे बढ़ना भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

राष्ट्रीय

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को दिया स्पष्ट संदेश

थलसेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा

द्रास (करगिल), एजेंसी

कारगिल के द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर एक सरकारी स्कूल की छात्राओं ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को राखी बांधी। ● एजेंसी

थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किए गए हमलों ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। जनरल द्विवेदी ने यहां करगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक संदेश था और साथ ही यह भारत को गहरा जख्म देने वाले पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब भी था था।

इस बार भारत ने न केवल शोक व्यक्त किया बल्कि यह भी दिखाया कि जवाब निर्णायक होगा। सेना प्रमुख ने विजय दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुश्मन को कड़ा जवाब देना भारत के लिए अब सामान्य बात है। उन्होंने कहा, देशवासियों द्वारा दिखाए गए विश्वास और सरकार द्वारा दी गई खुली छूट के कारण भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। कोई भी ताकत जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, उसे करारा जवाब दिया जाएगा। यह भारत के लिए अब सामान्य बात है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने निर्दोषों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पाकिस्तान में नौ महत्वपूर्ण आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया। उन्होंने कहा, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाकर निर्णायक जीत हासिल की। सेना ने आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया और निर्णायक जीत हासिल करने के लिए पाकिस्तान के अन्य आक्रामक प्रयासों को विफल किया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने शांति का मौका दिया लेकिन पाकिस्तान ने कायरता दिखाई। उन्होंने कहा, आठ और नौ मई को पाकिस्तानी कार्रवाई का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। हमारी सेना की वायु रक्षा एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही जिसे कोई भी मिसाइल या ड्रोन भेद नहीं सका। जनरल द्विवेदी ने कहा, रुद्र ब्रिगेड की स्थापना की जा रही है, जिसके लिए मैंने कल मंजूरी दे दी। इसके तहत हमारे पास एक ही स्थान पर पैदल सेना, मशीनीकृत पैदल सेना, बख्तरबंद इकाइयां, तोपखाने, विशेष बल और मानव रहित हवाई इकाइयां होंगी जो साजो-सामान और युद्ध संबंधी सहायता प्रदान करेंगी। जनरल द्विवेदी ने बताया कि सेना ने एक विशेष बल 'भैरव लाइट कमांडो' इकाई का गठन किया है जो सीमा पर दुश्मन को चौंकाने के लिए हमेशा तैयार है।

हर पैदल सेना बटालियन में अब एक ड्रोन पलटन

द्विवेदी ने कहा, हर पैदल सेना बटालियन में अब एक ड्रोन पलटन है। तोपखाने में 'शक्तिबाण रेजिमेंट' का गठन किया गया है, जो ड्रोन, ड्रोन रोधी उपकरणों और आत्मघाती ड्रोन से लैस होगी। सेना प्रमुख ने कहा कि आगामी दिनों में सेना की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी क्योंकि सेना की वायु रक्षा प्रणालियों को स्वदेशी मिसाइलों से लैस किया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने पिछले साल रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि शीर्ष नेताओं की उपस्थिति दर्शाती है कि यह केवल एक सेना दिवस नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक उत्सव है। बर्फीली चोटियों पर वीरों द्वारा दिए गए बलिदान के कारण ही राष्ट्र सुरक्षित है। हम उनके समर्पण एवं दृढ़ संकल्प को याद करते हैं और उन वीर नायकों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी ताकि हम शांतिपूर्ण जीवन जी सकें।

पंछी प्रेमी

हैदराबाद के मुसल्लम जंग पुल पर शनिवार को कबूतरों के झुंड को दाना खिलाता व्यक्ति। कबूतर अपनी शान, बुद्धिमत्ता और सैन्य कौशल के लिए भी जाने जाते हैं, कई संस्कृतियों में इनका सम्मान किया जाता है। ● एजेंसी

कांग्रेस की हार के लिए पक्षपाती अंपायर निर्वाचन आयोग जिम्मेदार: राहुल

आणंद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में पार्टी के जिला इकाई प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय उनकी राय पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'संगठन सृजन अभियान' के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को उसके 'मुख्य गढ़' गुजरात में हराना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास एक रिसॉर्ट में जिला पार्टी कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है।

संसद की कार्यवाही बाधित होने से विपक्ष को ही अधिक नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

● संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा- सरकार को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण अवसर खो रहा विपक्ष

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि सदन कार्यवाही बार-बार बाधित होने से विपक्ष को अधिक नुकसान होता है, क्योंकि वह सरकार को जवाबदेह ठहराने का महत्वपूर्ण अवसर खो देता है।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब मानसून सत्र के पहले हफ्ते में विपक्षी सांसदों के बार-बार विरोध प्रदर्शन के कारण कोई विशेष कामकाज नहीं हो सका। संसद रत्न पुरस्कार समारोह में रीजीजू ने याद दिलाया कि कैसे नौकरशाह संसद स्थगित होने पर कभी-कभी राहत महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको बता दूं कि जब संसद नहीं चलती तो अधिकारी राहत महसूस करते हैं क्योंकि उन्हें सवालों से छुटकारा मिल जाता है। संसद में सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। जब सदन चलता है, तो मंत्रियों को कठिन सवालों का सामना करना पड़ता है। जब सदन की कार्यवाही कुछ ही मिनट में स्थगित हो जाती है, तो वे सवाल भी नहीं उठते। कार्यवाही बाधित होने से अधिक नुकसान विपक्ष को होता है। बाधित करने वालों को लगता है कि वे सरकार को नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन वास्तव में, वे लोकतंत्र में अपनी भूमिका को कमजोर कर रहे होते हैं।

विमान हादसे के 166 पीड़ित परिवारों को एअर इंडिया ने दिया अंतरिम मुआवजा

मुंबई, एजेंसी

● 52 अन्य पीड़ितों के परिवारों को भुगतान की प्रक्रिया जारी

निजी विमानन कंपनी एअर इंडिया ने शनिवार को कहा कि उसने पिछले महीने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के 166 पीड़ित परिवारों को अंतरिम मुआवजा दे दिया है। इसके अलावा 52 अन्य पीड़ितों के परिवारों को भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया ने मारे गए 229 यात्रियों में से 147 के परिवारों और दुर्घटनास्थल पर जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को अंतरिम मुआवज़ा जारी कर दिया है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई, जबकि जमीन पर जान गंवाने वालों सहित कुल मृतकों की संख्या 260 थी। टाटा समूह ने दुर्घटना पीड़ितों को समर्पित 'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' भी पंजीकृत किया है। दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में सहयोग देने का संकल्प भी लिया है।

बिहार में अभ्यर्थी से एंबुलेंस में गैंगरेप

गयाजी, एजेंसी

● होमगार्ड भर्ती के दौरान टेस्ट में दौड़ते समय हो गई थी बेहोश

● अस्पताल ले जा रहे ड्राइवर-टेक्नीशियन ने की दरिंदगी

बिहार के गयाजी जिले में एक महिला ने आरोप लगाया है कि सरकारी भर्ती परीक्षा में फिजिकल टेस्ट के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया।

पुलिस ने बताया कि होमगार्ड भर्ती अभियान में शामिल पीड़िता द्वारा पहचाने गए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी (नगर) रामानंद ने कहा कि 24 जुलाई को जब महिला बेहोश हो गई, तो उसे एंबुलेंस से गयाजी स्थित अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। होश में आने पर महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ एंबुलेंस के अंदर दुष्कर्म किया गया। हमने एंबुलेंस के चालक और तकनीशियन को हिरासत में लिया। महिला ने भी उनकी पहचान कर ली। आरोपियों का जवाब संतोषजनक नहीं था।

> दोषियों को भले ही पकड़ लिया गया हो, लेकिन प्रशासन ऐसे अपराधों को रोकने में असमर्थ है। मुझे खेद है कि मैं एक ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जो कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करने में असमर्थ है।-चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर हैशटैग 'नीतीश सरकार हटाओ, बेटी बचाओ' के साथ इस घटना का एक समाचार साझा किया। यह भी कहा कि बिहार में राक्षस राज है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके दो उप-मुख्यमंत्रियों पर ऐसी घटनाओं को लेकर आपराधिक चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

त्रिपुरा : दो बांग्लादेशी तस्कर सीमा पर ढेर

अगरतला। बीएसएफ ने त्रिपुरा के दक्षिणी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बांग्लादेश के दो तस्करों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की गोलीबारी में एक अन्य बांग्लादेशी घायल हो गया जबकि भारत के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना शुक्रवार तड़के अमजदनगर में हुई। घटनास्थल से 15 लाख रुपये मूल्य की दवाइयों की खेप बरामद की गई है। मारे गए बांग्लादेशी तस्कर का शव बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की मौजूदगी में पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया गया।

पंजाब: 50 करोड़ की हेरोइन जब्त, 8 दबोचे

अमृतसर। पंजाब में सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान स्थित तस्करों से सीधे जुड़े एक हेरोइन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है तथा उनके पास से 50 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के 10 किलो हेरोइन बरामद की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एक किशोर समेत आठ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी सरबजीत उर्फ जोबन, जो सीमावर्ती क्षेत्र के एक गाँव से सक्रिय है, सीमा पार कुख्यात तस्कर राणा के सीधे संपर्क में है।

पेरू में बस पलटने से 18 लोगों की मौत

लीमा। पेरू में लीमा से अमेजन क्षेत्र जा रही एक बस एंडीज पर्वतमाला में एक राजमार्ग पर पलट गई जिससे कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य लोग घायल हो गए। जूनिन के स्वास्थ्य निदेशक क्लिफोर क्यूरीपाको ने बताया कि एक्सप्रेसो मोलिना लिडर इंटरनेशनल कंपनी की एक डबलडेकर बस जूनिन क्षेत्र के पाल्का जिले में सड़क से फिसलकर एक ढलान से नीचे गिर गई। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले तीन जनवरी को भी एक बस नदी में गिर गई थी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी और 32 लोग घायल हो गए थे।

यमनी सेना और हूतियों में संघर्ष, 10 मारे गए

अदन (यमन)। उत्तरी प्रांत सादा में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हूती मिलिशिया द्वारा किए गए बड़े पैमाने के हमले को नाकाम कर दिया गया है। यमन के सरकार समर्थक बलों ने कहा कि उन्होंने सादा प्रांत के उत्तर में अलेब सैन्य मोर्चे पर हूतियों के बड़े पैमाने के हमले को विफल कर दिया। इस संघर्ष में 10 सरकारी सैनिक मारे गए, दर्जनों दुश्मन लड़ाके भी मारे गए या घायल हुए। इसमें यह भी कहा गया है कि हूती आतंकवादियों के शव इलाके की घाटियों में बिखरे पड़े मिले और तीन हूती सैन्य वाहन नष्ट हो गए।

कर्नाटक : सीएम और डिप्टी सीएम के ओएसडी में चले जूते

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी

एच अंजनेया और सी मोहन कुमार।

- **डिप्टी सीएम के ओएसडी ने की शिकायत, सुरक्षा पर चिंता जताई**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन में तैनात राज्य सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बहस के बाद मारपीट हो गई। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के विशेष अधिकारी एच अंजनेया ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के विशेष अधिकारी सी मोहन कुमार पर जूते से हमला करने का आरोप लगाया है।

कर्नाटक भवन के कार्यालय परिसर में घटी ये घटना तब प्रकाश में आई जब अंजनेया ने स्थानीय आयुक्त इमकोंगला जमीर के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की। अंजनेया ने शिकायत में कहा, मुझे जूते से पीटा गया। उन्होंने कार्यस्थल पर अपनी सुरक्षा पर भी गंभीर चिंता जताई। जमीर ने शिकायत मिलने की पुष्टि की और कहा कि मामले पर मानक प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, हमें शिकायत प्राप्त हुई है और उचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

दास्तां भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य की
कारगिल का युद्ध

कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मई को शुरू होकर 26 जुलाई 1999 तक 86 दिन चला था। लद्दाख के कारगिल जिले की ऊंची पहाड़ियों पर लड़ा गया यह एक असामान्य युद्ध था और कई मायनों में भारत के लिए खास था। पूरी दुनिया में आज भी इस युद्ध के दौरान भारतीय सेना की रणनीति, साहस और सैन्य नैतिकता की मिसाल दी जाती है। पाकिस्तान के छल के बावजूद भारतीय सेना ने रणनीतिक धैर्य के साथ अंतरराष्ट्रीय मर्यादा का प्रदर्शन किया और पाकिस्तानी सेना को सीमा से परे धकेलने में अविश्वसनीय कामयाबी हासिल की। इसी वजह से यह युद्ध भारतीय सेना के लिए विजय ही नहीं बल्कि भारतीय नीति और जवानों के अद्वितीय बलिदान का जीवंत उदाहरण भी बना।

शहादत

इस युद्ध में भारत के 527 जवान हुए और 1,363 से ज्यादा गंभीर घायल हुए। भारत की सेना की इस जांबाजी ने पाकिस्तान को उल्टे पैर भागने पर मजबूर कर दिया।

क्यों अलग था कारगिल का युद्ध

- कारगिल युद्ध समुद्र तल से लगभग 16,000–18,000 फीट की ऊंचाई पर लड़ा गया। इतनी ऊंचाई पर युद्ध करना सेना के लिए शारीरिक और रणनीतिक दोनों स्तर पर अत्यंत कठिन था।
- पारंपरिक युद्ध की तरह यह घोषित युद्ध नहीं था। पाकिस्तान ने घुसपैठ को मजदूरों या मुक्ति संग्रामियों का काम बताया, लेकिन असल में ये पाकिस्तानी सेना और उसकी नॉर्दर्न लाइट इन्फैंट्री के सैनिक थे।
- भारत ने इस भीषण युद्ध में एलओसी के इस पार सिर्फ अपने क्षेत्र को ही खाली कराया, इसके साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों का भी पूरी तरह पालन किया। पाकिस्तान के खिलाफ यह भारत की नैतिक जीत थी।

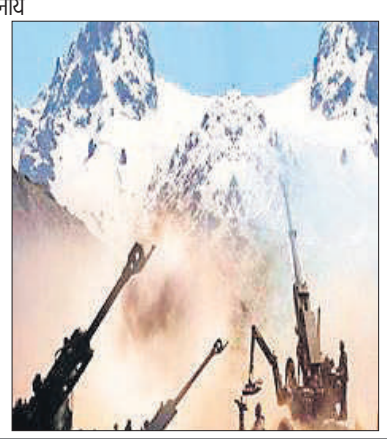

ये थीं बड़ी चुनौतियां

- दुर्गम पहाड़ों पर दुश्मन ऊंचाई पर बैठा था। भारतीय सैनिकों को बर्फ, पत्थरों और खुले मैदानों में सीधे हमले का सामना करते हुए सीधी चढ़ाई करनी पड़ी।
- भारतीय सैनिकों ने अत्यधिक ठंड और कम ऑक्सीजन वाली स्थिति में लड़ाई लड़ी गई जो शारीरिक रूप से बहुत थकाने वाली थी। फिर भी वे डटे रहे।
- युद्ध की शुरुआत में भारतीय सेना को यह मालूम नहीं था कि कितनी ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया गया है और कितनी बड़ी मात्रा में घुसपैठ हुई है।

कारगिल के हीरो

- मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजे गए कैप्टन विक्रम बत्रा ने प्वाइंट 5140 और प्वाइंट 4875 पर अद्भुत साहस दिखाया। शहीद होने से पहले कहा- तिरंगा लहराकर आऊंगा या फिर तिरंगे में लिपटकर।
- मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित कैप्टन अनुज नैयर ने भी प्वाइंट 4875 पर दुश्मन के सामने अदम्य साहस दिखाया। कई दुश्मनों को ढेर कर शहीद हुए।
- परमवीर चक्र से सम्मानित ग्रेनेडियर योगेंद्र यादव ने घायल होते हुए भी दुश्मन के बंकरों में घुसकर हमला किया और कई दुश्मनों को मार गिराया।
- राइफलमैन संजय कुमार ने दुश्मन की फायरिंग पोस्ट पर अकेले कब्जा किया, दो पाक सैनिक भी मार गिराए। उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

... और फतह

भारत ने उन पहाड़ियों को एक-एक कर फतह कर लिया जिन पर पाकिस्तानी सेना ने कब्जा जमा लिया था। भारत ने इसके साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान की घुसपैठ को उजागर किया। इस युद्ध में अनुमानित तौर पर पाकिस्तान के 1,000 से अधिक सैनिक मारे गए हालांकि उसने आधिकारिक तौर पर इसे स्वीकार नहीं किया।

थाईलैंड और कंबोडिया में संघर्ष से डेढ़ लाख से ज्यादा लोग विस्थापित

सीमा पर गोलीबारी के बाद तेज हुई लड़ाई, एक-दूसरे पर हमला करने का आरोप

सुरिन (थाईलैंड), एजेंसी

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर शनिवार को लगातार तीसरे दिन संघर्ष जारी रहा, जिसमें अब तक कुल 33 लोग मारे जा चुके हैं और 168,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फिर से हमले करने का आरोप लगाया है।

कई सीमावर्ती गांवों के पास गोलीबारी की खबरें आई है, जिससे लड़ाई और बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को सीमा पर एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने सेपांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद संघर्ष फिर से भड़क गया। कंबोडियाई और थाई अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई करने का दावा किया है। दोनों देशों ने अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। थाईलैंड ने कंबोडिया से लगी अपनी उत्तर-पूर्वी सीमा को बंद कर दिया है।

क्षेत्रीय समूह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) पर अपने दोनों सदस्य देशों के बीच तनाव कम करने का दबाव बढ़ रहा है। शुक्रवार को एक आपात बैठक के दौरान, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने तनाव कम करने का आह्वान किया और आसियान से शांतिपूर्ण समाधान के लिए मध्यस्थता कराने की अपील की। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा दशकों से विवादित रही है, लेकिन पिछले टकराव सीमित और संक्षिप्त रहे हैं। मौजूदा तनाव मई में तब शुरू हुआ जब एक टकराव में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई। इससे कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया और थाईलैंड की घरेलू राजनीति में उथल-पुथल मच गई।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड ने शनिवार तड़के पुरसात प्रांत में कई जगहों पर पांच भारी तोपों से गोले दागे। कंबोडिया ने इसे अकारण और पूर्वनियोजित आक्रामक कार्रवाई बताया। मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि कोह कांग प्रांत में तनाव बढ़ गया है, जहां कथित तौर पर चार थाई नौसैनिक जहाज तट के पास पहुंच गए हैं जबकि चार अन्य रास्ते में हैं।

कंबोडिया में सीमावर्ती इलाके से पलायन करता एक परिवार। ● एजेंसी

सीमावर्ती क्षेत्रों में न जाएं भारतीय नागरिक

नोम पेन्ह। भारत ने कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर तीन दिन से जारी संघर्ष के बीच कंबोडिया में अपने नागरिकों को सीमावर्ती क्षेत्रों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। बृहस्पतिवार को शुरू हुए इस संघर्ष में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। थाईलैंड में 19 और कंबोडिया में 13 लोगों की मौत हुई है। यहां भारतीय दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, कंबोडिया-थाईलैंड सीमा पर जारी संघर्ष को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सीमावर्ती क्षेत्रों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से किसी भी आपात स्थिति में +855 92881676 नंबर या ईमेल के जरिए संपर्क साधने का भी आग्रह किया। इससे पहले शुक्रवार को भारत ने थाईलैंड में अपने नागरिकों के लिए इसी तरह का परामर्श जारी करके उन्हें सावधानी बरतने और देश के सात प्रांतों की यात्रा करने से बचने की सलाह दी थी।

सीमा पर संघर्ष में 13 की मौत, 71 से ज्यादा घायल

नोम पेन्ह/बैंकॉक। कम्बोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर तीसरे दिन जारी संघर्ष में दोनों ओर हुई झड़पों में कम से कम 13 कंबोडियाई नागरिकों की मौत हो गई और 71 घायल हो गए हैं। थाई मीडिया के अनुसार कम्बोडिया की ओर से थाईलैंड के जवानों पर गोलीबारी करने के बाद शनिवार सुबह तीसरे दिन भी सीमा पर संघर्ष शुरू हो गया। कम्बोडिया के रक्षा मंत्रालय के उप राज्य सचिव और प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा, पांच कंबोडियाई सैनिक मारे गए और 21 घायल हो गये। इसके अलावा, ओड्डार मींचे प्रांत में आठ नागरिक मारे गए और 50 घायल हो गए हैं। नवीनतम घटनाक्रम में कम्बोडियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड की सेना ने आज कम्बोडिया के एक अन्य प्रांत पुरसात में भी अपने सैन्य हमलों को तेज किया है।

विजय दिवस

शनिवार को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय सैन्य स्मारक पर कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 75 फीट ऊंचे वीरगल्लू (नायक पत्थर) के अनावरण के दौरान पुष्पार्पण करते छात्र और पूर्व सैन्य कर्मचारी। एजेंसी

ईरान : आतंकी हमले में आठ लोगों की मौत

तेहरान। ईरान में सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी दक्षिण-पूर्वी शहर ज़ाहेदान में न्याय विभाग की इमारत पर शनिवार को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए और अन्य 13 घायल हो गये। हमले में मारे गए लोगों में पांच नागरिक और तीन हमलावर भी शामिल हैं। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले की ज़िम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित सुन्नी आतंकवादी संगठन जैश अल-जुल्म ने ली है। ईरान ने इसे एक आतंकवादी समूह घोषित किया है।

पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने वाली बिलकिस को फंसाया था फर्जी केस में

श्रीनगर, एजेंसी

- **भारत की एकमात्र महिला जूरी चुनी गईं थीं पेरिस ओलंपिक में**
- **हाईकोर्ट ने जताया साजिश रचने का अंदेशा, रद्द की प्राथमिकी**

पेरिस में 2024 के ओलंपिक खेलों में कयाकिंग और कैनोइंग के लिए भारत की एकमात्र महिला जूरी बिलकिस मीर ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसबीबी) की ओर से दर्ज प्राथमिकी को खारिज करने के लिए तीन साल की कानूनी लड़ाई में जीत हासिल की है। जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने प्राथमिकी को रद्द करते हुए शीर्ष पर बैठे अधिकारियों पर मीर के खिलाफ साजिश रचने का अंदेशा जताया।

अदालत ने कहा कि जब मीर ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है, तब उनके तकनीकी योग्यता हासिल न करने को अपराध घोषित करने में एसीबी का रवैया हमारे खेल नायकों के साथ हमारे व्यवहार के तरीके को दर्शाता है। शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में नियुक्त मीर पर एसीबी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने परिवीक्षा के दौरान शारीरिक शिक्षा में स्नातक पाठ्यक्रम पूरा नहीं किया था।

एसीबी ने 2023 में दर्ज प्राथमिकी में मीर पर आधिकारिक कार्य के लिए पारिश्रमिक से परे रिश्वत लेने और आपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। मीर ने कहा, जब मैंने कयाकिंग करने का फैसला किया तो अभ्यास के लिए पैडल खरीदने के पैसे नहीं थे। मैंने उस समय भारत की जर्सी पहनी थी जब आतंकवाद चरम पर था। यह एक ऐसा झटका था जिसे मैं झेलने के लिए तैयार नहीं थी।

उपलब्धियों से भरा है मीर का करियर

कयाकिंग और कैनोइंग पानी में नाव चलाने की गतिविधियां हैं। मीर का शानदार 28 साल का करियर आठ साल की उम्र में शुरू हुआ था। उनकी उपलब्धियों में हंगरी में 2009 के विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व शामिल है जहां वह 8वें स्थान पर रहीं। वह एशियाई खेलों (चीन) में जूरी नियुक्त होने वाली पहली भारतीय महिला थीं और लंदन ओलंपिक 2012 के लिए महिला टीम के लिए राष्ट्रीय कोच के रूप में कार्य किया था। मीर को बुडापेस्ट के 'सेमेल्विस यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कोचिंग एंड स्पोर्ट' से अंतरराष्ट्रीय कोचिंग डिप्लोमा प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव भी प्राप्त है।

जन्मजात नागरिकता: ट्रंप के आदेश पर एक और संघीयअदालत की रोक

बोस्टन, एजेंसी

- **दस से ज्यादा राज्यों ने ट्रंप के फैसले को असंवैधानिक बताया**

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे माता-पिता के बच्चों को मिलने वाली जन्मजात नागरिकता पर प्रतिबंध लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर शुक्रवार को एक संघीय न्यायाधीश ने रोक लगा दी।

जून में उच्चतम न्यायालय के एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद से तीसरी बार किसी न्यायालय ने ट्रंप प्रशासन के आदेश पर रोक लगाई है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लियो सोरोकिन ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले दस से अधिक राज्यों ने अदालत में कहा कि ट्रंप का जन्मजात नागरिकता आदेश स्पष्ट रूप से असंवैधानिक है। उम्मीद की जा रही है कि यह मामला जल्द ही देश के उच्चतम न्यायालय में वापस जाएगा।

न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन ने एक बयान में कहा कि वह इस बात से खुश हैं कि जिला अदालत ने राष्ट्रपति के घोर असंवैधानिक जन्मजात नागरिकता आदेश को कहीं भी प्रभावी होने से रोक दिया है। उन्होंने कहा, अमेरिका में जन्मे बच्चे अमेरिकी हैं। राष्ट्रपति एक कलम से कानूनी नियम को नहीं बदल सकते।

ब्रिटेन से व्यापार समझौता भारत पर वैश्विक भरोसा

तूतीकोरिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच हाल में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शनिवार को 'ऐतिहासिक' करार दिया और कहा कि यह व्यापार समझौता भारत पर दुनिया के विश्वास को दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित हथियारों ने सीमा पार सैन्य अभियान के दौरान दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने में बड़ी भूमिका निभाई और दुश्मनों की नींद उड़ा दी। प्रधानमंत्री ने यहां 4,900 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा तमिलनाडु के विकास के प्रति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

● प्रधानमंत्री मोदी ने तूतीकोरिन में किया 4900 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि वह अपने विदेश दौरे को पूरा करने के बाद सीधे तमिलनाडु में आकर धन्य हो गए हैं। इस दौरान मालदीव की उनकी यात्रा से पहले भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

औद्योगिक विकास की जीवनरेखा है रेलवे

मोदी ने रेलवे के संबंध में कहा कि यह औद्योगिक विकास की जीवन रेखा है। ये परियोजनाएं तमिलनाडु में हवाई अड्डे, राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाह और बिजली से संबंधित हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनमें एक नया अत्याधुनिक तूतीकोरिन हवाई अड्डा टर्मिनल भवन शामिल है, जिसे लगभग 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, तमिलनाडु को विकास के शिखर पर ले जाने के लिए 2014 में शुरू किए गए मिशन का तूतीकोरिन में आज भी क्रियान्वयन जारी है, उन्होंने पिछले वर्ष कंटेनर टर्मिनल सहित कई परियोजनाओं के उद्घाटन को याद किया। कहा टर्मिनल अब सालाना 20 लाख से अधिक यात्रियों की मेजबानी में सक्षम है, पहले इसकी क्षमता केवल तीन लाख यात्रियों की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 जुलाई, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 10 .41 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

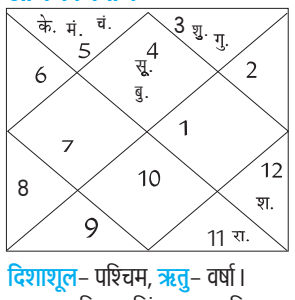

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-मघा 16 .23 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। प्रेमी जन से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। छोटे मोटे तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें।

वृष — आज व्यापार में नया प्रयोग कर सकते हैं। परोपकार में धन खर्च कर सकते हैं। अपनी क्षमताओं को विकसित करने पर काम कर सकते हैं। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए।

मिथुन — आज जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनंद उठायेंगे। अविवाहित लोगों के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। विरोधियों के बीच आपका मान बढ़ेगा।

कर्क — आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है। परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। मन का तनाव दूर होगा।

सिंह — आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। निरर्थक कार्यों में समय बर्बाद हो सकता है। आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आय की स्थिति मजबूत रहेगी। परिस्थितियों में धीरे-धीरे सुधार आयेगा। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

वृश्चिक — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आपकी रुचि नए कार्यों को लेकर बढ़ेगी। नए संबंध विकसित होने के योग बन रहे हैं। प्रबंधन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप काफी समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा।

धनु — आज उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण काम पूर्ण हो सकता है। कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन फंस सकता है।

मकर — आज आपका स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिए जा सकते हैं। शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। बच्चों की परेशानियों को समझें।

कुंभ — आज नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है। अधिकारियों से आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। भाई-बन्धुओं के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपकी आय में वृद्धि होगी।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। अनावश्यक बातों पर ध्यान न दें। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे।

सुडोकू-51

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3		9			4			2
				1			3	
5			9			6		
					6		9	
	3	2				5	1	
	8		7					3
		4			5		2	
	7			8				
6			1			3		4

सुडोकू - 50 का हल

2	8	5	4	9	7	6	1	3
4	6	7	2	3	1	8	9	5
3	1	9	6	8	5	4	7	2
5	7	6	8	4	9	2	3	1
9	2	4	3	1	6	5	8	7
8	3	1	7	5	2	9	6	4
7	9	8	1	2	4	3	5	6
1	5	2	9	6	3	7	4	8
6	4	3	5	7	8	1	2	9

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं। और अब लगता है, बुमराह की बारी है। क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी। अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। –मोहम्मद कैफ

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 27 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

रोलर स्केटिंग में रिदम ने स्वर्ण जीता

मुंबई : भारत की 13 वर्षीय रिदम ममानिया ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में एकल फ्री डांस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता के 20वें सत्र का आयोजन दक्षिण कोरिया के जेचियन शहर में हो रहा है जहां छह बार की राष्ट्रीय चैंपियन रिदम ने देश का नाम रोशन किया। रिदम ने इस साल की शुरुआत में ताइवान में हुई आर्टिस्टिक रोलर स्केटिंग ओपन प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। मुंबई की खिलाड़ी ने चार साल की उम्र से स्केटिंग करना शुरू कर दी थी। रिदम का लक्ष्य अब ब्रिसबेन में होने वाले पैसिफिक कप में भाग लेना है।

अटवाल ने कट हासिल किया

सनिंगडेल (ब्रिटेन) : अर्जुन अटवाल, जीव मिल्खा सिंह और ज्योति रंधावा की भारतीय गोल्फ तिकड़ी ने यहां आईएसपीएस हांडा सीनियर (50 साल से अधिक) ओपन में कट हासिल कर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब तीन भारतीय खिलाड़ियों ने किसी मेजर (गोल्फ के शीर्ष स्तर का टूर्नामेंट) में एक साथ कट हासिल किया है। शुरुआती दिन 67 का कार्ड खेलने वाले अटवाल दूसरे दिन दो ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर है। जीव (71-69) संयुक्त 49वें स्थान पर है जबकि रंधावा (70-71) एक ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस प्रतियोगिता का कट एक ओवर का रहा।

दीक्षा ने स्कॉटिश ओपन गोल्फ में बनाई जगह

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड) : दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही।

सात्विक-चिराग हारकर बाहर

चांग्झू : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया की दूसरी वरीयता प्राप्त आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हारकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। एशियाई खेलों के चैंपियन एक बार फिर दुनिया की दूसरे नंबर की मलेशियाई जोड़ी से हार गए। सात्विक और चिराग को 2022 के विश्व चैंपियन और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता आरोन और सोह से 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

शुभमन और राहुल भारत को पारी की हार से बचाने के लिए डटे

इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रनों की बढ़त हासिल की, भारत ने स्टंप तक दो विकेट पर 174 रन बनाए

मैनचेस्टर, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शनिवार को यहां भारत को शुरुआती झटकों से उबारकर शानदार जज्बे और संयम का प्रदर्शन करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़े जिससे मेहमान टीम ने चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टंप तक दो विकेट पर 174 रन बना लिए। गिल 78 और राहुल 87 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 174 रन की अटूट साझेदारी कर अंतिम दोनों सत्र में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। भारत अब इंग्लैंड से 137 रन पीछे है।

कप्तान बेन स्टोक्स (141 रन) के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में पहली पारी में 669 रन का स्कोर खड़ाकर 311 रन की विशाल बढ़त हासिल की। इसके बाद भारत को लंच से पहले 20 मिनट तक बल्लेबाजी करनी पड़ी जिसमें दूसरी पारी में उसकी शुरुआत निराशाजनक रही। भारत ने पहले ही ओवर में लगातार दो गेंदों पर यशस्वी जायसवाल और बी साई सुदर्शन के विकेट गंवा दिए जबकि तब टीम का खाता भी नहीं खुला था। इससे लंच के समय टीम का स्कोर एक रन पर दो विकेट था। क्रिस वोक्स की 'राउंड द विकेट' गेंद जायसवाल के बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए पहली स्लिप में जो रूट के हाथों में चली गई। अगली ही गेंद पर सुदर्शन गेंद छोड़ने और खेलने की दुविधा में दूसरी स्लिप में हैरी ब्रुक को कैच करा बैठे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने भारतीयों की तुलना में पिच से कहीं ज्यादा फायदा उठाया। पर गिल और राहुल ने बेहतरीन तकनीक दिखाते हुए संयम से खेलना जारी रखते हुए भारतीय पारी को संभालकर अंतिम दिन के लिए उम्मीद बंधाई। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों में विशेषकर जोफ्रा आर्चर ने गिल के पैड पर कुछ खतरनाक इनस्विंगर फेंकी लेकिन भारतीय कप्तान इनसे उबरकर शानदार शॉट खेलने में सफल रहे। गिल का साथ हमेशा ही भरोसेमंद रहने वाले राहुल ने दिया, जो इस सीरीज में भारत की बल्लेबाजी की नींव रहे हैं। गिल को इस दौरान किस्मत का भी साथ मिला क्योंकि जब वह 46 रन पर थे तो ब्रायडन कार्स की गेंद पर लियाम डॉसन ने बैकवर्ड प्वाइंट पर उनका कैच छोड़ दिया था।

इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल रन लेते हुए। एजेंसी

भारत पहली पारी : 358 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 669 रन

भारत दूसरी पारी

174/2 (63 ओवर)

- यशस्वी का रूट बो वोक्स 00
- केएल राहुल खेल रहे हैं 87
- साई सुदर्शन का ब्रुक बो वोक्स 00
- शुभमन गिल खेल रहे हैं 78

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 15-3-48-2, जोफ्रा आर्चर 11-2-40-0, ब्रायडन कार्स 10-2-29-0, लियाम डॉसन 22-8-36-0, लियाम डॉसन 5-1-17-0

इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोक नहीं पाए भारतीय गेंदबाज

- **मैनचेस्टर :** इंग्लैंड ने सुबह दिन की शुरुआत सात विकेट पर 544 रन की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अच्छी लय में दिखे जिन्होंने शुक्रवार की तुलना में कहीं ज्यादा जोश से गेंदबाजी की। लेकिन इंग्लैंड को ओल्ड ट्रैफर्ड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने से नहीं रोक सके। बुमराह ने 33 ओवर में पांच मेडन से 112 रन देकर दो विकेट झटके। उनके अभूतपूर्व टेस्ट करियर में पहली बार हुआ कि उन्होंने 100 या इससे ज्यादा रन दिए। स्टोक्स (141 रन, 198 गेंद) ने 77 रन से आगे खेलते हुए दिन की शुरुआत सिराज की गेंद पर आगे बढ़कर कवर क्षेत्र में शॉट लगाकर की। उन्होंने सिराज की गेंद पर लेग साइड में चौका लगाकर इस मैच में शतक और पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल की। स्टोक्स ने दो साल बाद शतक जड़ा है जो उनके लिए बहुत मायने रखता है। जब स्टोक्स ने वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर छक्का जड़ा तो वह जाक कैलिस और सर गैरी सोबर्स के बाद 7000 रन और 200 विकेट पूरे करने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए। इंग्लैंड ने जहां आसानी से बाउंड्री लगाई तो 2014 के बाद यह पहली बार था जब भारत ने एक पारी में 600 रन दिए।

कोहली, रोहित और अश्विन के बाद बुमराह ले सकते हैं टेस्ट से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एक्स पर पोस्ट कर मचाई खलबली**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं क्योंकि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा। 41 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने कैफ ने 'एक्स' पर एक वीडियो में पोस्ट किया मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। कैफ ने कहा मुझे उम्मीद है और दुआ है कि मैं गलत हूं। लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि वह बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे हैं। वह अपने शरीर से लड़ाई हार गए हैं। जोश और जुनून तो वही है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है। और ऐसी स्थिति में आप क्या कर सकते हैं। रोहित के संन्यास के बाद भारतीय थिंक-टैंक की कप्तानी के लिए पहली पसंद बुमराह थे लेकिन उन्होंने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए इस पद के लिए नहीं' कह दिया। बुमराह ने एक साक्षात्कार में कहा था हां, बीसीसीआई टीम के नेतृत्व के लिए मुझे चाहते थे। लेकिन फिर मुझे मना करना पड़ा। यह टीम के लिए भी उचित नहीं है कि पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में कोई तीन मैचों में और कोई दो मैचों में नेतृत्व करे। यह टीम के लिए उचित नहीं है और मैं हमेशा टीम को प्राथमिकता देना चाहता था। बुमराह 2024 से आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर काबिज हैं, पर साल की शुरुआत से ही वह फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पीठ की चोट के कारण वह इस साल की शुरुआत में सिडनी में हुए पांचवें और अंतिम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे और चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 की शुरुआत भी नहीं खेल पाए थे। तब से भारत का यह तेज गेंदबाज अपने कार्यभार को लेकर काफी सतर्क रहा है और उन्होंने इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर केवल तीन टेस्ट खेलने का विकल्प चुना है।

दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते हैं बुमराह

- **नई दिल्ली :** इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते हैं। पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ रही भारतीय टीम चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड से 186 रन पीछे है। बुमराह को अभी तक इस मैच में सफलता हासिल करने के लिए जूझना पड़ा है। जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ ट्रॉट ने कहा बुमराह ने अच्छी गेंदबाजी की और उनके इकोनॉमी रेट से भी इसका पता चलता है। बस किस्मत ने उनका थोड़ा साथ नहीं दिया। असल में मुद्दा दोनों छोर से दबाव बनाने का है।

जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

कुलदीप को शामिल करने के लिए शीर्ष छह बल्लेबाजों से निरंतरता की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी

- **गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप यादव को टीम में शामिल न किए जाने पर पेश की सफाई**

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल का मानना है कि विशेषज्ञ गेंदबाज कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों को और अधिक निरंतरता से बल्लेबाजी करने की जरूरत है। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को अब तक श्रृंखला में नहीं चुने जाने पर काफी बातें चल रही हैं। भारत और इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ियों ने उन्हें टीम में शामिल करने की वकालत की है क्योंकि वह मैच विजेता हैं।

भारत ने आठवें नंबर तक अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को चुनने पर तरजीह दी है। इस कदम के मिले-जुले परिणाम मिले हैं। कुलदीप को विश्वस्तरीय स्पिनर बताते हुए मोर्केल ने कहा कि भारत इस गेंदबाज को टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहा है। अब वह केवल 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले आखिरी टेस्ट में ही खेल पाएंगे। उन्होंने चौथे टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कुलदीप के लिए हम कोई रास्ता ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसके लिए हमें जरूरत है कि हमारे शीर्ष छह खिलाड़ी लगातार रन बनायें ताकि हम कुलदीप जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल कर सकें। पहली पारी में भारतीय तेज गेंदबाज़ों के साधारण प्रदर्शन के बाद मोर्केल मीडिया से मुखातिब हुए। कुलदीप के बारे में और बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे लगता है हमें देखना होगा कि अगर वह टीम में आते हैं तो हम संतुलन कैसे बना सकते हैं और हम अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप को कैसे थोड़ा लंबा और मजबूत बना सकते हैं।

कुलदीप यादव। एजेंसी

स्मिथ ने इंग्लैंड को आगाह किया, एशेज में नहीं मिलेगी सपाट पिचें

- **लंदन :** ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज भले ही घरेलू मैदान पर काफी सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन इस साल के अंत में होने वाली एशेज श्रृंखला में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम को अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा। भारत-इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट श्रृंखला में विकेट बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रहे हैं और स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को इस तरह की पिचों पर खेलने का अधिक आदी नहीं होना चाहिए। मौजूद श्रृंखला में दोनों टीमें कम से कम एक बार एक पारी में 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं और उन्होंने लगातार 400 से अधिक रन बनाए हैं। बीबीसी स्पोर्ट ने स्मिथ के हवाले से कहा उनके (इंग्लैंड के) बल्लेबाज पिछले कुछ समय से सपाट और बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेटों पर खेल रहे हैं।

एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में

कराची/नई दिल्ली, एजेंसी

- **भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 और 21 सितंबर को**

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि पुरुषों का एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा। पीटीआई को मिले शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित ग्रुप चरण मैच रविवार (14 सितंबर) को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के अगले रविवार (21 सितंबर) को फिर से सुपर फोर मैच में आमने सामने होने की संभावना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा और उसके सभी मैच दुबई में खेले जाने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम को अनुमति देगा तथा इसके मैच दुबई और अबुधाबी में खेले जाएंगे।

एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा संयुक्त अरब अमीरात में एसीसी पुरुष टी20 एशिया कप 2025 की मेजबानी से पूरे एशिया के प्रशंसकों को एक ऐसे माहौल में एक साथ आने का मौका मिलेगा जो हमारे क्षेत्र की अविश्वसनीय विविधता को दर्शाता है। जब दर्शक टूर्नामेंट के अविस्मरणीय मुकाबलों को देखने के लिए इकट्ठा होंगे तो यह दूरियों को पाटने में क्रिकेट की ताकत का शानदार प्रदर्शन होगा।

नकवी ने आगे कहा एशिया कप एशियाई क्रिकेट का मुख्य आयोजन है और हमें इस साल एक विस्तारित मंच पेश करते हुए गर्व हो रहा है। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी है। उन्होंने कहा, यह साल एसीसी की यात्रा में एक और मील का पत्थर और एशिया में क्रिकेट के लिए एक उल्लेखनीय विकास है।

टूर्नामेंट में अतिरिक्त टीमों को शामिल करने के साथ हम खेल की सीमाओं को भौगोलिक और प्रतिस्पर्धी दोनों तरह से विस्तारित होते देख रहे हैं।

ग्रुप चरण में भारत में मैचों का कार्यक्रम

10 सितंबर : भारत बनाम यूएई
14 सितंबर : भारत बनाम पाकिस्तान
19 सितंबर : भारत बनाम ओमान

सुपर चार कार्यक्रम

20 सितंबर : बी 1 बनाम बी 2
21 सितंबर : ए 1 बनाम ए 2 (भारत बनाम पाकिस्तान का संभावित मुकाबला)
23 सितंबर : ए 2 बनाम बी 1
24 सितंबर : ए 1 बनाम बी 2
25 सितंबर : ए 2 बनाम बी 2
26 सितंबर : ए 1 बनाम बी 1
28 सितंबर : फाइनल

तीरंदाज जाधव को स्वर्ण, चित्रावेल ने त्रिकूद में रजत जीता

ईसेन (जर्मनी) : साहिल जाधव ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में शनिवार को यहां स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजों ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के तीरंदाजी स्पर्धा में पांच पदकों के साथ अभियान समाप्त किया।

इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यीउन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों के निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता।

सख्ती | ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉक ने की कार्रवाई

मेसी को एक मैच के लिए निलंबित करने पर इंटर मियामी नाराज

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी

लियोनेल मेसी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है।

मेसी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेसी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं। मास ने कहा कि क्लब ने मेसी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने का फैसला किया। एमएलएस के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति लिए बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता है।

क्लब इंटर मियामी के एक मैच के दौरान किक लगाते लियोनेल मेसी। एजेंसी

शिलांग लाजोंग ने मलेशिया आर्म्ड को रौंदा

- **शिलांग :** शिलांग लाजोंग एफसी ने डूरंड कप फुटबॉल के ग्रुप ई के शुरुआती मैच में शनिवार को यहां मलेशिया आर्म्ड फोर्सेज फुटबॉल टीम को 6-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। एवरब्राइटसन सना और फ्रांसकी बुआम ने शिलांग की टीम के लिए दो-दो गोल किए। स्थानापन्न खिलाड़ी ट्रेइमिकी लामुरोंग और देइबोरमेम टोंगपर ने एक-एक गोल दागा कर टीम की एकतरफा जीत में योगदान दिया।

जावी हर्नांडेज का आवेदन वास्तविक नहीं था : एआईएफएफ

- **नई दिल्ली :** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को कहा कि विश्व कप विजेता स्पेनिश खिलाड़ी जावी हर्नांडेज का भारतीय फुटबॉल कोच पद के लिए ईमेल से भेजा गया आवेदन वास्तविक नहीं पाया गया। इस पद के लिए तीन अन्य आवेदकों की सिफारिश की गई है। महासंघ के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा था कि स्पेन के दिग्गज फुटबॉलर जावी ने भी भारतीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन किया है लेकिन उनके नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है क्योंकि राष्ट्रीय महासंघ उनका खर्च उठाने में सक्षम नहीं है। एआईएफएफ ने फिलहाल छंटनी की गई सूची में नामों का खुलासा नहीं किया है।